भोपाल
रविवार, 23 अगस्त 2026
श्रावण मास शुक्ल पक्ष- 11
वर्ष : 13, अंक : 142
पृष्ठ : 14 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 28
न्यून. 23

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रीवा समेत विंध्य के 7 जिलों में तेज बारिश

मदद के लिए नाव से पहुंच रहे अधिकारी

रीवा। विंध्य क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश ने एक बार फिर लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। शुक्रवार शाम से शुरू हुआ बारिश का यह सिलसिला देर रात तक जारी रहा, जिसकी वजह से शनिवार सुबह तक रीवा समेत आसपास के कई जिलों में हालात काफी बिगड़ गए। शहर के कई इलाकों में पानी भर जाने से आम जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो चुका है। निचले इलाकों में सड़कें पानी में पूरी तरह डूब गई हैं और लोगों को आवागमन शेष पेज 6 पर

सीएम डॉ.यादव ने नई दिल्ली में निवेशकों को दी मप्र की खूबियों की जानकारी

मुख्यमंत्री ने निवेशकों से कहा - मप्र आपको बुला रहा है यहां निवेश कीजिए व व्यापार-व्यवसाय चार गुना बढ़ाइए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र में टैक्सटाइल एवं गारमेंट, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, खाद्य प्रसंस्करण तथा नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में निवेश की व्यापक संभावनाएं हैं। राज्य में विकसित किए जा रहे आधुनिक औद्योगिक पार्क इन क्षेत्रों के निवेशकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित एक बिजनेस कार्यक्रम में मप्र सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एमएसएमई, स्टार्टअप और बड़े उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है। राज्य की औद्योगिक नीति का उद्देश्य विभिन्न आकार और क्षेत्रों के उद्यमों को ऐसा प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना है, जहां वे स्थानीय संसाधनों और वैश्विक बाजारों दोनों का लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि मप्र आपके निवेश, आपके उद्योग और आपके सपनों के लिए तैयार है। आइए, मप्र के साथ मिलकर औद्योगिक विकास, रोजगार और समृद्धि के नए अध्याय का निर्माण करें।

चुनौतियों को अवसर में बदलकर मप्र अब सबसे तेज गति से प्रगति करने वाला राज्य बना

सीएम डॉ. यादव मप्र सत्र में बात करते हुए

रणनीतिक कनेक्टिविटी प्रदेश की बड़ी ताकत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र की भौगोलिक स्थिति राज्य को देश के प्रमुख औद्योगिक एवं उपभोक्ता बाजारों से जोड़ती है। सड़क, रेल और हवाई संपर्क के विस्तार के साथ लॉजिस्टिक्स अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है। बेहतर कनेक्टिविटी से राज्य में निर्मित उत्पादों को देश के साथ-साथ वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने में सुविधा होगी। मप्र की यह क्षमता राज्य को वैश्विक कंपनियों की सप्लाई चेन और मैन्युफैक्चरिंग नेटवर्क में महत्वपूर्ण स्थान दिलाने में सहायक होगी।

ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की दिशा में प्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य में सौर एवं पवन ऊर्जा की व्यापक संभावनाओं का उपयोग करते हुए स्वच्छ ऊर्जा आधारित औद्योगिक विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। पर्याप्त और स्वच्छ ऊर्जा की उपलब्धता भविष्य में पर्यावरण-अनुकूल तथा प्रतिस्पर्धी विनिर्माण को नई गति देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों के लिए सिंगल विंडो व्यवस्था, डिजिटल प्रक्रियाओं, संस्थागत सुधार और समयबद्ध अनुमोदन को प्राथमिकता दी जा रही है। निवेश प्रस्तावों के त्वरित निराकरण और परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए सरकार निरंतर शेष पेज 6 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष और उनके दो बेटों पर एफआईआर

बुरहानपुर। जिले के गंभीरपुरा गांव में आबकारी विभाग की दबिश के बाद शुरू हुआ विवाद

अब काउंटर केस तक पहुंच गया है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, कुल 14 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इनमें शिवा बाबा मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष रूपसिंह पवार और उनके दो बेटे भी शामिल हैं।

इंदौर में स्वाइन फ्लू का दूसरा मरीज मिला

इंदौर। स्वाइन फ्लू (एच1एन1) को लेकर स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है। उज्जैन की एक

महिला की मौत के बाद अब इंदौर में स्वाइन फ्लू का दूसरा मरीज सामने आया है। संक्रमित मरीज को शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। हाल ही में उज्जैन की महिला की मौत हुई है।

मां ने मोबाइल छीना तो युवती ने लगाई फांसी

ग्वालियर। आदित्यपुरम में देर रात मोबाइल चलाने से मना करने पर एक युवती ने आत्मघाती कर ली।

मां द्वारा डांटकर मोबाइल छीनने से नाराज बेटी ने कमरे में जाकर साड़ी का फंदा लगा लिया। सुबह जब मां मोबाइल लौटाने कमरे में पहुंची तो बेटी फंदे पर लटकी मिली। परिजन आनन-फानन में उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम की पहली बैठक के बीच सरकार का बड़ा फैसला

जेन जी पर भाजपा का बड़ा दांव अब युवाओं से सीधे संवाद होगा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को टक्कर देनी की तैयारी

भाजपा ने इसके लिए एक खास टीम बनाई है। यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश के कुछ दिन बाद उठाया गया है। पीएम ने विश्वविद्यालयों और सरकारी स्कूलों में युवाओं से सीधे संवाद बढ़ाने पर जोर दिया था

मंच पर मध्य में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने जेन जी को साधने के लिए खास टीम उतारी है, युवाओं के सवालों और उम्मीदों पर सीधे संवाद की तैयारी तेज हो गई है। राहुल गांधी के छात्र कार्यक्रम 'छात्रों की गूंज' के बीच यह पहल साफ संकेत है कि नई पीढ़ी अब सियासी मुकाबले का नया केंद्र बन चुकी है। पार्टी ने इसके लिए एक खास टीम बनाई है। यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रियों को दिए निर्देश के कुछ दिन बाद उठाया गया है। प्रधानमंत्री ने विश्वविद्यालयों और सरकारी स्कूलों में युवाओं से सीधे संवाद बढ़ाने पर जोर दिया था। इस टीम में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी और विनोद तावड़े शामिल हैं। गुजरात के मंत्री हर्ष संघवी और छत्तीसगढ़ के मंत्री ओपी चौधरी को भी टीम में जगह दी गई है। भाजपा का यह कदम ऐसे समय आया है, जब कांग्रेस भी युवाओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को पुणे में 'छात्रों की गूंज' शेष पेज 6 पर

बैठक के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सामूहिक तस्वीर ली गई जिसे पीएम ने एक्स पर शेयर किया

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, स्मृति इरानी, विनोज तावड़े हर्ष संधवी एवं ओपी चौधरी को दी गई बड़ी जिम्मेदारी

युवाओं के सवालों और उम्मीदों पर सीधे संवाद की तैयारी तेज

नई पीढ़ी अब सियासी मुकाबले का नया केंद्र बन चुकी है

जेन जी की सोच और सवालों पर रहेगा फोकस

भाजपा का यह कार्यक्रम युवाओं की उम्मीदों और चिंताओं को समझने पर केंद्रित रहेगा। जेन जी के सामने रोजगार, शिक्षा, परीक्षा और भविष्य से जुड़े कई सवाल हैं। पार्टी इन मुद्दों पर युवाओं से सीधे बातचीत करना चाहती है। कार्यक्रम में चर्चा और संवाद के जरिए युवाओं को भाजपा शेष पेज 6 पर

नई टीम के साथ भाजपा संगठन ने संभाला काम: इसी बीच भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को पार्टी की नई राष्ट्रीय टीम की पहली परिचय बैठक की अध्यक्षता की। इसके साथ ही नए पदाधिकारियों की टीम ने औपचारिक शेष पेज 6 पर

प्रधानमंत्री ने भाजपा की नई 65 सदस्यीय टीम से मुलाकात की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों की टीम से मुलाकात की और उनके साथ समूह तस्वीर भी खिंचवाई। मुलाकात की जानकारी देते हुए पीएम ने एक्स पर लिखा- पार्टी के साथियों के साथ बैठक अच्छी रही। ऐसी बैठकें पार्टी को मजबूत करने और जनता से जुड़ाव पर गहरे विचारों का मंच होती हैं।

राहुल ने मंच से पूछा-आप बताएं युवा क्या चाहता है?

पुणे में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम

राहुल बोले- देश की लड़कियों का आजाद होना बहुत जरूरी

पिता, पति और बेटे से आपका रिश्ता, लेकिन आपकी पहचान उनसे नहीं

एजेंसी ▶▶ पुणे

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में कहा- देश की लड़कियों का आजाद होना जरूरी है। पिता, पति और बेटे से आपका रिश्ता, लेकिन आपकी पहचान उनसे नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं राजनीति की बात करने नहीं आया। आपको मौका दूंगा। आप बोलें, आप क्या सोचते हैं, क्या चाहते हैं। हम आपके विचारों को आपसे ही साझा करेंगे। उस पर चर्चा करेंगे। इस कार्यक्रम में सिर्फ छात्राएं शामिल हुईं। उन्होंने राहुल-राहुल के नारे लगाए। पुलिस ने इस कार्यक्रम के लिए 30 शर्तों के साथ परमिशन दी है। राहुल ने एक महिला से पूछा- एक आदमी किसी महिला शेष पेज 6 पर

राहुल ने कहा- भारत की ताकत सपने और विचार

राहुल ने कहा कि जब यह पूछा जाता है कि आज भारत की ताकत क्या है, कोई सेना कहता है, कोई कुछ कहता है, लेकिन मैं बताना चाहूंगा कि 70 करोड़ लोगों के सपने और विचार ही इसकी ताकत हैं। लेकिन यहां आज एक समस्या है, वो यह है कि जब मैं बात करता हूं कि तो महिलाओं को 3 बॉक्स में रखा जाता है। एक पत्नी, एक बेटी और एक मां... ये गलत नहीं हैं। मनुस्मृति कहती है, जब लड़की छोटी होती है तो वह अपने पिता की संपत्ति है। जब वह युवा होती है तो वह पति की है और जब बूढ़ी होती है तो उसके बच्चों के लिए उसका शेष पेज 6 पर

भोजन की गुणवत्ता पर बड़ा सवाल

इंदौर में मिड-डे मील खाने के बाद 38 बच्चे हुए बीमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

सभी को करीब 7 घंटे ऑब्जर्वेशन में रखा गया

सांवेर क्षेत्र के धरमपुर में शनिवार को मिड-डे मील खाने के बाद 38 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। बच्चों ने भोजन करने के कुछ देर बाद पेट दर्द, चक्कर और सिरदर्द की शिकायत की। उन्हें उपचार के लिए इंदौर के अरविंदो अस्पताल लाया गया, जहां 19 बच्चों को भर्ती कराने के बाद शाम 7 बजे डिस्चार्ज कर दिया गया है। डॉक्टरों के शेष पेज 6 पर

एफएसएल की टीम ने खाने के सैंपल लिए

बैंगन का भरता खाने से तीन सगी बहनों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छतरपुर

शवों को कब्र से निकाल कराया गया पोस्टमॉर्टम

पिपौरा गांव में एक ही परिवार की तीन मासूम सगी बहनों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतकों की पहचान पूनम कुशवाहा (9), मनीषा (5) और 9 माह की चाहत के रूप में हुई है। शनिवार सुबह तीनों बच्चियों की तबीयत एक के बाद एक अचानक बिगड़ी और महज एक घंटे के भीतर तीनों ने शेष पेज 6 पर

ट्रक में जा घुसी तेज रफ्तार कार

पति-पत्नी समेत तीन की मौत, 8 हुए गंभीर घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुलताई

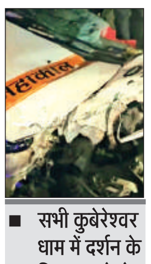
सभी कुबेरेश्वर धाम में दर्शन के लिए जा रहे थे

मुलताई-बैतूल राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम भिलाई के समीप स्थित जीतू ढाबे के पास शनिवार तड़के करीब 3 बजे एक दर्दनाक सडक़ हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्रक के पीछे जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार सवार पति-पत्नी समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, शेष पेज 6 पर

रात 2 से 3 बजे के बीच हुआ शॉर्ट सर्किट

छिंदवाड़ा जिला अस्पताल के एनआईसीयू में आग, एक नवजात बच्ची की मौत और 2 गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

जिला अस्पताल के नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में शुक्रवार देर रात अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। शॉर्ट सर्किट के कारण लगी इस आग की चपेट में आने से तीन नवजात बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए। प्राथमिक इलाज के बाद शनिवार सुबह तीनों को इलाज के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही

जबलपुर में किया जा रहा उपचार

एक नवजात बच्ची ने दम तोड़ दिया। मृत बच्ची का जन्म शुक्रवार रात को ही हुआ था और उसकी गंभीर शेष पेज 6 पर

इलाज का पूरा खर्च उठाएगी सरकार :सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आग से झुलसे 3 नवजात बच्चों में से एक की मृत्यु होने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने बच्ची के परिजन को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। साथ ही कहा कि उपचाररत दोनों बच्चों के संपूर्ण इलाज का खर्चा राज्य सरकार उठाएगी।

टीकाकरण-मलेरिया में लापरवाही पर एक्शन

बालाघाट में 24 बच्चों की मौत का मामला

दो अधिकारी हटाए गए, डिप्टी सीएम ने गांवों का किया दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बालाघाट

बालाघाट जिले के बिरसा विकासखंड के आदिवासी अंचल में महामारी फैलने से 24 बच्चों की मौत हो गई थी। इन मौतों का मुख्य कारण टीकाकरण में कमी, मलेरिया और कुपोषण बताया जा रहा है। शनिवार को प्रभावित गांवों का दौरा करने पहुंचे डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने इस मामले में लापरवाही बरतने पर सख्त कार्रवाई की। उन्होंने टीकाकरण अधिकारी डॉ. परेश

डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल पूरी रिपोर्ट लेते हुए

उपलप और मलेरिया अधिकारी मनीषा जुनेजा को तत्काल प्रभाव से उनके प्रभार से हटा दिया। शुक्ल ने महामारी से प्रभावित ग्राम मछुरदा का दौरा किया और ग्रामीणों से बातचीत शेष पेज 6 पर

मप्र से दो शिक्षकों को मिलेगा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार

सीधी के शिक्षक शैलेंद्र प्रताप सिंह की कहानी प्रेरणा और जुनून से भरी हुई है

दिव्यांग बच्चे को 5 साल तक उसके घर से स्कूल तक कंधे पर बैठाकर ले जाते और फिर घर छोड़ने जाते थे

- दूसरी शिक्षक भोपाल की डॉ. अर्चना शुक्ला ने बच्चों को प्रकृति से जोड़ा
- शिक्षक दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इनको दिल्ली में सम्मानित करेंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अलग खबर

सीधी के शिक्षक शैलेंद्र प्रताप सिंह स्कूल शिक्षा विभाग में 2011 से सेवाएं दे रहे हैं। इस दौरान प्राथमिक शाला अगरियान टोला, कंजवार और शास. माध्यमिक शाला कंजवार में पदस्थ रहे। कंजवार स्थित स्कूल का भवन जर्जर भवन था और 69 बच्चे थे। ऐसे में अभिभावकों, जनप्रतिनिधियों के सहयोग से नए भवन के लिए राशि जुटाई और नया भवन बनवाया। इसके लिए खुद के वेतन से भी राशि दी गई। स्कूल में अब पानी, बाउंड्रीवाल सहित अन्य सभी जरूरी सुविधाएं हैं और बच्चों शेष पेज 6 पर

जज्बे को सलाम...

डॉ. अर्चना के वैज्ञानिक मॉडल स्पैरो हाउस को देशभर में सराहा गया

भोपाल के सांदीपनि विद्यालय महात्मा गांधी की उच्च माध्यमिक शिक्षिका डॉ. अर्चना शुक्ला करीब 16 साल से स्कूल शिक्षा विभाग में सेवाएं दे रही हैं। उन्होने विज्ञान की पढ़ाई को किताबों से निकालकर प्रकृति और समाज से जोड़ने का प्रयास किया। विद्यार्थियों के साथ मिलकर उन्होंने गौरैया संरक्षण, पेड़-पौधों की पहचान और बीज संरक्षण जैसे प्रोजेक्ट तैयार किए। गौरैया संरक्षण के लिए विकसित उनके वैज्ञानिक शेष पेज 6 पर

प्रेम नगर, विद्यासागर कॉलेज होते हुए वापस मंदिर पहुंचेगी

101 बटुक ब्राह्मण के वैदिक उद्घोष के साथ महाकाल की तर्ज पर मणिमहेश रूप में कल निकाली जाएगी शाही सवारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

शिव शक्ति धाम मंदिर अवधपुरी से सावन माह के अंतिम सोमवार को महाकाल की तर्ज पर मणिमहेश रूप में शाही सवारी निकाली जाएगी। मंदिर के पुजारी आचार्य पं. रजन महाराज शास्त्री व मयंक तिवारी ने बताया कि इस दौरान 101 बटुक ब्राह्मण वैदिक उदघोष के साथ षोड्षोपचार पूजन-अर्चन करेंगे। इसके बाद दोपहर करीब 12 बजे से बाबा महाकाल की तर्ज पर मणिमहेश रूप में पालकी पर सवार होकर नगर भ्रमण पर निकले। इस आयोजन को लेकर जोर-शोर से तैयारी चल रही है। प्रगतिशील शिवशक्ति सांस्कृतिक कल्याण समित ने इस आयोजन को लेकर शनिवार को इंद्रपुरी, अवधपुरी सहित भेल क्षेत्र में घर व दुकानोंदारों को निमंत्रण कार्ड भेंट किए। शाही सवारी मंदिर से प्रारंभ होकर प्रेम नगर, विद्यासागर कॉलेज होते हुए वापिस मंदिर पहुंचेगी।

मणिमहेश रूप में कल निकाली जाएगी शाही सवारी।

पुत्रदा एकादशी व्रत आज, दान-पुण्य से आएगी खुशहाली

भोपाल। सावन का महीना देवों के देव महादेव को बेहद प्रिय है। वहीं, सावन माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि भगवान विष्णु को समर्पित होता है। यह शुभ तिथि रविवार को रहेगी। एकादशी के शुभ अवसर पर साधक एकादशी का व्रत रख लक्ष्मी नारायण जी की पूजा की जाएगी। तो वहीं इस मौके पर जहां राजधानी के श्रीकृष्ण व खाटू श्याम मंदिरों में विशेष पूजा-पाठ व भगवान का श्रृंगार किया जाएगा। मां चामुंडा दरबार के पं. रामजीवन दुबे ने बताया कि सनातन धर्म में एकादशी व्रत अत्यंत पुण्यदायी माना गया है और यह व्रत भगवान विष्णु की उपासना के लिए श्रेष्ठ बताया गया है। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को 'पवित्रा' अथवा 'पुत्रदा' एकादशी कहा जाता है। पद्म पुराण में इस एकादशी का विशिष्ट महत्व बताया गया है। यह व्रत विशेषकर उन दंपतियों के लिए अत्यंत फलदायक होता है, जो संतान सुख की कामना रखते हैं। पवित्रा एकादशी का व्रत करने से जीवन के पाप नष्ट होते हैं और पुण्य की वृद्धि होती है।

चौथे दिन 25 लाख नब्बे हजार 23 पार्थिव शिवलिंग का निर्माण

भोपाल। सर्व ब्राह्मण समाज व व्यापारी संघ करोंद खेड़ापति हनुमान मंदिर में पार्थिव शिव लिंग निर्माण व रुद्राभिषेक किया जा रहा है। समाज के अध्यक्ष गौरी शंकर काका ने बताया कि शनिवार को 25 लाख नब्बे हजार 23 पार्थिव शिवलिंग का निर्माण व रुद्राभिषेक हुआ है। रविवार को समस्त महंत व महामंडलेश्वर आशीर्वाद देने के लिए मंदिर पहुंचेंगे।

टोकन सिस्टम और हेल्प डेस्क की सुविधा बंद होने से ओपीडी में पर्चा बनाने में लग रहा एक से डेढ़ घंटे का समय

मॉडल अस्पताल जेपी का हाल बेहाल: आठ महीने से लिफ्ट बंद, फर्श पर फैला पानी, ड्रेसिंग की रुई

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

हरिभूमि पड़ताल

राजधानी के मॉडल अस्पताल जेपी की स्वास्थ्य सुविधाएं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के जैसी हो गईं। टोकन सिस्टम और हेल्प डेस्क की सुविधा बंद होने से मरीजों को ओपीडी में पर्चा बनाने में एक से डेढ़ घंटा लग रहा है। वहीं आठ महीने से अस्पताल की लिफ्ट बंद पड़ी है। अस्पताल के दूसरे तल के एडमिट डिपार्टमेंट के फर्श व सीढ़ियों में ब्लड और ड्रेसिंग रुई, पट्टियां खुले में पड़ी हुई हैं। फर्श में ड्रेसिंग (पट्टी) फैलने से लोगों को संक्रमण और खतरनाक रक्तजनित बीमारियों के फैलने का खतरा बना रहता है। वहीं वार्ड 50 नंबर में फर्श क्लीन करने के बाद फर्श में घंटों देर तक पानी भरा रहता है, जिसमें मरीजों के फिसलने का डर बना रहता है। बुजुर्ग और दिव्यांग की सुविधा के लिए लगाई गई लिफ्ट की सांस अब फूल चुकी है, अस्पताल में मरीजों का ट्रीटमेंट तो किया जाता है, लेकिन आधुनिक सुविधा के लिए लगाया गया, लिफ्ट तकरीबन आठ महीने से बंद है, एडमिट डिपार्टमेंट और पुलिस चौकी के पास दोनों लिफ्ट बंद होने से सबसे अधिक गंभीर मरीज, बुजुर्गों और प्रसूताओं को ऊपरी मंजिलों पर जाने के लिए सीढ़ियों के सहारे जाना पड़ रहा है। लंबे समय से लिफ्ट बंद होने के कारण हजारों मरीज और परिजन हैं।

अस्पताल में नहीं होता मेंटेनेंस

स्टॉफ कर्मचारियों ने बताया कि अस्पताल में लगाई गई लिफ्ट काफी समय से बंद है। एक बार बिगड़ने पर बनने के लिए कई महीने बीत जाते हैं। कर्मचारी नहीं होने से लिफ्ट के मेंटनेंस में समय लग जाता है, जिसका खामियाजा अस्पताल आने वाले मरीजों और परिजनों को भुगतना पड़ रहा है।

फर्श पर ड्रेसिंग फैलने से संक्रमण का खतरा

अस्पताल के दूसरे फ्लोर और सीढ़ियों में मरीजों द्वारा ड्रेसिंग, पट्टी फेंक दी जाती है, जिससे परिजन या बाहरी व्यक्तियों के संपर्क में आने पर संक्रमित हो सकते हैं। खुले या फर्श में मरीज का खून स्वस्थ्य व्यक्ति को बीमार कर सकता है। इससे परिजनों को बचना चाहिए, वहीं ऐसे मामले में अस्पताल स्टॉफ को स्वच्छता में ध्यान देना चाहिए।

पहले की तुलना में हुआ सुधार

अस्पताल में पहले की तुलना में सुधार हुआ है, शौचालय और ड्रेसिंग पट्टियों की सफाई में स्टॉफ को ध्यान देना चाहिए, लिफ्ट आठ महीने से बंद है। जिससे हजारों मरीज और परिजन को रोजाना परेशानी होती है।

प्रांजुल पाण्डेय, मरीज का परिजन, कोलार

जल्द सुधार किया जाएगा

हॉस्पिटल में लिफ्ट बंद की जानकारी मेरे संज्ञान में है, हमने मेंटेनेंस डिपार्टमेंट को जानकारी दे दी है, जल्द सुधार किया जाएगा।

डॉ. संजय जैन, जेपी अस्पताल, अधीक्षक

एक महीने पहले काटा था पेड़, अभी तक नहीं उठा

नगर निगम द्वारा करीब एक माह पूर्व काटा गया पेड़।

जय प्रकाश अस्पताल के बाहर टैक्सी पार्किंग में लगा पेड़ नगर निगम कर्मचारियों द्वारा काट दिया गया था। लेकिन आज तक नहीं उठाया गया, जिसके बाद टैक्सी चालक अपने वाहन सड़क किनारे लगा रहे हैं। बैरिकेट के सामने दोपहिया वाहन और टैक्सी लगाने से सड़क में जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। ऐसे में कई बार मरीजों को एंबुलेंस के माध्यम से लाने पर अस्पताल के बैरिकेट के सामने भीड़भाड़ होने के कारण इंतजार करना पड़ रहा है। चालकों ने बताया कि टैक्सी स्टैण्ड में निगम कर्मचारी एक महीने पहले पेड़ काट दिए थे, जिसे अभी तक नहीं उठाने पर वाहन सड़क किनारे खड़ा कर रहे हैं।

क्लीन कैंपस, ग्रीन कैंपस अभियान एबीवीपी के अभियान में एमवीएम में मिलीं शराब की खाली बोतलें

अभाविप ने एमवीएम में चलाया सफाई अभियान, मिलीं शराब की खाली बोतलें।

अभाविप ने कॉलेज और पुलिस प्रशासन से मांग की है कि परिसर में असामाजिक तत्वों की आवाजाही पर तत्काल रोक लगाई जाए

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

अभाविप द्वारा एमवीएम में क्लीन कैंपस, ग्रीन कैंपस अभियान चलाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने महाविद्यालय परिसर की सफाई की, जिसमें शराब की खाली बोतलें और सिगरेट के पैकेट सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री मिली है। विद्यार्थी परिषद द्वारा इससे पहले भी महाविद्यालय की विभिन्न अनियमितताओं, परिसर में पाई जाने वाली शराब की खाली बोतलों और असामाजिक तत्वों की आवाजाही को लेकर महाविद्यालय प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की गई थी। परिषद का कहना है कि इसके बावजूद प्रशासन द्वारा इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

असामाजिक तत्वों पर तत्काल रोक की मांग

अभाविप ने महाविद्यालय प्रशासन और पुलिस प्रशासन से मांग की है कि परिसर में असामाजिक तत्वों की आवाजाही पर तत्काल रोक लगाई जाए। साथ ही विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ एवं स्वस्थ शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित किया जाए। विद्यार्थी परिषद ने चेतावनी दी कि यदि कॉलेज परिसर की सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर शीघ्र ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो परिषद द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा।

यात्रियों की सुविधा के लिए भोपाल-ग्वालियर एक्सप्रेस में बदलाव

सामान्य श्रेणी यात्रियों का रखा खास ख्याल लगाए 12 जनरल कोच

25 अगस्त से एलएचबी कोच के साथ दौड़ेगी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

पमरे जोन की ओर से भोपाल-ग्वालियर-भोपाल एक्सप्रेस (12197/12198) में आधुनिक एलएचबी कोच लगाने का निर्णय लिया है। यह नई व्यवस्था के तहत दोनों दिशाओं में 25 अगस्त से लागू होगी।

साथ ही ट्रेन के डिब्बों की संख्या 18 कर दी गई है। यह फैसला यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित और आरामदायक सफर देने के लिए किया गया है। सीपीआरओ डॉ. मधुर वर्मा ने बताया कि पमरे जोन के दिलीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में पश्चिम मध्य रेलवे लगातार बेहतर यात्री सुविधा व सुरक्षा की दिशा में काम कर रहा है। इसी के तहत भोपाल-ग्वालियर-भोपाल एक्सप्रेस (12197/12198) में आधुनिक एलएचबी कोच लगाने का निर्णय लिया है। इस रैक के लगने से यात्रियों को उच्च स्तरीय सुरक्षा, बेहतर राइड क्वालिटी और अधिक आरामदायक सफर का अनुभव मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस रैक में सबसे अधिक 12 जनरल कोच लगाए हैं। जिससे सामान्य यात्रियों को अधिक लाभ मिलेगा।

पुरानी रैक से कहीं बेहतर अनुभव

एलएचबी कोच परंपरागत आईसीएफ डिब्बों की तुलना में तकनीकी रूप से काफी उन्नत होते हैं। इनमें विशेष एंटी-क्लाइंबिंग फीचर और उन्नत ब्रेकिंग सिस्टम के कारण दुर्घटना की स्थिति में कोच एक-दूसरे पर नहीं चढ़ते, जिससे यात्रियों की सुरक्षा कई गुना बढ़ जाती है। इसके अलावा इन कोचों में विशेष सस्पेंशन तकनीक के कारण झटके बेहद कम लगते हैं और राइड क्वालिटी बेहतर होती है। साफ-सुथरे एवं अधिक विशाल इंटीरियर, बेहतर वेंटिलेशन और आधुनिक बायो-टॉयलेट सुविधा भी इन कोचों को यात्रियों की पहली पसंद बनाती है।

अब यह रहेगा 18 डिब्बों का कोच कॉम्बिनेशन

नई रैक में 1 एसी 3-टियर कोच, 3 स्लीपर कोच, 12 सामान्य श्रेणी के कोच, 1 लगेज ब्रेक वैन और 1 गार्ड-कम-जनरेटर वैन मिलाकर ट्रेन में कुल 18 डिब्बे होंगे।

मुफ्ती गुफरान ने यूसीसी को लेकर मुस्लिमों को किया संबोधित

उलेमाओं को दी खुलकर बोलने की नसीहत

मुसलमान नहीं मानेंगे शरीयत से टकराने वाला कानून, शहरकाजी पर उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

मंगलवार चौराहा स्थित रुस्तम हम्माल मस्जिद में तकरीर के दौरान मुफ्ती गुफरान नदवी ने यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लेकर तीखी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई भी कानून, जो कुरान और शरीयत के प्रावधानों से टकराता है, उसे मुसलमान स्वीकार नहीं कर सकता। उन्होंने शहर काजी, शहर मुफ्ती और मसाजिद कमेटी व औकाफ से जुड़े जिम्मेदार लोगों की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को शरीयत से जुड़े मामलों में अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और यूसीसी का समर्थन करने वालों के साथ खड़े होने पर जवाब देना चाहिए।

मुफ्ती ने कहा कि मुसलमानों ने देश के संविधान और आपराधिक कानूनों को स्वीकार किया है, लेकिन व्यक्तिगत कानून और धार्मिक मामलों में शरीयत के प्रावधानों से टकराव होने पर स्थिति अलग है। उन्होंने कहा कि संविधान ने धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार दिया है और इसी आधार पर मुसलमान अपने धार्मिक मामलों में शरीयत का पालन करने की अपेक्षा रखते हैं।

जिन रिश्तों को इस्लाम ने जायत ठहराया, उसे नहीं कर सकते प्रतिबंधित

मुफ्ती ने कहा कि यूसीसी के तहत निकाह, तलाक और विरासत जैसे व्यक्तिगत कानूनों पर यदि ऐसे प्रावधान लागू होते हैं, जो शरीयत के विपरीत हैं, तो उन्हें स्वीकार करना धार्मिक रूप से उचित नहीं होगा। तकरीर में उन्होंने बहुविवाह, विरासत में हिस्सेदारी और कजिन मैरिज से जुड़े प्रावधानों का जिक्र करते हुए कहा कि जिन रिश्तों और अधिकारों को इस्लाम ने जायज ठहराया है, उन्हें कोई नया कानून प्रतिबंधित नहीं कर सकता।

जीएमसी और हमीदिया अस्पताल के एक दर्जन से अधिक चिकित्सकों के संयुक्त प्रयास ने दिया सार्थक संदेश

अस्पताल आने तक हुई देरी के कारण हृदय और गुर्दा तक पहुंच चुका था संक्रमण

डॉक्टरों की मेहनत लाई रंग: एल्युमिनियम फॉस्फाइड विषाक्तता से गंभीर मरीज की डॉक्टरों ने बचाई जान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

कीटनाशक में मौजूद एल्युमिनियम फॉस्फाइड विषाक्तता के गंभीर मरीज की जान बचाकर गांधी मेडिकल कॉलेज एवं हमीदिया अस्पताल के चिकित्सकों ने इतिहास रच दिया। दरअसल चिकित्सकीय विज्ञान में इस तरह के मरीज की जान बचाने के लिए निर्धारित तय मानकों की समय सीमा को मरीज पार कर चुका था। लेकिन चिकित्सकों के एक दर्जन से अधिक दल ने एक योजनाबद्ध तरीके से कार्य योजना बनाकर विषाक्तता से ग्रसित व्यक्ति की जान बचा ली। इस उपलब्धि पर जीएमसी महाविद्यालय अध्यक्ष ने पूरी टीम को बधाई दी है।

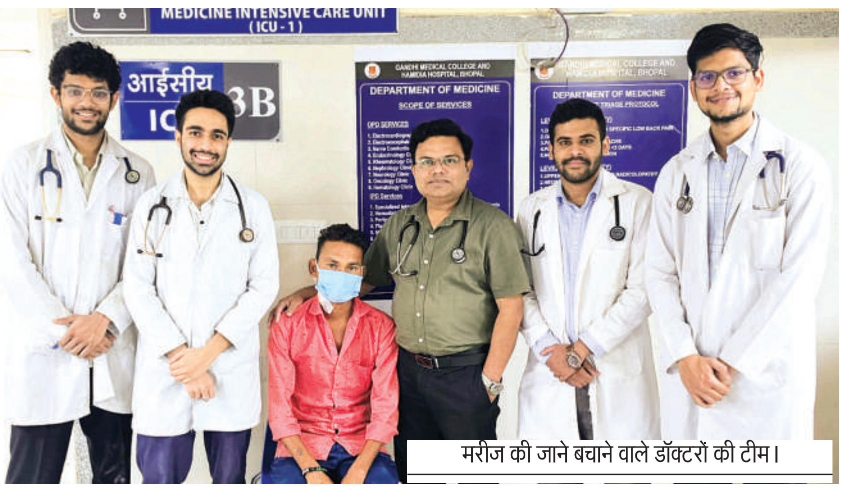

मरीज की जान बचाने वाले डॉक्टरों की टीम।

यह है पूरा मामला

जानकारी के अनुसार मरीज की उम्र 28 साल है। उन्होंने आवेश में आकर 6 अगस्त को दोपहर दो बजे गोलियां सल्फ ले ली थी। उसे पहले नसरूल्लागंज स्थित स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां से उसे सीहोर के जिला अस्पताल ले जाने की सलाह दी गई। उसी रात नौ बजे सीहोर में चिकित्सकों ने युवक की हालत नाजुक बताकर हमीदिया अस्पताल भेज दिया। युवक को भर्ती किया गया तो पता चला कि जहर के तत्वों ने दिल की मांसपेशियों में प्रहार कर दिया था। उसमें सूजन सामने आई। यह सारे परिणाम रक्त परीक्षण और ईसीजी से सामने आए थे। इस अवस्था में धड़कन को स्थिर रखना चिकित्सकों के लिए चुनौती से कम नहीं लगी। उसे चिकित्सकों के दल ने कैल्शियम और मैग्निशियम की दवाएं देना शुरू कर दिया। उसके गुर्दों में भी तीसरे दिन असर देखने को मिला। जिस कारण लघुशंका में कम मात्रा में आने लगी। इस कारण मरीज पर हीमोडायलिसिस शुरू किया गया। इस परीक्षण में व्यक्ति के खून से अपशिष्ट पदार्थ छानकर उन्हें अलग करने की प्रक्रिया होती है। ऐसा दो दिनों तक किया गया।

इन चिकित्सकों की टीम के प्रयासों ने रचा इतिहास

गुर्दों की स्थिति सामान्य होने पर रक्तचाप भी स्थिर हो गई। इसके बाद ईसीजी और ईको जांच में दिल की कार्य क्षमता अपनी पुरानी अवस्था में लौट आई। अब चिकित्सकों ने उसे गहन देखभाल इकाई (आईसीयू) से हटाकर सामान्य वार्ड में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों के दल को यकीन है कि गंभीर मरीज को दो सप्ताह बाद अस्पताल से छुट्टी दे जाएगी। इस ऐतिहासिक मुहिम विभाग अध्यक्ष डॉ. मंजुला गुप्ता, प्रोफेसर डॉ. प्रणय धुर्वे, डॉ. आरएस मणिराम और डॉ. प्रेक्षा द्विवेदी (एसोसिएट प्रोफेसर), डॉ. धर्मेंद्र मेकले, डॉ. निखिल जैन, डॉक्टर रामकृष्ण बर्फा समेत अन्य ने सराहनीय भूमिका निभाई। चिकित्सकों के दल ने बताया यदि जहर के मामले में मरीज जितनी जल्दी अस्पताल ले जाया उसकी जाना उतनी जल्द बच सकती है। कीटनाशकों और अन्य जहरीले पदार्थों को सुरक्षित, आसान पहुंच से दूर रखने की अपील उन्होंने की है।

एनसीसी में नामांकन के लिए महाविद्यालय के प्रथम वर्ष के 90 विद्यार्थियों ने लिया बढ़चढ़कर हिस्सा

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस हमीदिया कॉलेज में एनसीसी नामांकन प्रक्रिया, 18 विद्यार्थियों का चयन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

राजधानी स्थित प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय हमीदिया महाविद्यालय में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) में नामांकन प्रक्रिया आयोजित की गई। इस अवसर पर 4 एमपी बटालियन एनसीसी की ओर से एनसीसी प्रशिक्षक नायब सूबेदार करण सिंह एवं हवलदार अखिलेश मिश्रा ने विद्यार्थियों की भर्ती प्रक्रिया संपन्न कराई। एनसीसी में नामांकन के लिए महाविद्यालय के प्रथम वर्ष के 90 विद्यार्थियों ने भाग लिया। भर्ती प्रक्रिया के दौरान विद्यार्थियों की शारीरिक दक्षता एवं लिखित परीक्षा के आधार पर 18 विद्यार्थियों का एनसीसी के लिए चयन किया गया। यह पूरी चयन प्रक्रिया 4 एमपी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल सुब्रतो चक्रवर्ती के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। भर्ती प्रक्रिया के दौरान नायब सूबेदार करण सिंह एवं हवलदार अखिलेश मिश्रा ने विद्यार्थियों को एनसीसी के महत्व एवं प्रशिक्षण के बारे में जानकारी दी। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. रचना मिश्रा ने चयनित विद्यार्थियों को कहा कि एनसीसी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। महाविद्यालय की एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. माया बकोरिया ने बताया कि विद्यार्थियों ने एनसीसी भर्ती प्रक्रिया में उत्साह के साथ भाग लिया।

विद्यार्थियों की भर्ती प्रक्रिया संपन्न।

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, रविवार 23 अगस्त 2026

4 बुजुर्ग से लूटपाट का प्रयास, मारपीट की, कुछ...

9 लौहगुंडी के शौर्य से जीवंत हुआ गोंडवाना...

एयर शो के साथ आधुनिक हथियारों की दिखेंगी झलक

भोपाल में पहली बार होगी आर्मी परेड, देश की सुरक्षा में तैनात फौजी दिखाएंगे अपना शौर्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

जयपुर के बाद राजधानी भोपाल में पहली बार आर्मी डे परेड होने जा रही है। जिसमें देश की सीमा सुरक्षा के लिए तैनात फौजी अपना शौर्य दिखाएंगे। इससे पहले साल 2023 में बैंगलुरू, 2024 में लखनऊ, 2025 में पुणे और 2026 में जयपुर में ये परेड हो चुकी हैं।

परेड की तैयारियों को लेकर शनिवार को जिला प्रशासन सहित नगर निगम और सेना के अधिकारियों ने रोड मैप देखा। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि राजधानी भोपाल में 15 जनवरी 2027 को होने वाली आर्मी डे परेड की तैयारियों ने रफ्तार पकड़ ली है।

आर्मी-डे परेड की तैयारियां तेज, भेल दशहरा मैदान से जंबूरी तक बनेगी आधुनिक सड़क

15 जनवरी 2027 को होगा आयोजन

कई विभाग के अधिकारियों ने किया सर्वे

आयोजन को लेकर आर्मी, नगर निगम, जिला प्रशासन, पीडब्ल्यूडी और भेल के अधिकारियों ने भेल क्षेत्र की सड़कों और मैदानों का मैदानी सर्वे किया। अब अगली बैठक में पूरा रोड मैप तय किया जाएगा। संबधित कार्यों का बटवारा भी किया जाएगा। परेड के दौरान देश के सैन्य शौर्य और अत्याधुनिक सैन्य तकनीक की झलक भोपालवासियों को देखने को मिलेगी। भेल अधिकारियों का कहना है कि परेड का मुख्य आयोजन भेल की 3.5 किलोमीटर की सड़कों में होगा। इसके लिए भेल दशहरा मैदान से जंबूरी मैदान तक के मार्ग को भी आयोजन के लिहाज से तैयार किया जाएगा। अधिकारियों ने सड़क, मैदान और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेकर जरूरी सुधार कार्यों को लेकर चर्चा की। आयोजन से पहले भेल क्षेत्र की सड़कों को भी दुरुस्त करने की तैयारी है, ताकि देशभर से आने वाले सैन्य अधिकारियों, जवानों और दर्शकों को किसी तरह की परेशानी न हो।

इन मार्गों से निकलेगी परेड

सेना की परेड के लिए अटल पथ, एयरोसिटी रोड, भेल कालीबाड़ी मार्ग और भेल लिंक रोड प्रस्तावित किए गए हैं। शौर्य संध्या का आयोजन टीटी नगर स्टेडियम में और सैन्य प्रदर्शनी जंबूरी मैदान में लगाई जाएगी। बड़े तालाब पर वाटर स्पोर्ट्स, एयर शो और सैन्य अभ्यास गतिविधियां होंगी।

50 हजार दर्शकों के पहुंचने की संभावना

आर्मी डे परेड को देखने के लिए करीब 50 हजार दर्शकों के शामिल होने की संभावना है। इतने बड़े आयोजन को देखते हुए प्रशासन यातायात, पार्किंग, सुरक्षा, दर्शकों के बैठने और अन्य मूलभूत सुविधाओं की तैयारियों पर भी काम करेगा। मैदानी सर्वे के दौरान अधिकारियों ने आयोजन स्थल और परेड मार्ग की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। भोपाल में पहली बार इतने बड़े स्तर पर होने वाले इस आयोजन से शहरवासियों में भी खासा उत्साह है।

जंबूरी मैदान में दिखेगा सैन्य कौशल

आर्मी डे परेड के दौरान जंबूरी मैदान में भारतीय सेना के अत्याधुनिक सैन्य उपकरणों का स्टेटिक और डायनामिक डिस्प्ले किया जाएगा। दर्शक सैन्य उपकरणों को करीब से देखने के साथ सेना के आधुनिक युद्ध कौशल और तकनीक की जानकारी भी ले सकेंगे। वहीं, आसमान में भारतीय सेना के जवानों और सैन्य विमानों का कौशल भी देखने को मिलेगा।

आवासीय परिसर में व्यावसायिक गतिविधियों के विरोध और समर्थन में कई जगह प्रदर्शन

भारत नगर और त्रिलंगा क्षेत्र में टॉर्च लाइट मार्च से जताया विरोध

रहवासियों का आरोप- निगम की कार्रवाई में भेदभाव, बड़े अवैध निर्माणों पर कार्रवाई करने के बजाय छोटे व्यापारियों को दे रहे नोटिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

नगर निगम की सीलिंग कार्रवाई को लेकर रहवासियों का विरोध तेज हो गया है। शनिवार को भारत नगर और त्रिलंगा क्षेत्र में संयुक्त रहवासी संघर्ष समिति के आह्वान पर कॉलोनियों के रहवासियों ने टॉर्च लाइट मार्च निकालकर विरोध जताया। आरोप है कि निगम की कार्रवाई में भेदभाव किया जा रहा है और बड़े अवैध निर्माणों पर कार्रवाई करने के बजाय छोटे व्यापारियों को नोटिस दिया जा रहा है।

रोहित नगर में टॉर्च लाइट मार्च में शामिल रहवासी।

मास्टर प्लान जल्द लागू करने की मांग

संयुक्त रहवासी संघर्ष समिति ने प्रदेश सरकार से जल्द मास्टर प्लान लागू करने की मांग की। समिति का कहना है कि आवासीय क्षेत्रों में होटल, मॉल, शोरूम, बार, हॉस्टल, शराब दुकान और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों पर स्पष्ट रोक होनी चाहिए, ताकि कॉलोनियों का मूल स्वरूप सुरक्षित रह सके। समिति ने कहा कि अरेरा कॉलोनी से शुरू हुई मुहिम को अब गौतम नगर, विकास कुंज, कोलार रोड, नेहरू नगर, प्रियदर्शनी, रोहित नगर, रचना नगर, बावड़िया, साकेत नगर, भेल, कोटरा, लालघाटी, शक्तिनगर, शाहपुरा, गुलमोहर सहित कई समितियों का समर्थन मिल रहा है। समिति ने प्रशासन से बिना भेदभाव अवैध निर्माण और भू-उपयोग के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

भेल के अवधपुरी में बैनर-पोस्टर लेकर सड़क पर उतरे कारोबारी

व्यापारी बोले- रक्षाबंधन जैसे त्योहार के दौरान नगर निगम का सीलिंग के नोटिस और कार्रवाई करना उचित नहीं है

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी के आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों और नगर निगम की सीलिंग कार्रवाई के विरोध में व्यापारियों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। शनिवार को अवधपुरी में व्यापारियों ने प्रदर्शन किया और दुकानें बंद रखकर रैली निकाली। व्यापारियों का कहना है कि रक्षाबंधन जैसे त्योहार के दौरान नगर निगम द्वारा सीलिंग के नोटिस और कार्रवाई करना उचित नहीं है।

भेल के अवधपुरी इलाके में व्यापारियों ने प्रदर्शन कर दुकानें बद की।

बैनर-पोस्टर लेकर सड़क पर उतरे व्यापारी

अवधपुरी में शनिवार सुबह करीब 11:30 बजे व्यापारियों का प्रदर्शन शुरू हुआ। व्यापारी हाथों में बैनर और पोस्टर लेकर बाजार में निकले। इस दौरान बाजार की कई दुकानें बंद रहीं। प्रदर्शन में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हुए। व्यापारियों ने नगर निगम की कार्रवाई पर नाराजगी जताते हुए कहा कि आवासीय क्षेत्रों में वर्षों से संचालित दुकानों और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर अचानक कार्रवाई की जा रही है। इससे छोटे व्यापारियों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो रहा है।

व्यापारियों की मांग

व्यापारियों का कहना है कि वह नगर निगम को लगातार कामर्शियल टैक्स दे रहे हैं। इसके बावजूद उनको नोटिस दिया जा रहा है। जबकि सरकार को मास्टर प्लान लाना चाहिए तो आज तक मास्टर प्लान का पता नहीं है।

एएचओ ने इस्तीफा दिखाया

निगम मुख्यालय के गेट पर भिड़े एचओ और एएचओ, जूनियर ने सीनियर को दिखाया जूता

- सीनियर अफसर को धमकाने का आरोप, वीडियो वायरल
- दूसरे अफसरों ने बीच-बचाव कर रोका

निगम मुख्यालय के गेट पर भिड़े एचओ और एएचओ।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

निगम मुख्यालय में दरोगाओं के साथ बैठक निपटाकर बाहर निकले जोन-19 के एचओ समुंदर शर्मा और एएचओ बलवीर मलिक आपस में भिड़ गए। सीनियर अफसर पर भड़के एएचओ ने जीप से इस्तीफा निकालते हुए कहा कि मैं तो मंत्री की भी नहीं सुनता।

इतना कहते हुए उन्होंने जूता तक निकालकर सुमंदर शर्मा की ओर बढ़ने का प्रयास किया, लेकिन मौके पर मौजूद दूसरे अफसरों ने उन्हें रोक लिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामला नगर निगम के अफसरों तक पहुंच गया है।

मलिक बोले, मुझे बार-बार जलील किया जा रहा

बलवीर मलिक का कहना है कि बैठक में उनके साथ बदतमीजी की गई और उन्हें लगातार दबाव में रखा जा रहा है। मुझे बार-बार जलील किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सुमंदर शर्मा उनसे हीनभावना रखते हैं।

शर्मा ने कहा, स्पॉट फाइन की बात पर भड़के मलिक

अफसरों के साथ निगम मुख्यालय में की गई बैठक में नरेला विधानसभा क्षेत्र में स्पॉट फाइन करने की बात कही गई थी। इसी दौरान बलवीर मलिक भड़क गए। इसके बाद हमारे बीच बहस हो गई।

सुमंदर शर्मा, प्रभारी एचओ, नरेला विधानसभा

रुपए देने बहाने सुलभ शौचालय ले गया था

42 साल के पड़ोसी ने 12 साल की बच्ची से किया दुष्कर्म

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

कमलानगर थाना क्षेत्र में 42 साल के पड़ोसी ने 12 साल की बच्ची को रुपए देने का लालच देकर दुष्कर्म किया। आरोप है कि रुपए देने का लालच देकर आरोपी बच्ची को सुलभ शौचालय में ले गया और उसके साथ गंदी हरकत की।

खुलासा उस समय हुआ जब बच्ची का भाई मौके पर पहुंच गया। आरोपी मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट व दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार दोपहर 12 साल की बालिका घर के बाहर खेल रही थी। इस बीच पड़ोस में रहने वाला युवक पैसे देने का लालच देकर पास के सुलभ कांप्लेक्स में ले गया और वहां बालिका के साथ दुष्कर्म किया।

उसी दौरान बच्ची का भाई सुलभ काम्प्लेक्स पहुंच गया और उसने घटना होते देख ली। थाना प्रभारी का कहना है कि पूछताछ में बच्ची ने बताया कि आरोपी पहले भी पैसे देने का लालच देकर उसे बुला लेता था।

बैरागढ़, आईएसबीटी, कोलार, चिरायु अस्पताल से बढ़ेंगी बसें

लक्जरी बसों के बेड़े में जुड़ीं 10 नई बसें, अब 30 बसें राजधानी में दौड़ेंगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शहर में चल रहीं लक्जरी ई-बसों के बेड़े में सोमवार से दस नई बसों को शामिल कर लिया गया है। जिससे सोमवार से शहर के बैरागढ़, आईएसबीटी, रेलवे स्टेशन, कोलार, चिरायु अस्पताल और आकृति ईको सिटी तक आने और जाने वाले यात्रियों को कम समय में बसें मिलेंगी। यात्रियों को पंद्रह से बीस मिनट का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इसके साथ ज्यादा यात्री बसों में सफर कर सकेंगे। इस तरह अब शहर की सड़कों पर इन बसों की तादाद बढ़कर तीस हो जाएगी। नई बसों के आने से बैरागढ़ ई-बस डिपो से आईएसबीटी, नादरा, वल्लभ भवन और बोर्ड ऑफिस जैसे प्रमुख इलाके जुड़ेंगे।

- 15 से बीस मिनट का अंतराल होगा दस से पंद्रह मिनट

कोच फैक्ट्री रेलवे स्टेशन को बैरागढ़ चिचली और कोलार रोड से जोड़ेगा। यह रूट बोर्ड ऑफिस और एमपी नगर जैसे व्यस्त इलाकों से होकर गुजरेगा। बैरागढ़ स्थित चिरायु अस्पताल से सलैया की आकृति इको सिटी तक चलेगा।

बसों की तादाद बढ़ाने की जरूरत

बीसीएलएल की पीएम ई बसों की तादाद बढ़ाने की जरूरत है। अतिरिक्त बसों के संचालन से फिलहाल तीन प्रमुख रूट पर फ्रीक्वेंसी सुधरेगी। आने वाले समय में ई-बसों की संख्या बढ़ने के साथ दूसरे रूट पर भी सेवा दिए जाने की उम्मीद है। मालूम हो कि इसके पहले शहर में करीब तीन सौ लो फ्लोर बसों का संचालन किया जाता था।

शहर में सुबह की हवा में 93 और शाम 5:30 बजे 78 फीसदी नमी

सिस्टम की सक्रियता में कमी से बारिश का दौर थमा रहा

नमी-बादल भरपूर, बारिश के साथ पारा थमा, शहर में 3 दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में अभी बादल, हवा में नमी की मात्रा भरपूर है, इसके बावजूद शहर में दो दिन से बारिश में कमी बनी हुई है। प्रदेश से गुजर रही मानसून ट्रफ और सकुर्लेशन से कुछ जिलों में मध्यम से तेज बारिश जारी है। यह क्रम अगले 3 दिन और रहेगा। भोपाल में भी 3 दिन बारिश की कमी बनी रहेगी।

मौसम केंद्र के अनुसार अभी मौसम में ज्यादा बदलाव की उम्मीद नहीं है। शनिवार को करीब दो दर्जन जिलों में हल्की बारिश हुई, जबकि भोपाल में बादल छाए रहे। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अभी प्रदेश में सिस्टम है, जिससे कुछ जगह तेज बारिश होगी। भोपाल में मौसम ऐसा ही रहेगा।

स्थान : जनजाति संग्राहलय, समय : 8.45 मिनट।

शहर में दिन-रात का तापमान रुका

बादलों के असर से शनिवार को शहर का पारा दशमलव 2 डिग्री बढ़कर 28.8 डिग्री रहा, जो सामान्य से दशमलव दो डिग्री अधिक है। रात का पारा 23 डिग्री दर्ज हुआ। शहर में सुबह की हवा में 93 और शाम 5:30 बजे 78 फीसदी नमी रही। लेकिन सिस्टम की सक्रियता में कमी से बारिश का दौर थमा रहा। यह क्रम अभी तीन दिन रहेगा।

तेज बारिश का एक दौर जल्द

विशेषज्ञ शुक्ला के अनुसार अभी उत्तर पूर्वी मप्र पर एक लो प्रेशर एरिया है, जो अभी यथा स्थिति में है। इससे जुड़ा एक सकुर्लेशन भी है। मानसून ट्रफ अब अमृतसर, नजीबाबाद, हरदोई, उत्तर-पूर्वी मप्र और उसके आसपास के लो प्रेशर एरिया से होकर गुजर रही है। दो से तीन दिन बाद एक और सिस्टम एक्टिव होने की उम्मीद है, जिससे भोपाल संभाग में तेज बारिश की उम्मीद है। हालांकि, अभी लो प्रेशर एरिया और मानसून ट्रफ से कई जिलों में तेज बारिश जारी रहेगी। आज भोपाल में हल्की से मध्यम बारिश की उम्मीद है।

बुजुर्ग से लूटपाट का प्रयास, मारपीट की, कुछ नहीं मिला तो आरोपी माफी मांगकर चले गए

आरोपी बोले- माफ करना दादा हम परेशानी में हैं, पुलिस वीडियो के आधार पर कर रही तलाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

खजूरी सड़क थाना क्षेत्र स्थित नागर किराना स्टोर्स के बाहर नशे में धुत बुजुर्ग से लूटपाट के प्रयास का मामला सामने आया है। घरेलू विवाद के बाद बुजुर्ग बाइक से भोपाल जाने के लिए निकले थे। नशा अधिक होने के कारण वह नागर किराना दुकान के सामने सो गए। इसी बीच दो अज्ञात आरोपी उनके पास पहुंचे और मारपीट करते हुए लूटपाट का प्रयास किया। बुजुर्ग के पास कुछ नहीं मिला तो आरोपियों ने जाते समय उनसे माफी मांगी और कहा माफ करना दादा हम परेशानी में है। घटना का एक सीसीटीवी फुटेज वायरल हो रहा है।

थाना प्रभारी नीरज वर्मा ने बताया कि वीडियो पर संज्ञान लिया गया है। फरियादी ने शिकायत दर्ज नहीं कराई है। दोनों आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बुजुर्ग से मारपीट करते आरोपी।

ससुराल में जमीन बेचकर मिले थे तीन लाख रुपए

पुलिस के अनुसार सीहोर के एक गांव में रहने वाले निवासी 55 साल के बुजुर्ग ने ससुराल में जमीन बेची थी। जमीन के तीन लाख रुपए उन्हें मिले। पत्नी ने तीन लाख रुपए लेकर उन्हें चलता कर दिया। रुपए नहीं मिलने से नाराज बुजुर्ग गत 16 अगस्त की रात बाइक से भोपाल जाने के लिए निकल गए। पत्नी द्वारा रुपए छीनने से नाराज होकर उन्होंने रास्ते में शराब पी। शराब का ज्यादा नशा हुआ तो बाइक खड़ी कर नागर किराना स्टोर्स के सामने सो गए। इसी दौरान देर रात दो युवक उनके पास पहुंचे और मारपीट करते हुए रुपए मांगे। बुजुर्ग ने कहा कि उनके पास रुपए नहीं है। युवकों ने उनकी तलाशी ली, लेकिन कुछ नहीं मिला। मोबाइल भी उनके पास नहीं था। एक आरोपी ने उनसे बाइक की चाबी मांगी और उन्होंने बाइक की चाबी भी उसे दे दी। इसी बीच दूसरे साथी ने कहा कि बाइक का क्या करेंगे। इस पर दोनों ने बाइक की चाबी लौटा दी और उनसे माफी मांगते हुए कहा कि दादा हमें माफ कर देना।

किराना स्टोर्स के संचालक ने टीआई को सौंपा वीडियो

नागर किराना स्टोर्स के मालिक ने बुजुर्ग को कहा था कि खजूरी थाने चलकर शिकायत दर्ज करा दो, लेकिन बुजुर्ग ने कहा कि मैं परेशान हूं और भोपाल जा रहा है। इसके बाद किराना स्टोर्स के मालिक ने थाना प्रभारी को वीडियो सौंपा।

बालमपुर के जंगल में लगाई कच्ची शराब की भट्टी, पकड़ा

आबकारी अमले ने 97 लीटर शराब की जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सेहत के लिए नुकसानदेह होने वाली कच्ची शराब की भट्टी को आबकारी अमले ने पकड़ा है। बालमपुर के जंगल में तल्ला कंजर हाथ भट्टी से शराब बनाकर ग्रामीणों को सप्लाई करता था। टीम ने आरोपी को दबोचकर 97.92 लीटर कच्ची शराब जब्त कर ली है। आबकारी कंट्रोलर आरजी भदौरिया ने बताया कि आबकारी विभाग की टीम ने बालमपुर में दबिश के दौरान आरोपी तल्ला कंजर पुत्र हजारी कंजर के कब्जे से अवैध हाथ भट्टी कच्ची शराब जब्त की है।

भतीजे को बचाने चाचा गंभीर, मुंह पर डंडे से हमला होने के कारण दांत टूटे, एम्स में चल रहा इलाज

मामूली कहासुनी के बाद विवाद, चाचा भतीजे पर डंडे से किया जानलेवा हमला

पिपलानी स्थित चांदबाड़ी झुग्गी, मामा की दुकान के पास मैदान में शुक्रवार रात विवाद चाचा-भतीजे बेहोश हो गए तो आरोपी उन्हें मरा हुआ समझकर चले गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित चांदबाड़ी झुग्गी, मामा की दुकान के पास मैदान में शुक्रवार रात हुए विवाद में सगे भाइयों ने चाचा भतीजे पर डंडे से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में चाचा को गंभीर चोट आई है। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। उसका एम्स में इलाज चल रहा है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार बीस साल का अंशु, चांदबाड़ी झुग्गी पिपलानी में रहता है और प्राइवेट काम करता है। चांदबाड़ी झुग्गी में रहने वाले रवि और राकेश प्रजापति से शुक्रवार शाम उसकी कहासुनी हुई थी। कहासुनी होने के बाद पास ही मौजूद लोगों ने दोनों पक्षों को समझाइश दी और मामला शांत हो गया। अंशू रात करीब दस बजे मामा की दुकान के पास मैदान पर बने कुंड के पास बैठा हुआ था। कुछ ही दूर उसके चाचा महेश (35) भी दोस्तों के साथ बैठे थे। इसी बीच रवि और राकेश डंडा लेकर पहुंच गए। शाम को हुई कहासुनी का बदला लेने आरोपियों ने बिना कुछ कहे डंडे से हमला कर दिया। हमला अंशू पर हुआ था और अंशु को बचाने महेश ने अपनी जान दांव पर लगा दी। अंशु पर डंडे से ताबड़तोड़ हमला होते देख महेश बीच में आ गए और आरोपियों ने महेश पर डंडे से हमला कर दिया। मुंह पर लगातार डंडे से हमला होने के कारण महेश के दांत टूट गए। डंडे से हुए हमले में चाचा भतीजे बेहोश हो गए तो आरोपी उन्हें मरा हुआा समझकर चले गए।

आरोपियों ने लोगों को धमकी दी

आरोपियों ने वहां खड़े युवकों को धमकी दी थी कि यदि अंशु और महेश की तरफ से गवाही दी तो जान से खत्म कर देंगे। इधर, आरोपियों के मौके से भागने के बाद वहां मौजूद युवकों ने परिजन को घटना की जानकारी दी। परिजन दोनों को एम्स लेकर पहुंचे। एम्स में चाचा भतीजे का इलाज चल रहा है। मामले की जांच कर रहे सब इंस्पेक्टर लोकपाल यादव ने बताया कि महेश को गंभीर चोट हैं और वह बयान देने की स्थिति में नहीं है। पुलिस ने रवि और राकेश प्रजापति को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी भेल में ठेका श्रमिक बतौर काम करते हैं।

आदतन बदमाश आपस में भिड़े, चाकू से हमला

गौतम नगर थाना क्षेत्र में आदतन बदमाश आपस में भिड़ गए। इस दौरान दो आरोपियों ने एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। चाकू सीने में बांई तरफ और पैर में लगने से युवक को गंभीर चोट आई है। पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। फरियादी और आरोपी टीलाजमालपुरा के रहने वाले हैं और ई-रिक्शा चलाते हैं। पुलिस के अनुसार रईश अंशारी (25) टीलाजमालपुरा में रहता है। इसी इलाके में लड्डु बच्चा और अंकित टकलू रहता है। सभी ई-रिक्शा चलाते हैं। शुक्रवार दोपहर रईश अंशारी टीलाजमालपुरा से गौतम नगर जाने के लिए निकला था। पुलिया के पास पहुंचते ही लड्डु और अंकित टकलू ने उसे घेर लिया और मारपीट करते हुए चाकू से हमला कर दिया। चाकू रईश को बांई और सीने में लगा है। पुलिस ने बताया कि रईश अंशारी पर 37 अपराध दर्ज है। लड्डु बच्चा पर 11 और अंकित टकलू पर 33 अपराध दर्ज है।

कमला नगर स्थित राजीव नगर में कुत्ता स्कूटर पर बैठा, विवाद के बाद जानलेवा हमला

कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित राजीव नगर में कुत्ता घुमा रहे युवक का कुत्ता स्कूटर पर बैठ गया। कुत्ते का स्कूटर पर बैठना स्कूटर मालिक और उसके दोस्तों को इस कदर बुरा लगा कि उन्होंने कुत्ता घुमा रहे युवक से मारपीट कर दी। युवक के पिता ने बीच बचाव किया तो आरोपियों ने उन पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू का वार हाथ से रोकने के कारण युवक के पिता के हाथ की हथेली बुरी तरह से कटी है। पुलिस ने आरोपियों पर प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

ढोल बजाने का काम करता है पीड़ित

पुलिस के अनुसार अभय भट्ट पिता किशोर भट्ट (18) राजीव नगर कोटरा में रहता है। उसने पुलिस को बताया कि वह ढोल बजाने का काम करता है। शुक्रवार रात करीब साढ़े आठ बजे वह अपने कुत्ते के साथ घर से मेडिकल स्टोर पर दवाई लेने गया था। वहां से घर लौट रहा था। घर से कुछ दूरी पर अयान मंसूरी उर्फ लड्डु और नावेद अहमद अपनी स्कूटर पर बैठे हुए थे। अभय भट्ट का पालतू कुत्ता उनकी स्कूटर पर बैठ गया।

परिजनों का आरोप- बेटी की हत्या की गई, दहेज मांगता था पति

नवविवाहिता ने लगाई फांसी, पति पर हत्या कर फंदे पर लटकाने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित शिव नगर में शुक्रवार रात नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शनिवार सुबह पति की नींद खुली तो उसने पत्नी को दुपट्टे के फंदे पर लटका देखा था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस का कहना है कि दंपती यूपी के रहने वाले थे। नव विवाहिता के परिजन को सूचना दी गई थी। परिजन का कहना है कि उनकी बेटी की हत्या की गई है। पति दहेज की मांग कर परेशान करता था।

पुलिस के अनुसार हरदोई यूपी निवासी मांडवी सिंह पत्नी शुभम सिंह (23) यहां शिव नगर बस्ती में मामा-मामी के घर में रहते थे। डेढ़ साल पहले उनकी शादी हुई है। उनकी कोई संतान नहीं है। शुभम रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर चार पर चाय बेचने का काम करता है।

दिनभर काम करने के बाद शुक्रवार रात शुभम घर पहुंचा था। थका होने के कारण बिस्तर पर लेटा और नींद लग गई। इस बीच पत्नी पड़ोस में रहने वाली ननद के घर चली गई थी। इस सुबह शुभम की नींद खुली तो उसने कमरे में मांडवी सिंह को दुपट्टे के फंदे पर लटका देखा। दरवाजा भीतर से बंद था। शुभम का कहना है कि रात में पत्नी कब घर आई और दरवाजा भीतर से बंद कर फांसी लगा ली, उसे पता ही नहीं चला। पुलिस का कहना है कि परिजनों को सूचना दे दी थी। शनिवार को परिजन यूपी से भोपाल आ गए थे।

11वीं के छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित जवाहर चौक हनुमान मंदिर, पानी की टंकी के पास रहने वाले 11वीं के छात्र रितेश पाल पिता मोहर सिंह पाल (17) ने फांसी लगा लगा ली। शुक्रवार शाम करीब साढ़े चार से पांच बजे के आसपास उसका दोस्त घर पहुंचा और उसने छात्र को फांसी के फंदे पर लटके देखा। परिजन छात्र को फंदे से उतारकर अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर छात्र को मृत घोषित कर दिया। छात्र के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्राथमिक पूछताछ में परिजन भी आत्महत्या की वजह नहीं बता सके। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार रितेश के पिता फुलकी का ठेला लगाते हैं।

पिता, सौतेली मां और बेटे पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज

जमीन में हिस्सा नहीं देने से नाराज होकर युवक ने की थी आत्महत्या

भोपाल। बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित रमपुरा बालाचोन में जमीन में हिस्सा नहीं देने से दुखी होकर युवक ने जहर खा लिया। परिजन उसे भोपाल स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे वहां एक दिन चले इलाज के बाद युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग जांच के बाद पिता, सौतेली मां और सगे भाई पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। दरअसल, पत्नी-बच्चे के बयान और पुरानी शिकायतों के आधार पर पुलिस ने यह कार्रवाई की है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर दिया। वहां से जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार भगवान सिंह मीणा (38) रमपुरा बालाचोन में रहता था। गत 5 दिसंबर 2025 को उसने जहर खा लिया था। जांच में पता चला कि भगवान सिंह मीणा के 70 साल के पिता ओम प्रकाश मीणा ने दूसरी शादी कर ली थी। जमीन के बंटवारे की बात आई तो ओम प्रकाश मीणा ने सौतेली पत्नी और बेटे विनोद को जमीन दे दी, लेकिन भगवान सिंह को जमीन में हिस्सा नहीं दिया। हिस्सा नहीं मिलने से भगवान तनाव में रहने लगा था।

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय, भोपाल उत्सव मेला समिति का आयोजन

नेत्र जांच शिविर में 286 लोगों की आंखों की जांच, 50 में निकला मोतियाबिंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ने भोपाल उत्सव मेला समिति के सहयोग से शनिवार को संत नगर (बैरागढ़) क्षेत्र नवयुवक सभा स्कूल में निःशुल्क नेत्र एवं दंत रोग निदान एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर लगाया गया। शिविर में 286 लोगों की आंखों की जांच की गई, इनमें से 50 मरीजों में मोतियाबिंद के लक्षण पाए गए।

सभी चिंहित मरीजों को रविवार को एंबुलेंस से सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय लाकर भर्ती कराया जाएगा, जहां सोमवार को उनके मोतियाबिंद ऑपरेशन किए जाएंगे। जिन लोगों में मोतियाबिंद की शिकायत नहीं मिली, उन्हें निःशुल्क दवाइयां दी गई। शिविर में रोगियों के ब्लड प्रेशर और मधुमेह की जांच भी की गई। इसके अलावा इस शिविर में 170 लोगों के दांत रोगों की भी जांच की गई। शिविर का शुभारंभ नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, एमआईसी सदस्य एवं पार्षद राजेश हिंगोरानी, अशोक मारण, सेवा सदन के सचिव हीरो ज्ञानचंदानी मौजूद रहे।

शिविर में शुभारंभ करते अतिथि।

सेवा कार्यों की प्रशंसा

किशन सूर्यवंशी ने संत हिरदाराम साहिब द्वारा चलाए जा रहे सेवा कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि संतजी के आशीर्वाद से सेवा सदन में लाखों लोगों का मोतियाबिंद ऑपरेशन किया गया है। निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद लोगों को गुणवत्तापूर्ण नेत्र स्वास्थ्य सेवाएं सहजता से उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस अवसर पर शिविर संयोजक वासदेव वाधवानी, मेला समिति से अजय सोगानी आदि मौजूद रहे।

रैली निकाल राजीव गांधी को अर्पित किए श्रद्धासुमन

कांग्रेस सेवादल ने किया आयोजन मातृशक्ति भी शामिल

रैली निकालते कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

कांग्रेस सेवादल के कार्यक्रम में पहुंचकर पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी को श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। इसके बाद कांग्रेस सेवादल की मातृशक्ति ने सदभावन यात्रा रैली सुल्तानपुर में बस स्टैंड तक निकाली, जिसमें काफी संख्या में सेवादल के लोग उपस्थित हुए। कांग्रेस सेवादल के जिला अध्यक्ष मेघराज सिंह चौहान, सेवादल के जिला महासचिव मनोज खटीक, सेवादल के जिला सचिव पंकज शर्मा, इशरत अली, मुबीन खान, राजेश पटेल, कमल गौश्र, जेपी वकील, पार्वती बाई, मुन्नी बाई आदि लोग कार्यक्रम में मौजूद रहे।

पटवा से आशीर्वाद प्रजापित ने आशीर्वाद पेश करेंगे दावेदारी

ओबेदुल्लागंज। अर्जुन नगर के उभरते नेता राहुल प्रजापति विधायक सुरेंद्र पटवा का आशीर्वाद मिलने से उत्साहित है। राहुल प्रजापति क्षेत्र में सक्रिय है और आगामी नगर परिषद के चुनाव में वह दावेदारी पेश करेंगे। राहुल प्रजापति के सक्रिय होने से अर्जुन नगर सहित ग्रामों में भी भाजपा को लाभ होगा।

नाबालिग के अपहरण का मामला

हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष और टीआई के बीच नोकझोंक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी और जहांगीराबाद थाना प्रभारी राजन सिंह अहिरवार के बीच नोकझोंक का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्र शेखर थाना प्रभारी को धमकाते हुए नजर आ रहे हैं। वह कह रहें हैं कि तुमने कार्रवाई नहीं की। क्या पैसे लिए है। इस पर थाना प्रभारी ने विरोध जताते हुए कहा कि आप फालतू की बात न करें।

उल्लेखनीय है कि कुरावर थाने से एक नाबालिग का अपहरण हो गया था। अपहरण की शिकायत कुरावर थाने में दर्ज नहीं की गई। परिजन को पता चला कि उनकी बेटी जहांगीराबाद में किसी मुस्लिम युवक के साथ है। परिजन जहांगीराबाद थाने पहुंचे। पुलिस ने उन्हें कुरावर थाने जाने का कहा। परिजन ने घटना की जानकारी बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को दी थी। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जहांगीराबाद थाने का घेराव कर दिया था। आनन फानन में जहांगीराबाद पुलिस को शून्य पर एफआईआर दर्ज करनी पड़ी। पुलिस ने उक्त मामले में अनस नाम के शादीशुदा युवक को तलैया से हिरासत में लिया था।

वैश्य महासम्मेलन का आयोजन

समाज की एकता, सामाजिक उत्थान का लिया गया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

नगर में आयोजित वैश्य महासम्मेलन में मातृशक्ति सम्मिलित हुई। कार्यक्रम में औबेदुल्लागंज महिला मंडल की अध्यक्ष विद्या अग्रवाल, नपा उपाध्यक्ष नमिता अग्रवाल, वार्ड नंबर 13 की पार्षद हेमलता चौरसिया, प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल सहित समाज के पदाधिकारियों, वरिष्ठजन की उपस्थिति रही।

समाज की एकता, संगठन की मजबूती एवं सामाजिक उत्थान के संकल्प के साथ आयोजित यह महासम्मेलन समाज को नई ऊर्जा और नई दिशा प्रदान करने वाला रहा। इस अवसर पर सभी समाज बंधुओं एवं मातृशक्ति का आभार एवं अभिनंदन किया गया। इसमें एकता संगठन सेवा संस्कार वैश्य महासम्मेलन नरसिंहगढ़ वैश्य समाज आदि का सहयोग रहा।

महासम्मेलन में उपस्थित अतिथि।

वार्ड 24 ▶ रहवासियों को नहीं मिल रहा साफ पानी, बिजली और साफ-सफाई की सुविधा, पार्षद बोलीं- समस्याएं दूर करने कर रही हूं पूरी कोशिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आईएनएच न्यूज चैनल पर रविवार शाम 6.30 बजे से देखिए प्रसारण

आईएनएच न्यूज चैनल और हरिभूमि के तत्वावधान में शहर के वार्ड-24 में मेरा वार्ड-मेरी बात कार्यकम का आयोजन किया गया। इसमें क्षेत्रीय पार्षद, विपक्षी नेताओं के अलावा लोगों ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि से अपनी समस्याओं बताई और सुझाव भी दिए। लोगों का कहना है कि यहां साफ पानी, बिजली और सफाई की व्यवस्था ठीक नहीं है। कई बार शिकायत करने के बाद भी समस्याओं का स्थाई समाधान नहीं हो रहा है।

नगर निगम में कांग्रेस की नेता प्रतिपक्ष और वार्ड पार्षद शबिस्ता जकी ने कहा कि वार्ड 24 में लोगों को साफ पानी और पर्याप्त बिजली नहीं मिल रही है। पार्षद व नेता प्रतिपक्ष होने के नाते मैं लोगों की समस्याओं को नगर निगम में उठाकर समाधान कराने की कोशिश कर रही हूं।

रहवासियो ने कहा साफ पानी, बिजली सफाई की व्यवस्था ठीक नहीं है

पार्षद बोलीं- वार्ड पार्षद होने के नाते लोगों की समस्याओं को निगम में उठाकर समाधान कराने की कोशिश कर रही हूं

रहवासियों ने कहा- मजबूरी में पी रहे गंदा पानी

पक्के मकानों का वादा, अब तक इंतजार

समाजसेवी पवन मिश्रा ने कहा कि शिवराज सरकार के समय से यहां पक्की बस्तियां बनाने का आश्वासन दिया जा रहा है। अब मोहन यादव की सरकार है, लेकिन स्थिति जस की तस है। लोग लंबे समय से मूलभूत सुविधाओं की मांग कर रहे हैं।

समस्याएं दूर करने प्रयासरत

वार्ड 24 की पार्षद शबिस्ता जकी का कहना है कि शहर के बीच में वार्ड होने के बाद भी यहां के रहवासियों को साफ पानी और पर्याप्त बिजली नहीं मिल रही है। सफाई व्यवस्था भी बदहाल है। नेता प्रतिपक्ष और क्षेत्र की पार्षद होने के नाते मैं लोगों की समस्याओं को दूर करने का पूरा प्रयास कर रही हूं।

सरकार लगातार काम कर रही

सरकार वार्ड 24 में लगातार काम कर रही है। बिजली और पानी की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। पक्के मकानों की मांग पर जल्द काम होगा।
पारस नरवरिया, भाजपा मंडल अध्यक्ष

गंदगी से बीमारी का खतरा

नेता वोट मांगने तो आते हैं, लेकिन समस्याएं किसी को दिखाई नहीं देतीं। साफ पानी की मांग कर रहे हैं, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही।
शुंभनाथ, रहवासी

पानी-बिजली नहीं

वार्ड में पानी और बिजली की समस्या है। सुबह से बिजली नहीं रहती और आने-जाने में भी लोगों को परेशानी होती है।
प्रेमलता मालवीय, रहवासी

कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर भोपाल में मुख्यमंत्री करेंगे शुभारंभ

कंट्रीब्यूशन ऑफ सेंट्रली फंडेड इंस्टीट्यूशन्स फॉर समृद्ध मप्र @2047 पर कॉन्क्लेव कल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान की ओर से कंट्रीब्यूशन ऑफ सेंट्रली फंडेड इंस्टीट्यूशन्स फॉर समृद्ध मध्यप्रदेश<\@>2047 विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कॉन्क्लेव का आयोजन 24 अगस्त को कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होगा। कॉन्क्लेव की थीम वन इंस्टीट्यूट- वन प्रॉमिस रखी गई है।

कॉन्क्लेव का शुभारंभ 24 अगस्त को सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल समृद्ध मध्यप्रदेश<\@>2047 पर मुख्य वक्तव्य देंगे। सुशासन संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो. राजीव दीक्षित विशेष संबोधन देंगे, जबकि मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. संतोष कुमार विश्वकर्मा की ओर से कॉन्क्लेव की पृष्ठभूमि एवं संदर्भ प्रस्तुत किया जाएगा। दूसरे सत्र में इन्क्लूसिव ईकोनोमिक ग्रोथ एण्ड सोसल इंपावरमेंट फॉर समृद्ध मध्यप्रदेश<\@>2047 विषय पर चर्चा एवं आगे की कार्य योजना पर व्यापक विमर्श किया जाएगा। इस चर्चा में उपस्थित केन्द्रीय संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं शासन के अधिकारी भाग लेंगे।

फाइल फोटो।

एमओयू एवं दीर्घकालिक संस्थागत सहयोग पर जोर

राज्य में स्थित केंद्रीय, राजकीय संस्थानों एवं प्रदेश सरकार के बीच बेहतर समन्वय एवं दीर्घकालिक साझेदारी के लिए कॉन्क्लेव के दौरान सुशासन संस्थान एवं केन्द्रीय संस्थानों के मध्य एमओयू पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे। सुशासन संस्थान का यह प्रयास मप्र में सरकार–शिक्षा–अनुसंधान–उद्योग–नवाचार के बीच सशक्त इकोसिस्टम विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कॉन्क्लेव से उभरने वाले सहयोगों को आगे चलकर परियोजनाओं, संयुक्त अनुसंधान, तकनीकी समाधान और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से मूर्त रूप दिया जाने का लक्ष्य है।

130 से अधिक संस्थानों की व्यापक सहभागिता

इस कॉन्क्लेव में प्रदेश में स्थित आईआईटी इंदौर, आईआईएम इंदौर, आईआईएसईआर भोपाल, एमएएनआईटी भोपाल, एम्स भोपाल, आईआईआईटीएस, एनएफएसयू भोपाल, डीआरडीओ, आईएसआरओ, राष्ट्रीय एवं केन्द्रीय विश्वविद्यालयों सहित कृषि, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, कौशल विकास और अन्य क्षेत्रों से जुड़े प्रमुख संस्थान शामिल हैं। इन केन्द्रीय संस्थानों से बेहतर समन्वय के उद्देश्य से राज्य के प्रमुख संस्थानों को भी कॉन्क्लेव में आमंत्रित किया गया है। मुख्य रूप से राज्य में स्थित 59 केन्द्रीय संस्थानों, 26 राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों, 11 राज्य स्तरीय शासकीय इंजीनियरिंग एवं 19 शासकीय मेडिकल महाविद्यालय, 8 राज्य स्तरीय शोध संस्थानों तथा 9 चयनित निजी विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों के आने की संभावना है।

वन इंस्ट्रीट्यूट-वन प्रॉमिस

इसका उद्देश्य मप्र की विकास प्राथमिकताओं को अग्रणी केन्द्रीय संस्थानों की शोध, तकनीकी विशेषज्ञता, आधुनिक अधोसंरचना, एवं मानव संसाधन से जोड़ते हुए भविष्य के लिए संस्थागत साझेदारी का प्रभावी मंच तैयार करना है। इसके माध्यम से केन्द्रीय संस्थानों की विशेषज्ञता को राज्य की वर्तमान विकास चुनौतियों एवं विकास अवधारणा से जोड़कर समाधान विकसित करने पर बल दिया जाएगा। इसके तहत उपस्थित संस्थान मप्र के लिए एक सार्थक एवं क्रियान्वयन योग्य संकल्प के लिए प्रतिबद्धता देंगे, जिसे राज्य की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप आगे बढ़ाया जा सके।

सीएम डॉ. मोहन ने केंद्रीय मंत्री नड्डा से की भेंट

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा के निवास पर भेंट और उनके स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त कर शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

खबर संक्षेप

हाईकोर्ट पहुंचा उपवन क्षेत्रपालों की पदोन्नति का मामला

भोपाल। वन विभाग में उप वन क्षेत्रपाल से वन क्षेत्रपाल के पद पर पदोन्नति न देने के कारण अब उप वन क्षेत्रपाल संवर्ग के कर्मचारी संगठन के माध्यम से उच्च न्यायालय जबलपुर में याचिका दायर की है। याचिका में संगठन ने उपवन क्षेत्रपाल से पदोन्नति होकर वन क्षेत्रपाल बनने की पदोन्नति प्रक्रिया तत्काल पूरी कर आदेश जारी करने की मांग की है। मप्र वन कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि सरकार के पदोन्नति नियम 2025 के अंतर्गत वन विभाग में भी वन क्षेत्रपाल से सहायक वन संरक्षक वनपाल से उप वन क्षेत्रपाल एवं वनरक्षक से वनपाल लिपिक से मुख्य लिपिक एवं भृत्य से लिपिक के पद पर पदोन्नति करने के आदेश तो जारी किए गए हैं। लेकिन दो माह का समय निकल जाने के बादजूद भी उप वनक्षेत्रपाल से वन क्षेत्रपाल के पद पर पदोन्नति करने के आदेश राज्य मंत्रालय वन विभाग द्वारा जारी नहीं किए गए है। वही उप वन क्षेत्रपाल संवर्ग के वन कर्मचारी बिना पदोन्नति के सेवानिवृत हो रहे हैं फिर भी वन विभाग द्वारा पदोन्नति देने पर आभार प्रदर्शित करने के लिए 24 अगस्त को आईआईएफएम प्रांगण में मुख्यमंत्री का सम्मान कार्यक्रम रखा गया है। इस कार्यक्रम मे सभी संवर्ग के वन कर्मचारियों को बुलाया गया है लेकिन उप वन क्षेत्रपाल संवर्ग के कर्मचारियों को नहीं बुलाया गया है।

मंत्रालय में मुख्यमंत्री का सम्मान करेंगे मंत्रालयीन कर्मचारी

भोपाल। अधिकारी-कर्मचारियों को आठ से नौ साल बाद पदोन्नति का लाभ मिलने की खुशी में कर्मचारी संगठन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आभार व्यक्त कर रहे हैं। इसी कड़ी में मप्र सचिवालयीन (मंत्रालयीन) शीघ्रलेखक संघ, मंत्रालय अजाक्स शाखा एवं संघ समूह के तत्वावधान में मुख्यमंत्री द्वारा कर्मचारी हित में लिए गए निर्णयों के लिए उनका आत्मीय और सम्मान समारोह 25 अगस्त को मंत्रालय भवन स्थित सेण्ट्रल विस्टा पार्क में आयोजित किया जा रहा है। मप्र मंत्रालय शीघ्रलेखक संघ एवं संघ समूह के प्रवक्ता जीपी सिंह ने बताया कि सम्मान समारोह में विधायक भगवानदास सबनानी एवं कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष रमेश चन्द्र शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

प्रदेश में 20 अगस्त से चल रहा है फार्मर आईडी बनाने का अभियान

किसानों के माथे पर चिंता की एक भी लकीर नहीं दिखने देंगे: सीएम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में फार्मर आईडी बनवाने का अभियान 20 अगस्त से शुरू किया गया है। किसानों को अब न कहीं भटकना होगा और न ही लंबी लाइनों में लगना होगा। शासकीय दल खुद किसानों के पास जाकर उनकी फार्मर आईडी बनवाएंगे। उन्होंने किसानों से फार्मर आईडी जरूर बनवाने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम किसान के माथे पर चिंता की एक भी लकीर नहीं आने देंगे। शिवपुरी जिले के किसानों की मेहनत से उपजी मूंगफली का डंका पूरे देश में बज रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को नई दिल्ली से शिवपुरी जिले की कृषि उपज मंडी, पिपरसमा में हुए बलराम कृषि महोत्सव को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने किसानों से कहा कि अब खाद के लिए किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। पैसे की कमी हमारे किसी भी किसान के आड़े न आए, इसके लिए हमारी सरकार ने शून्य प्रतिशत ब्याज पर अग्रिम खाद उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे सिर्फ पारम्परिक फसलों तक ही सीमित न रहे, बागवानी, डेयरी फार्मिंग, मत्स्य पालन और पशुपालन जैसे आमदनी वाले अन्य क्षेत्रों को भी अपनाएं। उन्होंने कहा कि सरकार हमेशा किसानों के साथ है। हम सब मिलकर शिवपुरी जिले को कृषि का सिरमौर बनाएंगे।

मुख्यमंत्री नई दिल्ली से शिवपुरी के बलराम कृषि महोत्सव में वीसी से हुए शामिल

वीसी में शामिल सीएम।

किसान अपनी इच्छानुसार कोई भी एक उर्वरक खरीद सकेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ई-विकास प्रणाली को और अधिक प्रभावी, सहज, सरल एवं किसान हितैषी बनाया गया है। ई-विकास 2.0 से किसानों को अपनी आवश्यकता के अनुरूप उर्वरक प्राप्त करने में सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि ई-विकास 2.0 में किसान अपनी इच्छानुसार कोई भी एक उर्वरक बिना किसी अनिवार्य संयोजन के खरीद सकेगा।

महोत्सव वास्तव में किसानों के स्वाभिमान का अद्भुत पर्व

सीएम ने कहा कि शिव की नगरी शिवपुरी जिले में केन-बेतवा-पार्वती-सिंध-महुआ नदियों से पंचामृत की तरह आपके खेतों को जल मिल रहा है। उन्होंने शहीद तात्या टोपे के बलिदान को भी याद करते हुए कहा कि बलराम जयंती महोत्सव वास्तव में किसानों के स्वाभिमान का एक अद्भुत पर्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के लिए सरकार द्वारा कई कल्याणकारी योजना चलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को पहले ऋण की राशि 31 मार्च तक जमा करनी होती थी, अब उससे निजात मिलेगी।

रात को बिजली संकट खत्म

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले साल जो किसान चना या गन्ने की फसल लगाएंगे, उन्हें इन फसलों के लिए पूरे समय दिन में बिजली दी जाएगी। रात की बिजली का संकट खत्म होगा। इससे सिंचाई के लिए किसानों को रातभर जागने की परेशानी अब खत्म हो जाएंगी। सीएम ने आगामी रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लाडली बहना योजना की राशि रक्षाबंधन त्यौहार से पूर्व सभी के खातों में भेजी गई है।

मत्स्य महासंघ के एमडी ने मछुआरों से की सीधी बातचीत

भोपाल। सम्राट अशोक सागर यानी हलाली जलाशय में मत्स्य महासंघ के प्रबंध संचालक अनुराग चौधरी का औचक निरीक्षण हुआ। उन्होंने जलाशय क्षेत्र में मत्स्य उत्पादन, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मछुआरा समितियों के अध्यक्षों व मछुआरों से सीधे संवाद किया। निरीक्षण के दौरान मछुआरों ने महासंघ के सामने अपनी रोजमर्रा की दिक्कतें रखी। चौधरी ने सभी बातें गंभीरता से सुनीं और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को जरूरी कार्रवाई कर समस्याओं का तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मछुआरों के हितों की रक्षा और उन्हें बेहतर सुविधाएं देना महासंघ की पहली प्राथमिकता है। निरीक्षण के समय मछुआरा समितियों के अध्यक्षों और प्रतिनिधियों ने अनुराग चौधरी का शाल और श्रीफल भेंट कर स्वागत किया। मछुआरा प्रतिनिधियों ने कहा कि प्रबंध संचालक ने खुद आकर समस्याएं सुनीं और मौके पर समाधान का भरोसा दिया, इससे उन्हें काफी राहत मिली है। इस अवसर पर हलाली डैम के मत्स्य विक्रय अनुबंधकर्ता राजेंद्र सिंह, भोपाल क्षेत्रीय प्रबंधक वीरेंद्र चौहान, जलाशय प्रभारी मयंक बिष्ट मौजूद रहे। इसके अलावा समिति अध्यक्ष शिवनारायण अहिरवार, मलखान सिंह मीना, भूरा मेहर सहित बड़ी संख्या में मछुआरे और महासंघ के अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित थे।

पूरक विद्युत मांग का मिलेगा लाभ

मप्र और उत्तर प्रदेश के बीच पावर खरीद के लिए एमओयू

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र और उत्तर प्रदेश ने अपनी अलग-अलग मौसमी विद्युत मांग का लाभ उठाते हुए बिजली संसाधनों के बेहतर उपयोग और खरीद लागत में कमी की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है।

एमपी पॉवर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड और उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के बीच पूरक विद्युत खरीद तथा दीर्घकालिक फर्म पावर बैंकिंग व्यवस्था के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर आज लखनऊ में हस्ताक्षर किए गए। इस पहल के तहत दोनों राज्यों में 2000 मेगावॉट पीक पॉवर क्षमता की प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया से खरीद शुरू करने पर सहमति बनी है। एमओयू पर एमपी पॉवर मैनेजमेंट कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक (गैर-पारंपरिक ऊर्जा) जीएस खनूजा और उत्तरप्रदेश पॉवर कॉरपोरेशन के निदेशक (प्लानिंग) दीपक रैजादा ने हस्ताक्षर किए। एमओयू का आधार दोनों राज्यों में बिजली की मौसमी मांग का अलग-अलग होना है। मप्र में अक्टूबर से मार्च के दौरान रबी सीजन में कृषि क्षेत्र की बिजली मांग बढ़ती है, जबकि उत्तर प्रदेश में मई से सितंबर के बीच खरीफ सीजन और गर्मियों में बिजली की मांग अधिक रहती है। मांग के इस पूरक स्वरूप से एक राज्य के कम मांग वाले समय में उपलब्ध अतिरिक्त बिजली का दूसरे राज्य की अधिक मांग वाले समय में बेहतर उपयोग किया जा सकेगा।

खरीद की दिशा में प्रक्रिया शुरू करने पर दी सहमति

इस व्यवस्था से उत्पादन क्षमता का अधिकतम उपयोग करने के साथ ही दोनों राज्यों को महंगी अल्पकालिक बिजली खरीद पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। एमओयू के तहत दोनों राज्यों ने 2000 मेगावॉट पीक पॉवर क्षमता की प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के माध्यम से खरीद की दिशा में प्रक्रिया शुरू करने पर सहमति दी है। प्रस्तावित मॉडल से विद्युत संसाधनों की साझा उपयोगिता बढ़ेगी, तथा भविष्य की बिजली जरूरतों के लिए दीर्घकालिक संसाधन पर्याप्तता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इससे नई विद्युत एवं ऊर्जा अवसंरचना के विकास, रोजगार के अवसरों और स्वच्छ ऊर्जा क्षमता के विस्तार को भी गति मिलने की उम्मीद है। फर्म पावर बैंकिंग से जरूरत के समय मिलेगा अतिरिक्त बिजली संसाधन एमओयू का एक महत्वपूर्ण हिस्सा दीर्घकालिक फर्म पावर बैंकिंग व्यवस्था स्थापित करने की दिशा में काम करना है। इसके तहत जिस राज्य में कम मांग के समय अतिरिक्त बिजली उपलब्ध होगी।

प्रदेशाध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

शराब टेंडरों में कंपनियों के दबदबे की जांच हो: पटवारी

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पत्र लिख कर प्रदेश के शराब टेंडरों में वर्षों से कुछ चुनिंदा कंपनियों के कथित वर्चस्व और टेंडर प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने वर्ष 2012-13 से 2026-27 तक प्रदेश के 33 जिलों में शराब के प्रमुख टेंडरों की स्वतंत्र एवं उच्चस्तरीय जांच तथा संपूर्ण प्रक्रिया का ऑडिट कराने की मांग की है। पटवारी ने कहा कि वर्ष 2012-13 से 2026-27 तक शराब कारोबार में कुछ चुनिंदा कंपनियों का लगातार प्रभाव बना हुआ है। सामने आए दावों के अनुसार चार समूहों के पास लगभग 70 प्रतिशत बाजार है तथा कई जिलों में वर्षों से उन्हीं कंपनियों को लगातार टेंडर मिलते रहे हैं। यदि यह तथ्य सही है तो यह महज संयोग नहीं माना जा सकता। इससे प्रदेश की पूरी टेंडर व्यवस्था की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं। पटवारी ने कहा कि यह मामला केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का विषय नहीं है। यदि टेंडर प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष रही है तो सरकार को सभी तथ्यों और दस्तावेजों को सार्वजनिक करने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की कि पूरे मामले को पारदर्शिता के साथ जांच के दायरे में लाकर जांच रिपोर्ट प्रदेश की जनता के सामने सार्वजनिक की जाए।

सहायक उपकरण दिव्यांगजनों के जीवन को आसान बनाते हैं

भोपाल। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग मंत्री नारायन सिंह कुशवाह ने दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण और उनके जीवन को अधिक सुगम एवं आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को साकार करते हुए शनिवार को ग्वालियर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के समाधियां कॉलोनी स्थित जनसंपर्क कार्यालय पर दिव्यांगजनों को आवश्यक सहायक उपकरण वितरित किए। इस दौरान प्रमोद कुमारी सक्सेना को व्हीलचेयर तथा केशव दास पवनानी को वॉकर प्रदान किया गया। हितग्राहियों के चेहरे पर खुशी और आत्मविश्वास साफ नजर आया। मंत्री कुशवाह ने कहा कि सहायक उपकरण द्वियांगजन के जीवन को आसान बना देते हैं।

संगठन की मजबूती, कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान

संगठन को सशक्त एवं सक्रिय बनाने, संगठन विस्तार, प्रशिक्षण पर हुई चर्चा

कांग्रेस सेवादल की बैठक में आगामी कार्ययोजना पर हुई विस्तार से चर्चा

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

प्रदेश कांग्रेस सेवादल की शनिवार को हुई एक दिवसीय प्रदेश स्तरीय बैठक में संगठन को सशक्त एवं सक्रिय बनाने, संगठन विस्तार, प्रशिक्षण, तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

प्रदेश कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष अवनीश भार्गव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा के संदर्भ में विस्तार से अवगत कराया तथा कार्यक्रम पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन प्रदान किया। बैठक में प्रमुख रूप से अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के सचिव एवं प्रदेश प्रभारी प्रतापनारायण मिश्र विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन की मजबूती, जनसंपर्क बढ़ाने तथा कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

कांग्रेस सेवादल की बैठक।

सेवादल प्रतिज्ञा का वाचन कर शपथ दिलाई

बैठक को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस सेवादल की प्रदेश महिला अध्यक्ष संगीता कांकरिया एवं यंग ब्रिगेड सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष गजानन तिवारी ने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अनुशासन, सेवा भावना एवं संगठन के प्रति पूर्ण समर्पण एवं निष्ठा के साथ कार्य करने का आह्वान किया। प्रदेश अध्यक्ष अवनीष भार्गव ने सेवादल प्रतिज्ञा का वाचन कर सेवादल पदाधिकारियों को शपथ दिलाई।

ध्वज वंदन आयोजित करने का निर्णय

संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत जिला एवं ब्लॉक इकाइयों के गठन की समीक्षा की गई। जिला एवं ब्लॉक स्तर पर प्रभात फेरी एवं ध्वज वंदन कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने का निर्णय लिया गया। जिला, विस एवं ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन, संगठनात्मक विस्तार पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रदेश स्तरीय तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर (रिफ्रेशर कैंप) के आयोजन एवं उसकी तैयारियों की समीक्षा भी की गई। साथ ही आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा कर संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए जिला अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों से जिलेवार चर्चाकर आवश्यक सुझाव प्राप्त किए गए।

नक्सल और दिमागी नक्सल: प्रधानमंत्री को छात्रों से संवाद और अधिक करना चाहिए, विपक्ष को करना चाहिए सहयोग

बच्चे हमारे देश का भविष्य, इन्हें समझने और समझाने की आवश्यकता

लक्ष्मण सिंह
पूर्व सांसद

विश्लेषण

15 अगस्त को भारत ने 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। यह कोई साधारण घटना नहीं थी, अहिंसा के पथ पर चलकर आजादी पाना जबकि अंग्रेजों ने हिंसा, क्रूरता के बल पर हमारे देश के लाखों नौजवानों को और स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वालों को जेल में बंद कर दिया था, कई शहीद हुए, तब हमारा देश स्वतंत्र हुआ। महात्मा गांधी, जिन्होंने मुख्य भूमिका देश को आजाद कराने में निभाई थी उनकी हत्या कर दी गई और वो व्यक्ति कोई बाहर से नहीं आया था, हमारे देश का ही एक सरफिरा नागरिक था, क्या वो दिमागी नक्सल था, उसकी क्या सोच थी सब जानते हैं! उस समय नक्सलवाद शब्द ही नहीं था।

यह आंदोलन 70 के दशक में शुरू हुआ बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से, जहां जमींदारों और सूदखोरों ने गरीब और अशिक्षित किसानों की अंगूठा लगवाकर भूमि हड़प ली थी और दुर्भाग्यवश यह प्रथा आज भी चल रही है। मेरे पास सैकड़ों उदाहरण हैं इसके, उस समय जो शिक्षित बेरोजगार थे उनमें से एक नौजवान, कानू सान्याल उन किसानों की लड़ाई लड़ने आगे आया और जब कहीं से उसे न्याय नहीं मिला तो फिर इस आंदोलन ने एक हिंसक रूप लिया और कुछ वर्षों में यह आंदोलन देश के बहुत बड़े हिस्से में फैल गया। अगर उस समय कांग्रेस शासन इन नौजवानों से चर्चा कर लेता और इसे दबाने का प्रयास नहीं करता तो यह इतना फैलता भी नहीं और न ही यह हिंसक होता।

प्रधानमंत्री को छात्रों से संवाद और अधिक करना चाहिए और अन्य राजनीतिक दलों को इन्हें हथियार बनाने के बजाए इनकी मदद करना चाहिए। दोहरे मापदंड वाला आंदोलन नहीं होना चाहिए, जैसा झारखंड के छात्रों के साथ किया गया, जहां कांग्रेस की सहयोगी सरकार है। यह बच्चे हमारे देश के भविष्य हैं और इन्हें समझने और समझाने की आवश्यकता है। ये सभी साधारण परिवार के हैं। इन्होंने ये सिद्ध कर दिया है कि वो अपनी लड़ाई खुद लड़ना जानते हैं और यही एक परिपक्व प्रजातंत्र की पहचान है। छात्रों को सस्ती, सुलभ शिक्षा जो गुणवत्ता से परिपूर्ण हो चाहिए, जो हर शासन और राजनीतिक दल का कर्तव्य है। विपक्ष को भी चाहिए इस विषय पर चर्चा करे और पीठ दिखा कर भागे नहीं! कांग्रेस वो पार्टी रही है, जिसने कभी पीठ नहीं दिखाई अब ऐसा क्यों हो रहा है? अगर मोदी से नफरत है तो उन्हें चुनाव में हराकर अपनी लोकप्रियता सिद्ध करो, संसद को अवरुद्ध कर, देश का नुकसान कर के नहीं। जब शासन यह दावा करता है कि भारत नक्सल वाद से मुक्त है तो फिर स्वतंत्रता दिवस के भाषण में उसका उल्लेख क्यों किया जा रहा है? केंद्र शासन को चाहिए कि जितने बड़े-बड़े उद्योगपति हैं और जो आईपीएल की टीम खरीदने में अरबों रुपए बर्बाद करते हैं, उन्हें बाध्य करना चाहिए कि वो ऐसे उच्च शिक्षा के संस्थान खोलें, जहां हमारे मध्यम वर्ग एवं मजदूरों के बच्चे गुणवत्ता की शिक्षा मुफ्त में या बहुत कम फीस देकर शिक्षा ग्रहण कर सकें और उन्हें रोजगार उपलब्ध हो। आपकी स्टार्ट अप योजनाओं का प्रचार-प्रसार आप खूब करते हो और दावा करते हो कि आपने बहुत अधिक रोजगार उपलब्ध करवाया है, अगर ये सच होता तो आज ये स्थिति नहीं बनती।

हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया

उपमुख्यमंत्री शुक्ल ने बैगा परिवारों से भेंट कर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल आज बालाघाट पहुंचे थे। उन्होंने संरक्षित बैगा जनजाति के बीमारी से पीड़ित बच्चों के परिवारों से बालाघाट जाकर भेंट की।

जिस मामले को लेकर उप मुख्यमंत्री बैगा जनजाति के बच्चों से मिले, उस मामले में अभी तक दो अधिकारियों पर कार्रवाई की गई, किंतु सीएमएचओं पर कार्रवाई नहीं होने को लेकर आज भी असमंजस की स्थिति है। जबकि सीएमएचओ की सीधे तौर पर जवाबदारी होती है। इसे लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। उधर, उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने बालाघाट जिले के बिरसा विकासखंड के ग्राम मछुरदा में प्रभावित परिवारों से उनकी सामाजिक स्थिति, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं तथा बच्चों की स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी ली और शासन की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार बीमारी से प्रभावित बैगा परिवारों के साथ खड़ी है और उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

पेज एक का शेष...

रीवा समेत विंध्य ....

में खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लगातार हो रही इस बारिश के चलते क्षेत्र की नदियों और बरसाती नालों का जलस्तर भी काफी तेजी से बढ़ा है।

ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग हब ...

प्रक्रियाओं को सरल बना रही है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि निवेशक मध्यप्रदेश को केवल एक निवेश स्थल के रूप में नहीं, बल्कि अपने विकास के दीर्घकालिक साझेदार के रूप में देखें।

जेन जी पर भाजपा ...

कार्यक्रम किया है। इससे पहले कोटा, देहरादून और प्रयागराज में भी इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं।

जेन जी की सोच...

नेताओं से जुड़ने का मौका मिलने की संभावना है। प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालयों और सरकारी स्कूलों में युवाओं तक पहुंच बनाने की तैयारी है। कार्यक्रम कब शुरू होगा और इसका स्वरूप क्या होगा, इसकी जानकारी जल्द सामने आने की उम्मीद है।

नई टीम के साथ...

रूप से काम शुरू कर दिया। बैठक से पहले राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के सभी छह पदों का गायन किया गया।

वंदे मातरम के सम्मान और गौरव की रक्षा का प्रस्ताव:

- **नई टीम की पहली बैठक में पहला और सबसे प्रमुख प्रस्ताव वंदे मातरम के सम्मान और गौरवशाली विरासत की रक्षा हेतु पारित किया गया। भाजपा ने कांग्रेस कार्यसमिति के उस हालिया फैसले का कड़ा विरोध और निंदा की, जिसमें कांग्रेस कार्यक्रमों में वंदे मातरम के गायन को केवल पहले दो पदों (अंतरों) तक सीमित रखने की बात कही गई थी।**
- बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक व राजनीतिक जीवन में 25 वर्ष (7 अक्टूबर को) पूरे होने के उपलक्ष्य में देश भर में बड़े पैमाने पर कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव और रूपरेखा तय की गई। इस अभियान के राष्ट्रीय संयोजक की जिम्मेदारी भाजपा महासचिव विनोड तावड़े को सौंपी गई है। प्रत्येक राज्य में इस अभियान के संचालन के लिए पांच सदस्यीय विशेष टीमों का गठन किया जाएगा।
- संगठन ने आगामी 2027 के राज्य विधानसभा चुनावों (विशेषकर उत्तर प्रदेश, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड आदि) और लंबी अवधि में 2029 के लोकसभा चुनावों के लिए जमीनी स्तर पर रोडमैप तैयार किया है। नए पदाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करें। मोदी सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को सीधे जनता तक पहुंचाने और जमीनी पहुंच को धार देने का संकल्प लिया गया।

राहुल बोले- देश ...

को कंट्रोल क्यों करना चाहता है। क्या आप ये महसूस करती हैं कि एक आदमी पितृसत्ता के तहत आपको नियंत्रित करना चाहता है। महिला ने जवाब दिया- जब मैं अपने आपको देखती हूं कि तो मैं जानती हूं कि मैं एक इंसान हूं। मुझे गुस्सा आता है जब मुझे ये सब झेलना पड़ता है कि लोग मुझसे कहते हैं कि तुम तो एक महिला हो। मुझे यह कहा जाता है कि तुम तो लड़की हो सुंदर हो कोई भी शादी कर लेगा और अच्छा जीवन जीयोगी। राहुल ने एक और महिला से कहा- अगर आपका भाई हिस्सा मांगता है तो उसे अधिकार कहते हैं। अगर आप मांगें तो इसे हिस्सेदारी कहा जाता है। महिला ने जवाब दिया- परिवार यही चाहते हैं कि एक महिला 9 से 5 की जॉब करे। वापस आकर घर का काम करे, खाना बनाए। बच्चे संभाले।

राहुल ने कहा-....

जीवन होता है। लेकिन ये शब्द शर्म की बात हैं। हमारी महिलाओं को आजाद होना चाहिए। आप किसी पर आश्रित नहीं।

इंदौर में मिड...

अनुसार सभी को करीब 7 घंटे ऑब्जर्वेशन में रखा गया। घटना ग्राम सिंहाना के शासकीय माध्यमिक विद्यालय की है। शनिवार को स्कूल में दोपहर करीब 1:30 बजे बच्चों को मिड-डे मील के तहत कढ़ी-चावल परोसे गए थे। एक साथ कई बच्चों की तबीयत बिगड़ने से फूड पॉइजनिंग की आशंका जताई गई थी। हालांकि शाम तक डॉक्टरों ने स्पष्ट कर दिया कि फूड पॉइजनिंग नहीं है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इसकी वजह भोजन की गुणवत्ता थी या कोई अन्य कारण। भोजन के सैंपल की जांच और स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। प्रशासन की टीम ने मामले की जांच शुरू कर दी है। भोजन कहां तैयार किया गया, स्कूल तक कैसे पहुंचा और बच्चों को परोसने से पहले उसकी गुणवत्ता की जांच हुई थी या नहीं, इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है।

बैंगन का भरता...

दम तोड़ दिया। घटना के बाद परिजनों ने तीनों शवों को दफना दिया था। हालांकि, सरपंच के जरिए सूचना मिलते ही मातगुवां पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और शवों को कब्र से निकलवाकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। शुक्रवार रात घर में बैंगन का भरता और रोटी बनी थी, जिसे दो बड़ी बच्चियों ने खाया था, जबकि 9 माह की चाहत ने सिर्फ मां का दूध पीया था। शनिवार सुबह सबसे पहले एक बच्ची को उल्टी हुई और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। इसके बाद दूसरी बच्ची की भी तबीयत बिगड़ी और उसने भी दम तोड़ दिया। वहीं परिजनों ने छोटी बच्ची की तबीयत बिगड़ने पर उसे पहले झाड़-फूंक कराने ले गए, लेकिन अस्पताल पहुंचते-पहुंचते उसने भी दम तोड़ दिया। अजीब बात यह है कि परिवार के बाकी सदस्य पूरी तरह ठीक हैं। कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग, खाद्य विभाग और एफएसएल की टीम ने घर पहुंचकर भोजन के सैंपल जब्त किए हैं। सीएमएचओ डॉ. आरपी गुप्ता और थाना प्रभारी अंकुर चौबे ने बताया कि मौतों की सटीक वजह का खुलासा पोस्टमॉर्टम, बिसरा और खाने के फॉरेंसिक सैंपल की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

पति-पत्नी समेत...

जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार कार में सवार सभी लोग महाराष्ट्र के नागपुर के समीप बुट्टी बोरी क्षेत्र के कोल माइंस इलाके के निवासी बताए जा रहे हैं। सभी श्रद्धालु सीहोर स्थित कुबेरेश्वर धाम में दर्शन के लिए जा रहे थे। इसी दौरान ग्राम भिलाई के पास उनकी कार सडक़ किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आशंका जताई जा रही है कि देर रात यात्रा के दौरान चालक को झपकी आने के कारण सड़क किनारे खड़ा ट्रक दिखाई नहीं दिया और कार सीधे उसके पीछे जा घुसी। हालांकि, हादसे की वास्तविक वजह पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

छिंदवाड़ा जिला अस्पताल....

स्थिति को देखते हुए उसे एनआईसीयू में भर्ती कराया गया था। अस्पताल प्रशासन और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रात करीब 2 से 3 बजे के बीच एनआईसीयू के एक प्लग में शॉर्ट सर्किट हुआ। चिंगारी से वहां मौजूद प्लास्टिक के टब और कपड़ों में तुरंत आग पकड़ ली। हादसा उस समय हुआ जब तीनों बच्चे एक ही डोली (बेसिन) में मौजूद थे। हादसे के वक्त वार्ड में 20 से ज्यादा नवजात भर्ती थे। तीनों नवजात इंफेक्शन के कारण एनआईसीयू में भर्ती थे और उनकी उम्र 6 से 12 दिन के बीच है। अस्पताल प्रबंधन का दावा है कि पूर्व में फायर सेफ्टी ऑडिट हो चुका था।

दो अधिकारी हटाए ...

की। चर्चा के दौरान एक ग्रामीण महिला ने बताया कि गांव में अस्पताल तो है, लेकिन डॉक्टर उपलब्ध नहीं हैं। इस पर मंत्री ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से जानकारी ली और अस्पताल में एएनएम तैनात करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि प्रभावित गांवों में टीकाकरण, मलेरिया से बचाव के लिए दवा छिड़काव और कुपोषण दूर करने के लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता है। इसके लिए प्रशासनिक अमला सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है।

दिव्यांग बच्चे को 5 साल ...

संख्या बढ़कर 202 हो गई है। बालिकाओं की संख्या 107 हो गई है। 26 से अधिक शाला त्यागी बच्चों को वापस शिक्षा से जोड़ा। 12 बालिकाओं के बाल विवाह को रूकवाया और उन्हे शिक्षा से जोड़ा। स्कूल में दिव्यांग बच्चा था, उसके माता-पिता नहीं थे। ऐसे में शैलेंद्र प्रताप सिंह इस बच्चे को लगातार पांच साल तक उसके घर से स्कूल तक कंधे पर बिठाकर स्कूल ले जाते और घर छोड़ने जाते थे। अब वह 9वीं कक्षा में पढ़ाई कर रहा है। स्कूल में बिरसामुंडा उद्यान बनाया गया है, जिसमें करीब 500 से अधिक पौधे लगाए गए हैं। शैलेंद्र प्रताप सिंह का कहना है यह सम्मान मेरा व्यक्तिगत सम्मान नहीं है, यह पूर्ण शिक्षा जगत का सम्मान है। मेरा मानना है कि जब शिक्षक पूर्ण ईमानदारी के साथ अपना काम करते हैं, तो एक बेहतर भविष्य का निर्माण होता है।

डॉ. अर्चना ...

मॉडल स्पैरो हाउस को देशभर में सराहना मिली। डॉ. शुक्ला ने बताया कि उनका प्रयास रहता है कि बच्चे केवल किताब पढ़कर विज्ञान न सीखें, बल्कि वास्तविक जीवन की समस्याओं को समझें और उनके समाधान खोजें। पेड़ों का क्यूआर कोडिंग, स्पैरो कंजर्वेशन, सेव ए सीड-सेव ए ट्री और प्लांट इमोशन जैसे प्रोजेक्ट विद्यार्थियों ने तैयार किए हैं। इनसे बच्चों ने सीखा कि विज्ञान केवल परीक्षा में अंक हासिल करने का विषय नहीं है।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं आशा गर्ग W/O राधेश्याम गुप्ता यह कथन करती हूँ कि पूर्व में मेरा नाम आशा गुप्ता था इसे मैंने बदलकर आशा गर्ग कर लिया है अतः अब मुझे आशा गर्ग W/O राधेश्याम गुप्ता के नाम से जाना जावे ।

आशा गर्ग W/O राधेश्याम गुप्ता
76 सी सेक्टर इंद्रपुरी भोपाल

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड बैतूल (म.प्र.)

दूरभाष (07141) कार्यालय 238320, Email - mp.eephedbet@gmail.com

// निविदा आमत्रण सूचना (प्रथम) //

क्रमांक 2058/लेखा/का.यं. /लोस्वायांवि. खंड/बैतूल/दिनांक 12.08.2026

निम्नलिखित कार्य की निविदाएं ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल https://mptenders.gov.in बैतूल जिले के विकासखंड चिचोली के ग्राम खोखराखेड़ा, पंछी एवं चूनाहजूरी एवं विकासखंड भीमपुर के ग्राम सोनाझर, दूनी एवं टिपरिंग में जल जीवन मिशन के अंतर्गत ट्यूबवेल पर आधारित रेट्रोफिटेड पाईप जलापूर्ति का निर्माण, निष्पादन उच्चस्तरीय जल संग्रहण टंकी निर्माण एवं सम्पवेल निर्माण, राईजिंगमेन, जल वितरण नलिक, सबमर्सिबल मोटरपंप की स्थापना एवं 90 दिवस ट्रायल रन इत्यादि संबंधी शेष कार्य (Balance Work) सामग्री एवं लेबर सहित कार्य हेतु निविदा प्रतिशत दर पर दिनांक 03.07.2018 से प्रभावशील एस.ओ.आर. पर निम्नानुसार आमंत्रित की जाती हैं:-

स. क्र.	निविदा सूचना क्रमांक व दिनांक	ऑनलाईन ई-टेण्डर आई.डी.	विकासखंड का नाम	ग्राम का नाम	निविदा की अनुमानित लागत (रू लाख में)	धरोहर राशि (रू.में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.में)	कार्यपूर्ण करने की समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी
1	38/2026-27/ Dt.12.08.2026	2026_PHED_529194_1	चिचोली	खोखराखेड़ा, पंछी एवं चूनाहजूरी	14.86	29720	2000	02 माह वर्षाकाल छोड़कर	नवीन केन्द्रीकृत पंजीयन प्रणाली
2	39/2026-27/ Dt.12.08.2026	2026_PHED_529195_1	भीमपुर	सोनाझर, दूनी एवं टिपरिंग	15.13	30260	2000		

ऑनलाईन निविदा विक्रय की प्रारम्भिक तिथि व समय	:-	12.08.2026	11:00	बजे से
ऑनलाईन निविदा दर डालने की अंतिम तिथि व समय	:-	31.08.2026	17:30	बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की संभावित तिथि व समय	:-	02.09.2026	11:00	बजे से

निविदा फार्म ऊपर दर्शित वेबसाईट पर (Online System) ऑनलाईन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते हैं। आवश्यक होने पर निविदा से संबंधित समस्त शुद्धिपत्र उपरोक्त वेबसाईट पर जारी किये जायेगे।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खंड
बैतूल (म.प्र.)

जी- 17468/26 स्वच्छता ही सेवा

कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय हरदा

जिला चिकित्सालय हरदा मे उपलब्ध मे बायोमेडिकल उपकरण एवं मशीनो के मरम्मत कार्य हेतु निविदा

आमंत्रण सूचना
निविदा प्रक्रिया विवरण

1.	निविदा का विवरण	जिला चिकित्सालय हरदा मे उपलब्ध बायोमेडिकल उपकरण एवं मशीनो के मरम्मत कार्य हेतु
2.	निविदा दस्तावेज ऑनलाईन हेतु उपलब्धता	शासकीय निविदा जेम पोर्टल (https://gem.gov.in/) पर प्रदर्शित होगी।
3.	ऑनलाईन निविदा जारी करने की दिनांक एवं समय	21/08/2026, 11:30:00 AM
4.	ऑनलाईन निविदा सवमिट करने की दिनांक समय	21/08/2026, 11:31:00 AM
5.	ऑनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय	10/09/2026, 17:30:00 PM
6.	तकनीकी निविदा ऑनलाईन खोले जाने की दिनांक एवं समय	11/09/2026 13:30 PM
7.	वित्तीय निविदा ऑनलाईन खोले जाने की दिनांक एवं समय	14/09/2026 13:30 PM

टिप्पणी: - अधोहस्ताक्षरकर्ता को निविदा परिवर्तन / निरस्त करने के सभी अधिकार रहेंगे।

सिविल सर्जन
सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक
जिला चिकित्सालय हरदा

जी - 17495/26 स्वच्छता ही सेवा

न्यायालय सक्षम प्राधिकृत अधिकारी एवं अधीक्षक रातापानी अभयारण्य औबेदुल्लागंज, (जिला-रायसेन म.प्र.) पिन कोड-464993

क्रमांक /2298 औ.गंज/दिनांक 10/08/2026

सूचना/विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार वाहन रातापानी वन्यप्राणी अभयारण्य औबेदुल्लागंज के अंतर्गत परिक्षेत्र बिनेका अंतर्गत दिनांक 18.05.2026 को समय लगभग 9: 30 PM पर मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की एक मारूति कार्य में सागौन की लकडियां भरकर परिवहन होकर एन.एच. मार्ग से बिनेका से बाडी की तरफ जायेगी। सूचना के आधार पर वन स्टाफ द्वारा गश्ती कर एन.एच.-45 मार्ग पर घेराबंदी की गई। लगभग 11:30 PM पर वन अमले द्वारा एक मारूति कार 800 का पीछा ग्राम छोडापछा से किया गया। कार ग्राम पीपलवाली बारना डेम के पास वनअमले द्वारा घेराबंदी कर को रोका गया। वाहन चालक कार छोडकर अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल हो गया। वाहन को चैक किया गया चैक करन पर वाहन में सागौन चरपट रखी हुई थी। वाहन मारूति 800 सिल्बर क्रमांक PM-04 CB-2454 से अवैध परिवहन करते हुए सागौन चरपट 08 नग 0.228 घ.मी. जप्त किया जाकर इस कार्यालय में राजसात की प्रक्रिया विचाराधीन है :-

क्र.	वाहन क्रमांक/वाहन का विवरण	पी.ओ.आर. न./दि.	वाहन मालिक / आरोपी का नाम	वाहन का क्रमांक/ वाहन मालिक का नाम	वन अपराध का प्रकार	जप्ती स्थल का नाम	परिक्षेत्र का नाम
1	वाहन मारूति 800 सिल्बर क्रमांक PM-04 CB-2454 सागौन 08 नग 0.228 घ.मी. के साथ जप्त	42330/21 दिनांक 18.05.26	अज्ञात	वाहन मारूति 800 सिल्बर क्रमांक PM-04 CB-2454 श्री अभय कुमार जैन C/o श्री डी.सी.जैन निवासी 49 ए कस्तूरबा नगर भोपाल	परिक्षेत्र बिनेका अंतर्गत ग्राम पीपलवाली बारना डेम के पास सागौन चरपट 08 नग 0.228 घ.मी. अवैध परिवहन में जप्त	परिक्षेत्र बिनेका अंतर्गत ग्राम पीपलवाली बारना डेम के पास अवैध परिवहन	बिनेका

यदि कोई व्यक्ति उक्त वाहन के संबंध में हित रखता है तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय सक्षम प्राधिकृत अधिकारी एवं अधीक्षक रातापानी वन्यप्राणी अभयारण्य औबेदुल्लागंज में प्रातः 11.00 उपस्थित होकर अपना वाहन संबंधी दस्तावेज एवं पक्ष प्रस्तुत कर सकता है। अन्यथा प्रकरण में एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी। सूचना पत्र आज दिनांक 10.08.26 को मेरी पद एवं मुद्रा से जारी किया गया।

(राजकुमार शिवहरे) स.व.स
सक्षम प्राधिकृत अधिकारी एवं अधीक्षक
रातापानी वन्यप्राणी अभयारण्य
औबेदुल्लागंज

जी - 17478/26 स्वच्छता ही सेवा

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी **भोपाल बाजार** विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें मो. 9407279644

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईट:- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड
आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल
मो. 7772079910

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद
सफेद दाग
चर्म रोग, पित्ते की पथरी, गुर्दे की पथरी
Timing 10:30 am to 8:00 pm
44 वर्षो का होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा का अनुभव
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें। M. 9425006131, 8871714432
5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंज़िल पुरानी कज़ियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
- व्यावस्थापक

हरिभूमि
आम सूचना, कोर्ट नोटिस, इश्तहार,जाहिर सूचना
@ Rs.1200/- साइज (फिक्स) 12X4 cm
अन्य साईज में @ Rs. 40 sq.cm
1 अप्रैल 2025 से लागू
बुकिंग के लिए संपर्क करें। मो. 9977912473

राशिफल

मेष मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। माता का सानिध्य मिलेगा। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं।

वृष आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है। आय में भी वृद्धि होगी। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे।

मिथुन आत्मसंयत रहें। आय में वृद्धि होगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें।

कर्क आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी परिवर्तन होगा। ऑफिस में उच्चाधिकारियों का सहयोग रहेगा।

सिंह मन परेशान रहेगा। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी पैतृक सम्पत्ति से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या परिवार का साथ मिलेगा। कुछ पुराने मित्रों से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी। भाइयों का सहयोग रहेगा।

तुला आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक कार्यों में अड़चनें आ सकती हैं।

वृश्चिक धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाहन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे।

धनु वाणी में मधुरता रहेगी। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। कार्यभार में भी वृद्धि होगी। धनलाभ के अवसर मिलेंगे।

मकर दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। नौकरी में विदेश जाना हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन परेशान हो सकता है। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं, परन्तु स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें।

मीन नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। खर्च भी बढ़ेंगे। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु संयत रहें।

शब्द पहेली - 6325

बाएँ से दाए-
1.सुरक्षित-4
4.माहुर,आलता-4
7.कार्य,काज-2
8.रांझे की प्रेमिका-2
9.स्याही,कालिख-2
10.भूमि,धरा-2
12.ठाठ-बाट-2
14.अधर,होठ-2
16.विशाल,श्रेष्ठ-3
18.आदेश,आज्ञा-4
20.कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23.काका की पत्नी-2
24.कामदेव की पत्नी-2
25.जनवासा,हरम-4
28.हमसफर-4
30.कपड़े धोने वाला-3
33.आनंद,मौज-2
35.संदेह-2
37.सरूर,खुमार-2
39.मृत्यु का देवता-2
41.पुण्य का विलोम-2
42.परछाई,छाया-2
43.शिव,रुद्र,शंकर-4
44.सराबोर,सना हुआ-4

ऊपर से नीचे
1.समान,एक जैसा-2
2.बारीक-3
3.भीगा हुआ-2
4.मेरा (संस्कृत-2)
5.पाना,प्राप्त-3
6.घोड़ागाड़ी,गाड़ी-2
7. कहवा-2
11.उद्देश्य-2
12.गजल लिखनेवाला-3
13.उस जगह-2
15.बारिश,वर्षा-3
16.जी,चित-2
17.मर्द,आदमी-2
18.दरवेश-3
19.मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21.साजन,प्रेमी-3
22.मुलायम-3
26.कायदा,कानून-3
27.महोदय (अंग्रेजी)-2
28.अधिकार-2
29.खटखटाना-3
31.जगत,दुनिया-2
32.प्राण,जीव-2
34.स्वाद-3
35.प्रतिज्ञा-3
36.शरीर,तन-2
38.संध्या,सांझ-2
40.अपशिष्ट पदार्थ-2
41.मस्तूल,नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42.संग,संगत-2

शब्द पहेली -6324 का हल

सूडोकु नवताल - 6335

★★★★☆ कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6334 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

दोस्त या रिश्तेदार की मदद पड़ेगी भारी

लोन में गारंटर बनने के कई नुकसान

बिजनेस डेस्क

दोस्त, रिश्तेदार या करीबी व्यक्ति मुश्किल समय में आर्थिक मदद मांगता है तो मना करना आसान नहीं होता। कई बार व्यक्ति खुद लोन लेने की स्थिति में होता है, लेकिन बैंक की शर्तों के कारण उसे गारंटर की जरूरत पड़ती है। ऐसे में भावनात्मक रिश्ते के कारण लोग बिना पूरी जानकारी लिए लोन गारंटर बनने के लिए तैयार हो जाते हैं, लेकिन गारंटर बनना महज एक औपचारिकता नहीं है। इसका अर्थ है कि यदि मुख्य उधारकर्ता अपनी देनदारी पूरी नहीं करता, तो गारंटी की शर्तों के अनुसार बैंक आपसे भी बकाया रकम की वसूली कर सकता है। इसलिए किसी के लोन की गारंटी देने से पहले यह समझना जरूरी है कि इससे आपके क्रेडिट रिकॉर्ड, भविष्य में लोन लेने की क्षमता और व्यक्तिगत वित्त पर क्या असर पड़ सकता है।

गारंटर बनने का मतलब क्या?

लोन में गारंटर वह व्यक्ति होता है जो बैंक या वित्तीय संस्थान को यह आश्वासन देता है कि यदि मुख्य उधारकर्ता अपनी जिम्मेदारी पूरी नहीं करता तो लागू गारंटी की शर्तों के अनुसार वह देनदारी पूरी करेगा। इसलिए किसी दस्तावेज पर सिर्फ इसलिए हस्ताक्षर नहीं करने चाहिए कि सामने वाला दोस्त या रिश्तेदार है। हस्ताक्षर करने से पहले यह समझना जरूरी है कि आप किस रकम, किस अवधि और किन शर्तों के लिए गारंटी दे रहे हैं।

गारंटर बनते ही क्रेडिट स्कोर घटता है

नहीं, केवल गारंटर बनने से अपने आप क्रेडिट स्कोर खराब होना जरूरी नहीं है। अगर मुख्य उधारकर्ता समय पर ईएमआई चुका रहा है और लोन खाते में कोई डिफॉल्ट नहीं हो रहा है, तो सामान्य तौर पर केवल गारंटर होने की वजह से आपके क्रेडिट रिकॉर्ड पर नकारात्मक असर नहीं पड़ता। लेकिन समस्या तब शुरू हो सकती है जब मुख्य उधारकर्ता ईएमआई चुकाने में लगातार चूक करता है। ऐसी स्थिति में लोन खाते से जुड़ी डिफॉल्ट जानकारी गारंटर के क्रेडिट प्रोफाइल को भी प्रभावित कर सकती है। लगातार भुगतान में चूक होने से भविष्य में आपकी क्रेडिट हिस्ट्री पर नकारात्मक असर पड़ने का जोखिम बढ़ सकता है। इसलिए गारंटर बनने के बाद भी लोन की स्थिति पर नजर रखना जरूरी है।

बड़ा खतरा : कर्ज चुकाने की जिम्मेदारी

गारंटर बनने का सबसे महत्वपूर्ण जोखिम आर्थिक है। यदि मुख्य उधारकर्ता लोन की किस्तें नहीं चुका पाता है तो बैंक या वित्तीय संस्थान गारंटी समझौते की शर्तों के अनुसार गारंटर से भी बकाया रकम की वसूली कर सकता है। यानी जिस लोन का पैसा आपने लिया ही नहीं, उसकी जिम्मेदारी कुछ परिस्थितियों में आपके ऊपर भी आ सकती है। यही वजह है कि गारंटर बनने से पहले यह सवाल खुद से जरूर पूछें। अगर सामने वाला व्यक्ति कल से ईएमआई देना बंद कर दे तो क्या मैं इस लोन की जिम्मेदारी संभाल सकता हूं? अगर इसका जवाब 'नहीं' है तो केवल रिश्तेदारी या दोस्ती के दबाव में गारंटर बनना जोखिम भरा हो सकता है।

लोन लेने में आ सकती है दिक्कत

गारंटर बनने का असर केवल क्रेडिट स्कोर तक सीमित नहीं है। जब आप भविष्य में होम लोन, कार लोन या कोई अन्य बड़ा कर्ज लेने के लिए आवेदन करते हैं तो बैंक आपकी मौजूदा वित्तीय जिम्मेदारियों और क्रेडिट प्रोफाइल का आकलन कर सकता है। जिस लोन की आपने गारंटी दी है, वह आपकी वित्तीय प्रोफाइल के आकलन में महत्वपूर्ण हो सकता है। खासकर यदि उस लोन में भुगतान संबंधी समस्या चल रही हो तो आपके लिए नया कर्ज लेना कठिन हो सकता है या बैंक अतिरिक्त जांच कर सकता है।

रिश्तेदार है तो भी पहले जांच करें

गारंटर बनने से पहले केवल रिश्ते को आधार न बनाएं। यह जानना जरूरी है कि जिस व्यक्ति के लोन की गारंटी आप दे रहे हैं, उसकी आय कितनी है, उसकी मौजूदा ईएमआई कितनी है और उस पर पहले से कितना कर्ज है। यह भी देखें कि उसकी नौकरी या कारोबार कितना स्थिर है। यदि उसकी आय अनिश्चित है या पहले से कई कर्ज चल रहे हैं तो गारंटर बनने का जोखिम बढ़ सकता है।

दस्तावेज पढ़े बिना न करें हस्ताक्षर

गारंटी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से पहले बैंक से स्पष्ट रूप से पूछें कि आपकी जिम्मेदारी की सीमा क्या है। क्या गारंटी केवल मूल रकम तक सीमित है या इसमें ब्याज, शुल्क और अन्य देनदारियां भी शामिल हो सकती हैं? यह जानकारी दस्तावेज की शर्तों से ही स्पष्ट होगी। इसलिए किसी बैंक कर्मचारी, एजेंट या परिचित के कहने मात्र पर दस्तावेज पर हस्ताक्षर न करें। जरूरत हो तो स्वतंत्र वित्तीय या कानूनी सलाह भी ली जा सकती है।

ईएमआई की जानकारी लेते रहें

अगर आपने किसी के लोन की गारंटी दी है तो यह मानकर न चलें कि अब आपकी कोई भूमिका नहीं है। मुख्य उधारकर्ता से समय-समय पर ईएमआई भुगतान की स्थिति की जानकारी लेते रहें। किसी भुगतान में देरी की जानकारी मिले तो समस्या बढ़ने से पहले उधारकर्ता से बात करें। शुरुआती स्तर पर समस्या का समाधान करना लंबे समय तक चलने वाले डिफॉल्ट से बेहतर है।

दोस्ती और पैसा, दोनों को अलग रखें

किसी करीबी की मदद करना अच्छी बात है, लेकिन मदद का अर्थ अपनी आर्थिक सुरक्षा को जोखिम में डालना नहीं होना चाहिए। यदि आपको लगता है कि सामने वाला व्यक्ति लोन चुकाने की स्थिति में नहीं है तो गारंटर बनने के बजाय अपनी क्षमता के अनुसार सीमित आर्थिक सहायता करना ज्यादा सुरक्षित विकल्प हो सकता है।

फैसला लेने से पहले ये जरूर पूछें

- क्या मैं इस व्यक्ति की आय और मौजूदा कर्ज को समझता हूं?
- अगर वह ईएमआई नहीं चुका पाया तो क्या मैं संभावित वित्तीय जिम्मेदारी संभाल सकता हूं?
- क्या मैंने गारंटी दस्तावेज की सभी शर्तें पढ़ी हैं?
- क्या भविष्य में मुझे खुद होम, कार या किसी दूसरे बड़े लोन की जरूरत पड़ सकती है?

मदद करें, लेकिन जोखिम समझकर

लोन गारंटर बनना दोस्त या रिश्तेदार की मदद करने का एक तरीका हो सकता है, लेकिन इसमें वित्तीय जोखिम भी जुड़ा है। समय पर ईएमआई चलती रहने पर समस्या नहीं आती, लेकिन मुख्य उधारकर्ता के डिफॉल्ट की स्थिति में गारंटर की क्रेडिट प्रोफाइल और आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है। इसलिए गारंटर बनने से पहले भावनात्मक रिश्ते से ज्यादा महत्वपूर्ण अपनी भुगतान क्षमता, दस्तावेज की शर्तें और भविष्य की वित्तीय जरूरतों को समझना है। किसी की मुश्किल में साथ देना अच्छी बात है, लेकिन ऐसी मदद न करें जो बाद में आपके ही परिवार की आर्थिक सुरक्षा को मुश्किल में डाल दे।

दस साल में चार लार्ज एंड मिड कैप फंड ने दिया शानदार रिटर्न

10 वर्ष में 4 लार्ज एंड मिड कैप फंड ने दिया शानदार रिटर्न, हर माह 10000 की एसआईपी से 12 लाख का निवेश 31 लाख से ज्यादा, चारों फंडों ने दिया 18 से 19% तक एक्सआईआरआर

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

लंबी अवधि में संपत्ति बनाने के लिए म्यूचुअल फंड की लार्ज एंड मिड कैप श्रेणी निवेशकों के लिए एक विकल्प हो सकती है। इस श्रेणी के फंड बड़ी और स्थापित कंपनियों के साथ मध्यम आकार की तेजी से बढ़ने वाली कंपनियों में निवेश करते हैं। नियमों के अनुसार, ऐसे फंडों को कम से कम 35 प्रतिशत राशि लार्ज कैप और 35 प्रतिशत मिड कैप कंपनियों में लगानी होती है। इस तरह कम से कम 70 प्रतिशत पोर्टफोलियो देश की बाजार पूंजीकरण के लिहाज से शीर्ष 250 कंपनियों में रहता है। 18 अगस्त 2026 को उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, चार लार्ज एंड मिड कैप फंड ऐसे रहे, जिनमें 10 साल तक हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करने पर कुल 12 लाख रुपये का निवेश बढ़कर 31 लाख रुपये से ज्यादा हो गया। इनमें सबसे बेहतर प्रदर्शन इनवेस्को इंडिया लार्ज एंड मिड कैप फंड का रहा, जिसने 19.3 प्रतिशत का एक्सआईआरआर दिया।

इनवेस्को इंडिया लार्ज एंड मिड कैप फंड

इस सूची में इनवेस्को इंडिया लार्ज एंड मिड कैप फंड पहले स्थान पर है। अगस्त 2007 में शुरू हुआ यह फंड पहले इनवेस्को इंडिया ग्रोथ अपॉर्च्युनिटीज फंड के नाम से जाना जाता था। फंड शेयरों का चयन करने के लिए ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर, दोनों तरह की रणनीति का इस्तेमाल करता है। इसमें किसी एक सेक्टर या निवेश शैली पर अत्यधिक निर्भरता नहीं रखी जाती। इस फंड में 10 साल तक हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करने पर कुल 12 लाख रुपये का निवेश बढ़कर करीब 33.2 लाख रुपये हो गया। इस आधार पर इसका एक्सआईआरआर 19.3 प्रतिशत रहा। फंड के प्रमुख निवेशों में इटरनल, मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट, इंटरग्लोब एविएशन, आईसीआईसीआई बैंक और प्रेस्टिज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, करीब 38.1 प्रतिशत निवेश लार्ज कैप, 35.9 प्रतिशत मिड कैप और 23.1 प्रतिशत स्मॉल कैप कंपनियों में था।

क्वांट लार्ज एंड मिड कैप फंड

दूसरे स्थान पर क्वांट लार्ज एंड मिड कैप फंड रहा। दिसंबर 2006 में शुरू हुआ यह फंड शेयरों के चयन में आंकड़ों पर आधारित रणनीति अपनाता है। फंड हाउस का वीएलआरटी ढांचा कंपनियों के मूल्यांकन, नकदी की उपलब्धता, जोखिम और निवेश के सही समय जैसे पहलुओं को ध्यान में रखता है। 10 साल तक हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करने पर कुल 12 लाख रुपये का निवेश बढ़कर करीब 31.3 लाख रुपये हो गया। इसका एक्सआईआरआर 18.3 प्रतिशत रहा। फंड के प्रमुख निवेशों में लॉयड्स मेटल्स एंड एनर्जी, ऑरोबिंदो फार्मा, संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल, अडानी एंटरप्राइजेज और अडानी ग्रीन एनर्जी शामिल रहे। पोर्टफोलियो में करीब 38.2 प्रतिशत लार्ज कैप, 33.1 प्रतिशत मिड कैप और 5.2 प्रतिशत स्मॉल कैप में निवेश था।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज एंड मिड कैप फंड

तीसरे स्थान पर आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज एंड मिड कैप फंड रहा। जुलाई 1998 में शुरू हुए इस फंड को 2018 में मौजूदा लार्ज एंड मिड कैप श्रेणी के अनुसार पुनर्गठित और नामित किया गया था। इसलिए 2018 से पहले के प्रदर्शन की मौजूदा रणनीति के साथ सीधे तुलना करना उचित नहीं होगा। 10 साल तक हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करने पर 12 लाख रुपये का निवेश बढ़कर करीब 31.1 लाख रुपये हो गया। इसका एक्सआईआरआर 18.1 प्रतिशत रहा। फंड का निवेश बड़ी स्थापित कंपनियों के साथ उभरती कंपनियों में भी है। यह अपेक्षाकृत मजबूत बुनियादी स्थिति वाली और उचित मूल्यांकन वाली कंपनियों पर ध्यान देता है। इसके प्रमुख निवेशों में एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज, इंटरग्लोब एविएशन, बजाज फिनसर्व, सोना बीएलडब्ल्यू प्रिसिजन फोर्जिंग्स और इंडसइंड बैंक शामिल रहे।

बंधन लार्ज एंड मिड कैप फंड

चौथे स्थान पर बंधन लार्ज एंड मिड कैप फंड रहा। अगस्त 2005 में शुरू हुआ यह फंड पहले बंधन कोर इक्विटी फंड और उससे पहले आईडीएफसी कोर इक्विटी फंड के नाम से जाना जाता था। इसका उद्देश्य अच्छी तरह संचालित और टिकाऊ कारोबार वाली ऐसी कंपनियों में निवेश करना है, जिनके शेयर उचित मूल्यांकन पर उपलब्ध हों। इसमें 10 साल तक हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करने पर 12 लाख रुपये का कुल निवेश बढ़कर करीब 31.1 लाख रुपये हो गया। इसका एक्सआईआरआर 18.1 प्रतिशत रहा। फंड के प्रमुख निवेशों में एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, वन97 कम्युनिकेशंस और इंफोसिस शामिल रहे। पोर्टफोलियो में करीब 39.4 प्रतिशत लार्ज कैप, 36.2 प्रतिशत मिड कैप और 18.6 प्रतिशत स्मॉल कैप कंपनियों में निवेश था।

सिर्फ रिटर्न देखकर निवेश न करें

इन फंडों के 10 साल के आंकड़े आकर्षक जरूर हैं, लेकिन केवल पिछले प्रदर्शन के आधार पर निवेश का फैसला करना उचित नहीं है। लार्ज एंड मिड कैप फंड में मिड कैप कंपनियों का पर्याप्त हिस्सा होता है। इसलिए शेयर बाजार में बड़ी गिरावट आने पर इन फंडों में भी तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। निवेशकों को फंड का प्रदर्शन अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में देखना चाहिए। यह देखना जरूरी है कि फंड ने अपने बेंचमार्क और समान श्रेणी के दूसरे फंडों की तुलना में कितनी निरंतरता दिखाई है। इसके अलावा फंड की निवेश रणनीति, पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, जोखिम और खर्च जैसे पहलुओं को भी समझना चाहिए।

निवेश के ये फॉर्मूले, अपनाएं कभी नहीं रहेगा पैसे का संकट

जानकारी

बिजनेस डेस्क

रूल ऑफ 72, 114 और 144 कंपाउंडिंग को समझने के आसान तरीके हैं, जबकि 50-30-20, 100 माइनस एज और 10 फीसदी निवेश जैसे नियम व्यक्तिगत वित्त को व्यवस्थित करने में मदद कर सकते हैं। लेकिन किसी भी नियम को अंतिम निवेश सलाह नहीं माना जाना चाहिए। सही रणनीति बनाने के लिए निवेशक को अपनी आय, उम्र, जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्य, कर्ज और निवेश की अवधि को ध्यान में रखना चाहिए। सबसे जरूरी बात यह है कि पहले इमरजेंसी फंड और पर्याप्त बीमा जैसी वित्तीय सुरक्षा तैयार करें, फिर लक्ष्य के मुताबिक नियमित और अनुशासित निवेश करें। निवेश में जल्द अमीर बनने के बजाय लंबे समय तक टिके रहना ज्यादा महत्वपूर्ण है।

पैसे को दोगुना से चार गुना तक आसानी से कर सकेंगे

•

इमरजेंसी फंड व इक्विटी डेट का संतुलन बनाएंगे

निवेश की दुनिया में विकल्पों की कोई कमी नहीं है। बैंक एफडी, बॉन्ड, म्यूचुअल फंड, इक्विटी, डेट और सोने जैसे कई माध्यमों में पैसा लगाया जा सकता है। लेकिन निवेश में सफलता केवल इस बात पर निर्भर नहीं करती कि पैसा कहां लगाया गया है, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि कितनी राशि निवेश की जा रही है, कितने समय के लिए निवेश किया जा रहा है और जोखिम को किस तरह नियंत्रित किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से वित्तीय योजना में कुछ आसान नियमों का इस्तेमाल किया जाता है। इन नियमों की मदद से निवेशक मोटे तौर पर यह समझ सकता है कि उसका पैसा कितने समय में दोगुना या चार गुना हो सकता है, आय का कितना हिस्सा खर्च और बचत में जाना चाहिए तथा इमरजेंसी के लिए कितनी रकम अलग रखनी जरूरी है। हालांकि ये नियम अनुमान देने वाले सामान्य वित्तीय फॉर्मूले हैं, इन्हें निश्चित रिटर्न की गारंटी नहीं माना जाना चाहिए।

1. रूल ऑफ 72

रूल ऑफ 72 का इस्तेमाल यह अनुमान लगाने के लिए किया जाता है कि किसी निवेश को दोगुना होने में लगभग कितना समय लग सकता है। इसके लिए 72 को अनुमानित सालाना रिटर्न से भाग दिया जाता है।

फॉर्मूला: 72 ÷ अनुमानित रिटर्न = पैसा दोगुना होने का अनुमानित समय

उदाहरण के लिए, अगर किसी निवेश से सालाना 12 फीसदी रिटर्न मिलने की उम्मीद है तो 72÷12 = 6। यानी अनुमान के तौर पर पैसा करीब छह साल में दोगुना हो सकता है। इसी तरह चार साल में पैसा दोगुना करने के लिए करीब 18 फीसदी सालाना रिटर्न की जरूरत होगी। बाजार आधारित निवेश में वास्तविक रिटर्न अलग हो सकता है।

2. रूल ऑफ 114

अगर आप यह जानना चाहते हैं कि आपका निवेश लगभग कितने समय में तीन गुना हो सकता है तो रूल ऑफ 114 इस्तेमाल किया जाता है।

फॉर्मूला: 114 ÷ अनुमानित सालाना रिटर्न

12 फीसदी अनुमानित सालाना रिटर्न के मामले में 114÷12 = 9.5 साल। यानी इस फॉर्मूले के अनुसार निवेश को तीन गुना होने में करीब साढ़े नौ साल लग सकते हैं।

3. रूल ऑफ 144

रूल ऑफ 144 से यह अनुमान लगाया जाता है कि निवेश कितने समय में चार गुना हो सकता है।

फॉर्मूला: 144 ÷ अनुमानित सालाना रिटर्न

अगर अनुमानित रिटर्न 12 फीसदी सालाना है तो 144÷12 = 12 साल। यानी इस गणना के अनुसार पैसा करीब 12 साल में चार गुना हो सकता है। कंपाउंडिंग का असर लंबी अवधि में निवेश की वृद्धि को काफी प्रभावित करता है।

4. 50-30-20 रूल

मासिक बजट को व्यवस्थित रखने के लिए 50-30-20 नियम काफी लोकप्रिय है। इसके अनुसार आय का करीब 50 फीसदी हिस्सा जरूरी खर्चों, 30 फीसदी गैर-जरूरी जरूरतों या इच्छाओं और 20 फीसदी बचत एवं निवेश के लिए रखा जा सकता है।

हालांकि हर व्यक्ति की आय, पारिवारिक जिम्मेदारियां और खर्च अलग होते हैं। इसलिए इसे एक शुरुआती बजटिंग फ्रेमवर्क की तरह इस्तेमाल करना बेहतर है। जिन लोगों पर कर्ज का बोझ अधिक है, वे निवेश से पहले महंगे कर्ज को कम करने पर भी ध्यान दे सकते हैं।

5. 100 माइनस एज रूल

निवेश पोर्टफोलियो में इक्विटी और डेट का अनुपात तय करने के लिए 100 माइनस एज नियम का इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसमें निवेशक की उम्र को 100 से घटाया जाता है। बची हुई संख्या को इक्विटी में निवेश का संभावित प्रतिशत माना जाता है। मसलन, 30 साल के निवेशक के लिए 100-30 यानी 70 फीसदी इक्विटी और 30 फीसदी डेट का अनुपात माना जा सकता है। उम्र बढ़ने के साथ इक्विटी का हिस्सा कम करने का विचार जोखिम को नियंत्रित करने से जुड़ा है।

6. न्यूनतम 10% निवेश नियम

इस नियम के अनुसार आय का कम से कम 10 फीसदी हिस्सा लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए निवेश किया जा सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात नियमित निवेश है। आय बढ़ने के साथ निवेश की रकम भी बढ़ाते रहना चाहिए। मसलन, अगर किसी व्यक्ति की मासिक आय 50 हजार रुपये है तो शुरुआत में कम से कम 5 हजार रुपये लंबी अवधि के निवेश के लिए अलग रखे जा सकते हैं। भविष्य में वेतन बढ़ने पर निवेश राशि बढ़ाने से कंपाउंडिंग का लाभ और मजबूत हो सकता है।

7. इमरजेंसी फंड रूल

सारी बचत को निवेश कर देना समझदारी नहीं है। अचानक नौकरी जाने, बीमारी, घर की मरम्मत या किसी अन्य आपात स्थिति में तुरंत उपलब्ध पैसे की जरूरत पड़ सकती है। इसलिए कम से कम छह महीने के जरूरी खर्चों के बराबर इमरजेंसी फंड बनाने की सलाह दी जाती है। अगर किसी परिवार का जरूरी मासिक खर्च 40 हजार रुपये है तो छह महीने के हिसाब से करीब 2.4 लाख रुपये का आपातकालीन फंड लक्ष्य बनाया जा सकता है। इस रकम को ऐसे माध्यम में रखना बेहतर होता है जहां जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से उपलब्ध हो।

पैसा सुरक्षित दिखने के बावजूद कम रिटर्न देने वाला निवेश कर सकता है नुकसान

पोर्टफोलियो में पड़ा 'डेड मनी' कहीं आपकी कमाई तो नहीं रोक रहा?

पहचानें और समय रहते लें फैसला इससे परेशानी से बचा जा सकेगा

अलर्ट

बिजनेस डेस्क

निवेश करते समय ज्यादातर लोग इस बात पर ध्यान देते हैं कि उनका पैसा डूब तो नहीं रहा। लेकिन केवल मूल रकम सुरक्षित रहना ही अच्छे निवेश की निशानी नहीं है। अगर आपका पैसा लंबे समय तक ऐसे निवेश में फंसा हुआ है, जो मामूली या लगभग शून्य रिटर्न दे रहा है, तो वह देखने में सुरक्षित होने के बावजूद आपकी संपत्ति बढ़ाने की क्षमता को कमजोर कर सकता है। निवेश की दुनिया में ऐसे निवेश को आमतौर पर 'डेड मनी' कहा जाता है। 'डेड मनी' का मतलब किसी ऐसे निवेश से है, जिसमें पैसा लगा हुआ है, लेकिन लंबे समय से उस पर अपेक्षित वृद्धि नहीं हो रही। जरूरी नहीं कि ऐसे निवेश में निगेटिव रिटर्न ही मिल रहा हो। कई बार निवेश का मूल्य थोड़ा बढ़ता है, लेकिन महंगाई और दूसरे समान निवेशों के मुकाबले उसका प्रदर्शन इतना कमजोर होता है कि पैसा प्रभावी रूप से निष्क्रिय पड़ा रहता है।

कैसे पहचानें डेड मनी?

हर कमजोर प्रदर्शन करने वाले फंड को तुरंत बेच देना सही रणनीति नहीं है। बाजार में अलग-अलग समय पर अलग-अलग कैटेगरी का प्रदर्शन बदलता रहता है। इसलिए किसी निवेश को डेड मनी मानने से पहले कुछ महत्वपूर्ण संकेतों को देखना चाहिए। पहला संकेत है लंबी अवधि तक कमजोर प्रदर्शन। अगर कोई फंड लगातार कई तिमाहियों तक कमजोर बना हुआ है और उसके प्रदर्शन में सुधार के संकेत नहीं मिल रहे हैं, तो इसकी समीक्षा जरूरी है। केवल एक-दो खराब तिमाही के आधार पर फैसला नहीं लेना चाहिए। दूसरा संकेत है समान कैटेगरी के फंडों से लगातार पिछड़ना। अगर आपके फंड की कैटेगरी के दूसरे फंड लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं और आपका फंड लंबे समय तक पीछे बना हुआ है, तो यह चिंता का कारण हो सकता है। तीसरा संकेत है निवेश रणनीति में बदलाव। अगर फंड की रणनीति, फंड मैनेजर, पोर्टफोलियो या जोखिम प्रोफाइल में बड़ा बदलाव हुआ है तो यह देखना जरूरी है कि मौजूदा निवेश अभी भी आपके लक्ष्य के अनुकूल है या नहीं।

4 से 8 क्वार्टर का संकेत क्यों महत्वपूर्ण

एक्सपर्ट के मुताबिक करीब 4 से 8 क्वार्टर, यानी लगभग एक से दो साल तक लगातार कमजोर प्रदर्शन करने वाले निवेश की गंभीर समीक्षा की जानी चाहिए। खासकर तब, जब इसी अवधि में समान कैटेगरी के दूसरे फंड लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हों। हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि आठ क्वार्टर पूरे होते ही फंड बेच देना चाहिए। निवेशक को फंड के बेंचमार्क, कैटेगरी के औसत प्रदर्शन, जोखिम, पोर्टफोलियो में बदलाव और अपने निवेश लक्ष्य को भी देखना चाहिए।

सिर्फ रिटर्न देखकर न बेचें निवेश

कम रिटर्न दिखते ही निवेश से बाहर निकलना भी नुकसानदायक हो सकता है। किसी इक्विटी फंड का प्रदर्शन बाजार के चक्र के कारण कुछ समय कमजोर रह सकता है। इसलिए फैसला लेते समय यह समझना जरूरी है कि कमजोरी अस्थायी है या फंड की रणनीति और प्रदर्शन में वास्तविक समस्या है। साथ ही, निवेश बेचने पर टैक्स और एग्जिट लोड जैसे पहलुओं को भी ध्यान में रखना चाहिए। नए निवेश विकल्प का चयन भी केवल पिछले रिटर्न के आधार पर नहीं होना चाहिए।

पोर्टफोलियो की समय समय पर करें समीक्षा

'डेड मनी' से बचने का सबसे अच्छा तरीका है कि पोर्टफोलियो को लंबे समय तक बिना देखे न छोड़ें। साल में कम से कम एक या दो बार निवेश की समीक्षा की जा सकती है। इसमें यह देखना चाहिए कि कौन सा निवेश लक्ष्य के मुताबिक प्रदर्शन कर रहा है, कौन लगातार पिछड़ रहा है और क्या पोर्टफोलियो में जोखिम का संतुलन बना हुआ है। निवेश का उद्देश्य सिर्फ पैसा सुरक्षित रखना नहीं, बल्कि उसे अपने वित्तीय लक्ष्यों के मुताबिक बढ़ाना भी है। इसलिए किसी निवेश में पैसा सिर्फ इस वजह से नहीं पड़ा रहना चाहिए कि उसमें नुकसान दिखाई नहीं दे रहा। अगर पैसा लगातार अपेक्षा से कम बढ़ रहा है, तो उसकी अवसर लागत भी वास्तविक नुकसान है। इसलिए पोर्टफोलियो में मौजूद हर निवेश से समय-समय पर यह सवाल पूछना जरूरी है। क्या यह पैसा मेरे लिए काम कर रहा है या सिर्फ पड़ा हुआ है? यही सवाल आपको 'डेड मनी' पहचानने और बेहतर वित्तीय फैसले लेने में मदद कर सकता है।

मूल पैसा सुरक्षित फिर भी नुकसान

मान लीजिए आपके पास एक लाख रुपये हैं और आपने उन्हें ऐसे फंड में लगा रखा है, जो लंबे समय तक बहुत कम रिटर्न दे रहा है। एक-दो साल बाद भी अगर आपकी रकम लगभग उतनी ही है, तो पहली नजर में लग सकता है कि आपको कोई नुकसान नहीं हुआ। लेकिन इसी अवधि में बाजार के दूसरे समान फंडों ने बेहतर प्रदर्शन किया हो तो आपका पैसा वहां ज्यादा बढ़ सकता था। यहीं 'अपॉर्चुनिटी कॉस्ट' सामने आती है। यानी जिस निवेश में आपका पैसा अटका रहा, उसकी वजह से आप बेहतर रिटर्न वाले दूसरे अवसर का फायदा नहीं उठा पाए। इसलिए निवेश में केवल यह देखना पर्याप्त नहीं है कि पैसा घटा या बढ़ा, बल्कि यह भी देखना जरूरी है कि वह आपके लक्ष्य के मुताबिक पर्याप्त गति से बढ़ रहा है या नहीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लालकिले की ऐतिहासिक प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए 'दिमागी नक्सल' शब्द का प्रयोग किया। अब सवाल उठाए जा रहे हैं कि पीएम किन लोगों को 'दिमागी नक्सल' के नाम से पुकारना चाहते हैं और क्या सच में देश की शांति को इनसे किसी किस्म का खतरा है? क्या मोदी सरकार इस शब्द के माध्यम से अपनी आलोचना करने वाले लोगों पर शिकंजा कसना चाहती है और अभिव्यक्ति की आजादी छीनना चाहती है? जहां एक ओर एनडीए सरकार के प्रयासों से बंदूकधारी नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है, वहीं विपक्षी नेताओं द्वारा इस शब्दावली को स्वयं पर ओढ़ना उनकी वैचारिक दिशा पर सवाल खड़े करता है। यह शब्द जितना भारी है, इसके पीछे की राजनीति उतनी ही गहरी और मानवीय संवेदनाओं को झकझोरने वाली है। आज का युवा और उसके नए तरीके के आंदोलन वाकई व्यवस्था को असहज कर रहे हैं और इसी कारण येन-केन-प्रकारेण विरोध की हर आवाज को कुचलने की कोशिश की जा रही है। नक्सलवाद, अपने मूल रूप में, बंदूक और हिंसा के रास्ते सत्ता को उखाड़ फेंकने की एक विचारधारा रही है। लेकिन दिमागी नक्सल एक बिल्कुल नई गढ़ी हुई शब्दावली है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

अब हर शब्द के लिए बुना जाता है जाल

विश्लेषण

डॉ. चन्द्र त्रिखा
वरिष्ठ स्तंभकार

> **प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए 'दिमागी नक्सल' शब्द का प्रयोग किया तो इसने पूरे देश के राजनीतिक, सामाजिक और बौद्धिक विमर्श में एक नई और गहरी बहस को जन्म दे दिया। यह मात्र एक राजनीतिक शब्दावली का प्रयोग नहीं था बल्कि भारतीय समाज के भीतर पनप रही एक अदृश्य, सूक्ष्म और कहीं अधिक जटिल चुनौती की ओर किया गया एक अत्यंत गंभीर इशारा था। दशकों से हमारे देश ने जंगलों, बीहड़ों और दुर्गम पहाड़ियों में पनपने वाले उस हथियारबंद नक्सलवाद का सामना किया है जिसने सीधे तौर पर बंदूक के दम पर भारतीय राज्य व्यवस्था और लोकतांत्रिक ढांचे को चुनौती दी थी। आज जब सशस्त्र नक्सलवाद अपने अंतिम दौर में है, तब एक नए प्रकार के खतरे ने समाज में अपनी जड़ें फैलानी शुरू कर दी हैं।**

नक्सलवाद क्या था? नक्सलबाड़ी कहां थी? इस 'शब्द' की शुरुआत कहां से हुई? ये चारू मजूमदार, कानू सन्याल आदि कौन थे, इन प्रश्नों के उत्तर शायद उनके पास भी नहीं, जो आज प्रधानमंत्री के स्वाधीनता-दिवस सम्बोधन को लेकर लम्बे-चौड़े बयान दागने में व्यस्त हैं। अब कुछ लोगों को स्वयं को 'दिमागी नक्सल' कहलाने में भी गर्व हो रहा है। हमारे देश में अब किन्हीं भी शब्दों को लेकर बहस-मुबाहसा एक 'राष्ट्रीय हॉबी' बन चला है। भारत के स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर लाल किले की ऐतिहासिक प्राचीर से जब प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए 'दिमागी नक्सल' शब्द का प्रयोग किया तो इसने पूरे देश के राजनीतिक, सामाजिक और बौद्धिक विमर्श में एक नई और गहरी बहस को जन्म दे दिया। यह मात्र एक राजनीतिक शब्दावली का प्रयोग नहीं था बल्कि भारतीय समाज के भीतर पनप रही एक अदृश्य, सूक्ष्म और कहीं अधिक जटिल चुनौती की ओर किया गया एक अत्यंत गंभीर इशारा था। दशकों से हमारे देश ने जंगलों, बीहड़ों और दुर्गम पहाड़ियों में पनपने वाले उस हथियारबंद नक्सलवाद का सामना किया है जिसने सीधे तौर पर बंदूक के दम पर भारतीय राज्य व्यवस्था और लोकतांत्रिक ढांचे को चुनौती दी थी। हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाबलों के जवानों ने इस हिंसक वामपंथी उग्रवाद की कीमत अपनी जान देकर चुकाई है। आज, जब सुरक्षा बलों के अदम्य साहस, लगातार चलाए गए अभियानों और विकास की पहुंच के कारण वह हिंसक और सशस्त्र नक्सलवाद अपने अंतिम प्रहर की ओर बढ़ रहा है, तब एक नए प्रकार के खतरे ने समाज में अपनी जड़ें फैलानी शुरू कर दी हैं। प्रधानमंत्री का यह वक्तव्य उसी नए खतरे के प्रति देश को आगाह करने का एक प्रयास था, जो बंदूकों से नहीं बल्कि संवाद, विचारों, लेखनी और विमर्श के माध्यम से हमारे समाज के ताने-बाने को भीतर से भेदने का प्रयास कर रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि आखिर सत्ता के शीर्ष पर बैठे प्रधानमंत्री किन लोगों को 'दिमागी नक्सल' के नाम से पुकारना चाहते हैं और इनका वास्तविक स्वरूप क्या है।

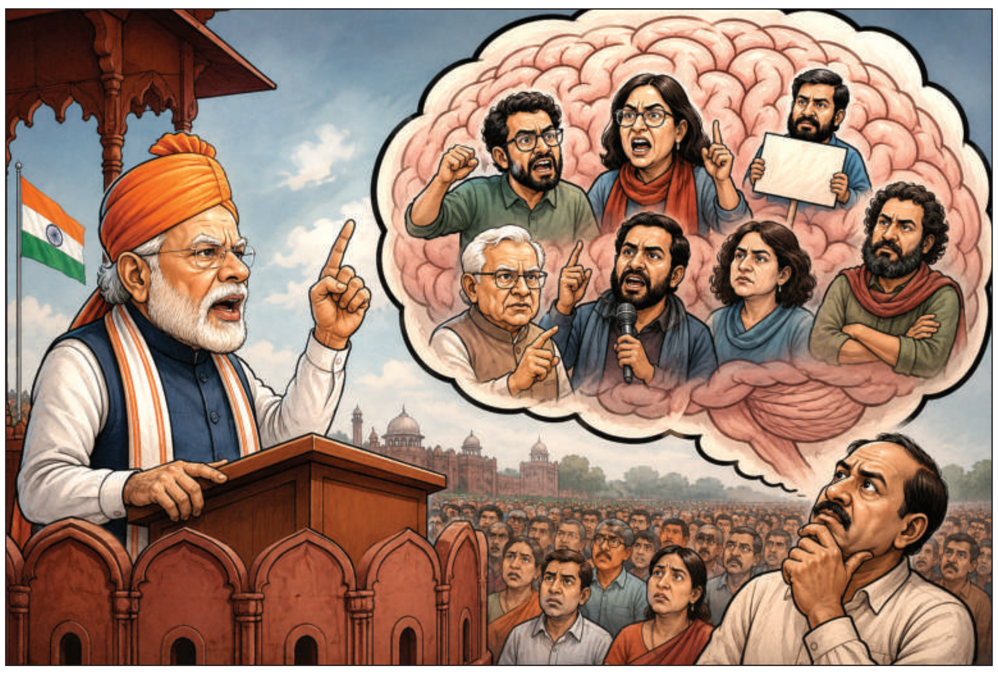

नकारात्मक 'नैरेटिव'

'दिमागी नक्सल' को यदि इसके गहरे अर्थों में समझा जाए तो यह शब्द, जिन्हें अक्सर वैचारिक नक्सली या 'अर्बन नक्सल' भी कहा जाता है, वे लोग हैं जो कभी प्रत्यक्ष रूप से हाथों में हथियार नहीं उठाते। ये लोग जंगलों में छिपकर पुलिस से मुठभेड़ नहीं करते बल्कि ये हमारे समाज के सबसे सुरक्षित और प्रतिष्ठित हिस्सों में रहते हैं। ये अक्सर समाज के प्रबुद्ध वर्गों- जैसे विश्वविद्यालयों के परिसरों, मानवाधिकार संगठनों, साहित्य, कला और मीडिया के क्षेत्रों-में एक सम्मानित चोले के भीतर छिपे हो सकते हैं। इनका मुख्य हथियार इनकी लेखनी, इनका प्रभावशाली भाषण, इनका अकादमिक शोध और संवाद की वह आकर्षक शैली है, जिसके जरिए ये बहुत ही चतुराई से स्थापित लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं, संवैधानिक संस्थाओं और राष्ट्रीय एकता के खिलाफ एक निरंतर नकारात्मक 'नैरेटिव' या विमर्श तैयार करते हैं। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के दृष्टिकोण से देखें तो इन दिमागी नक्सलियों का मुख्य लक्ष्य देश की युवा पीढ़ी, विशेषकर छात्रों के भावुक मस्तिष्कों को अपना निशाना बनाना है जो दुनिया को बदलने का आदर्शवादी सपना देखते हैं। ये वैचारिक तत्व समाज की वास्तविक समस्याओं को सुलझाने के बजाय युवाओं के भीतर अपने ही देश, संस्कृति और अपनी ही लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति नफरत, आक्रोश और गहरे अविश्वास के बीज बोते हैं।

न्यायपूर्ण व्यवस्था का निर्माण जरूरी

एक स्वस्थ, परिपक्व और विकासशील लोकतंत्र में सरकार से कड़े सवाल पूछना, उसकी जनविरोधी नीतियों की तीखी आलोचना करना और कमजोर तथा शोषित वर्गों के अधिकारों के लिए सड़क पर उतरकर शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराना कोई अपराध नहीं है बल्कि यह एक जागरूक नागरिक का परम कर्तव्य है। मानवाधिकारों की रक्षा के लिए खड़े होने वाले हर व्यक्ति या विश्वविद्यालयों में बौद्धिक बहस करने वाले हर छात्र को संदेह की दृष्टि से देखना और उसे नक्सलवाद का चोला पहना देना स्वयं लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ हो सकता है। यदि असहमति को राष्ट्रद्रोह मान लिया गया तो समाज की सोचने-समझने की शक्ति क्षीण हो जाएगी और एक डर का माहौल पैदा होगा, जो अंततः देश के मानसिक और बौद्धिक विकास को ही पूरी तरह से अवरुद्ध कर देगा। इस पूरे विमर्श को एक बेहद संतुलित, तार्किक और मानवीय नजरिए से देखने की आवश्यकता है। हमें उन विघटनकारी ताकतों, छद्म विचारकों और विदेशी इशारों पर काम करने वाले उन तत्वों को पहचानकर कानून के दायरे में रोकना नितांत आवश्यक है जो हमारे युवाओं के भविष्य और देश की शांति के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। हमें एक ऐसी न्यायपूर्ण व्यवस्था का निर्माण करना होगा, जहां राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर किसी निर्दोष या सवाल पूछने वाले नागरिक का उत्पीड़न न हो और अभिव्यक्ति की आज़ादी के नाम पर कोई भी हमारे राष्ट्र की शांति को आग न लगा सके। यही वह संतुलन है जो भारत को भविष्य में एक सशक्त, सुरक्षित और सही अर्थों में एक विचारशील राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करेगा।

प्रत्यक्ष युद्ध से अधिक खतरनाक

अब हम उस सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील सवाल पर आते हैं कि क्या सचमुच में देश की शांति, सुरक्षा और अखंडता को इन लोगों से किसी किस्म का कोई गंभीर खतरा है? इस प्रश्न को लेकर समाज में दो अलग-अलग और बेहद स्पष्ट दृष्टिकोण मौजूद हैं, जिन्हें समझे बिना इस विषय का पूरा सच नहीं जाना जा सकता। यदि हम राष्ट्रीय सुरक्षा और सरकार के नजरिए से इस खतरे का मूल्यांकन करें तो यह खतरा न केवल वास्तविक है, बल्कि किसी भी हथियारबंद विद्रोह से कहीं अधिक विनाशकारी है। किसी भी महान राष्ट्र की नींव केवल उसकी भौगोलिक सीमाओं या सेना की ताकत पर नहीं टिकी होती बल्कि वह नींव उसके नागरिकों के आपसी प्रेम, सामंजस्य और अपनी न्याय व्यवस्था पर उनके अटूट विश्वास में निहित होती है। यदि कोई ऐसा संगठित और वैचारिक समूह निरंतर देश के विकास, उसकी सांस्कृतिक विरासत और उसकी लोकतांत्रिक संस्थाओं के खिलाफ काम करता है तो वह बिना एक भी गोली चला, देश को भीतर से पूरी तरह खोखला कर सकता है। हमारे समाज में जाति, धर्म और भाषा की जो प्राकृतिक विविधताएं हैं, ये तत्व उन्हें खाई में बदलने का प्रयास करते हैं। युवाओं को गुमराह करके उन्हें अलगाववाद या अराजकता के अंधे कुएं में धकेलना किसी भी प्रत्यक्ष युद्ध से अधिक खतरनाक साबित हो सकता है।

सरकार की नीतियों से असहमति

यह एक धीमा जहर है जो समाज की नसों में इस तरह घोला जाता है कि बीमार होने वाले को अपनी बीमारी का अहसास तक नहीं होता। जब विदेशी मंचों पर देश की छवि को जानबूझकर धूमिल किया जाता है, जब विकास की हर परियोजना को पर्यावरण या अधिकारों के नाम पर रोकने की साजिश रची जाती है, तो निश्चित रूप से यह देश की शांति और आर्थिक सुरक्षा के लिए एक बहुत बड़ा और गंभीर खतरा बन जाता है। हालांकि, इस विमर्श का एक दूसरा और उतना ही महत्वपूर्ण तथा मानवीय पहलू भी है जो सीधे तौर पर हमारे जीवंत लोकतंत्र की सेहत और आम नागरिकों की स्वतंत्रता से जुड़ा हुआ है। आलोचकों, स्वतंत्र विचारकों, पत्रकारों और नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं की यह एक बहुत ही गहरी और वाजिब चिंता है कि 'दिमागी नक्सल' या 'अर्बन नक्सल' जैसे शब्दों की हमारे संविधान या दंड संहिता में कोई स्पष्ट कानूनी या अकादमिक परिभाषा मौजूद नहीं है। जब किसी अपराध या गतिविधि की कोई स्पष्ट सीमा रेखा नहीं होती तो इस बात का डर हमेशा और बहुत मजबूती से बना रहता है कि कहीं इस भारी-भरकम शब्द का इस्तेमाल सत्ता द्वारा उन तमाम लोकतांत्रिक आवाजों को डराने, धमकाने या कुचलने के लिए न किया जाए, जो केवल व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे हैं या सरकार की नीतियों से तार्किक रूप से असहमत हैं।

चुनी हुई सरकार से सवाल करना नागरिक का अधिकार

बहस

चरणजीत चरण
स्वतंत्र पत्रकार

लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष के बीच सत्ता प्राप्ति की चाहत में निरंतर एक संघर्ष और विमर्श चलता रहना है और चलता भी रहना चाहिए। इसी से लोकतंत्र की सेहत दुरुस्त रहती है क्योंकि इसी संघर्ष से चुनावी वादे और नैरेटिव का जन्म होता है। लोकतंत्र में अगर विपक्ष निष्क्रिय हो जाएगा तो सत्ता को राजशाही में बदलने से कोई नहीं रोक सकता। इधर सत्ता में बैठी हुई पार्टी भी अपनी सत्ता को बनाए रखने की कोशिश में नारे और नैरेटिव का खेल खेलती है। इसी नैरेटिव को गढ़ने की कोशिश में नए शब्द गढ़े जाते हैं। शब्दों की इसी श्रृंखला में कई वर्ष पहले 'अर्बन नक्सल' एक शब्द आया था। अब इसी अर्बन नक्सल को और थोड़ा परिष्कृत करके प्रधानमंत्री के द्वारा लाल किले की प्राचीर से एक नया शब्द 'दिमागी नक्सल' का प्रयोग हुआ। इस शब्द के प्रयोग के बाद उसकी व्याख्या शुरू हुई, वाद-विवाद हुए, अर्थ-अनर्थ निकाले गए। इस तरह एक शब्द को लेकर एक नई बहस शुरू हो गई।

विपक्ष के लोगों ने 'दिमागी नक्सल' शब्द को अपनी परिभाषा दी है, जो भी सत्ता से सवाल पूछेगा उसको 'दिमागी नक्सल' बोला जाएगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था मत देने वाले हर व्यक्ति को यह अधिकार देती है कि वह अपनी चुनी हुई सरकार से सवाल करे। इन सवालों की प्रासंगिकता उस वक्त और बढ़ जाती है जब व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर परेशानियां निरंतर बढ़ने लगती हैं और उनके समाधान नहीं ढूंढे जाते हैं। देश में पिछले कई वर्षों से पेपर लीक एक बड़ी समस्या बनकर उभरा है। पेपर लीक के इन मामलों में कई रसूखदार लोग भी पकड़े गए, लेकिन समस्या खत्म होने के बजाए और बढ़ती गई। आखिर देश की युवा पीढ़ी का गुस्सा आग बनकर सड़कों पर उतरा जिसने हिंसा का रूप ले लिया। कई सुरक्षाकर्मी घायल हुए जो नहीं होने चाहिए थे। सरकार में शीर्ष पदों पर बैठे हुए लोगों के लिए अपमानजनक भाषा का प्रयोग हुआ जो नहीं होना चाहिए था। इसी संदर्भ में सत्ता और विपक्ष दोनों तरफ से कुछ नए नैरेटिव गढ़े गए और नए शब्दों का भी प्रयोग हुआ, इसलिए सवाल भी दोनों तरफ उठते हैं। क्या सत्ता से सवाल पूछना अपराध है या सरकार के किसी कृत्य का विरोध करना गुनाह है या सवाल पूछने वालों को प्रभावहीन बताकर उनकी उपेक्षा करना उचित है। बहुत आवश्यक है कि लोकतंत्र में सागर की तरह हलचल होती रहनी चाहिए। दूसरी तरफ विपक्ष का भी यह धर्म है कि वह अपनी बंदूक समाज के किसी ऐसे वर्ग के कंधों पर न रखे, जो मासूम हो। जंतर-मंतर पर होने वाले छात्र आंदोलन के माध्यम से जो कुछ हुआ, वह विरोध कम संघर्ष अधिक था। शीर्ष पर बैठे लोगों के लिए जिस तरह के अपशब्दों का प्रयोग किया गया, वह किसी भी सभ्य समाज में जायज नहीं ठहराया जा सकता। शायद इसी को काउंटर करने के लिए प्रधानमंत्री को 'दिमागी नक्सल' शब्द का प्रयोग करना पड़ा। 'अर्बन नक्सल' से दिमागी नक्सल तक की ये शाब्दिक यात्रा अनायास नहीं है। इसके पीछे भी बहुत सारे तर्क हैं। केवल जंतर-मंतर के आंदोलन से इसे जोड़ना ठीक नहीं होगा। भारत के ऐसे भूभाग जिसमें बंगाल, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र तक नक्सलवाद का प्रभाव रहा है। इसमें छत्तीसगढ़ तो नक्सलवाद के केंद्र के रूप में उभरा है। लेकिन गृह मंत्रालय और भारतीय सशस्त्र बलों के अथक प्रयास के पश्चात देश के सभी हिस्सों से नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त हो चुका है। अब सरकार को चिंता इस बात की है कि इसी विचारधारा से प्रभावित लोग कहीं फिर से युवाओं के मन में इस विचार का बीजारोपण न कर दें। इसी को लेकर सरकार की चिंताएं बहुत हद तक वाजिब भी हैं। यह मामला कितना संवेदनशील है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री को यह मुद्दा लाल किले के अपने भाषण से उठाना पड़ा ताकि देश के जनमानस को इस 'दिमागी नक्सलवाद' के खिलाफ आगाह किया जा सके। सरकारों के प्रति या उनकी नीतियों के प्रति लोगों का गुस्सा जायज हो सकता है, लेकिन एक सभ्य लोकतंत्र में विरोध के नाम पर किसी को भी हथियार उठाने या गाली देने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। अगर विरोध के नाम पर ये सब होता है तो निश्चित रूप से यह चिंता का विषय है। सत्ता और समाज के बीच जब भी ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है तो समाज के चौथे पिलर 'न्याय पालिका' की भूमिका बहुत अहम हो जाती है। अपने हक के लिए संघर्ष करते लोगों पर किया जाने वाला बल प्रयोग अगर अनुचित है तो व्यवस्था कायम करने वाले सुरक्षाकर्मियों पर पत्थर फेंकना, उन्हें गाली देना भी पूर्णतया बहिष्कार करने योग्य है। जब दोनों पक्ष अपने को सही ठहराने लगें तो न्यायपालिका की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। इस पूरी बहस का निष्कर्ष यही है कि सरकार को समझना चाहिए कि सरकार का विरोध देश का विरोध नहीं होता और विपक्ष को भी यह समझना चाहिए कि सरकार और देश के विरोध में खिंची हुई लक्ष्मण रेखा कभी अदृश्य न हो, न ही धुंधली पड़े। सरकारें आती हैं और चली जाती हैं, देश हमेशा रहता है। कोई सत्ता में हो या विपक्ष में देश का कानून और देश का सम्मान सर्वोपरि है। उसे किसी भी प्रकार की ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए। सत्ता के लालच में कोई व्यक्ति या पार्टी अगर गलत कदम लेता है तो वह स्वीकार्य नहीं है। साथ ही सरकार को भी अपनी मर्यादा में समझनी चाहिए।

> **यह मामला कितना संवेदनशील है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री को यह मुद्दा लाल किले के अपने भाषण से उठाना पड़ा, ताकि देश के जनमानस को इस 'दिमागी नक्सलवाद' के खिलाफ आगाह किया जा सके।**

नक्सल-मुक्त भारत व दिमागी नक्सल का दंभ

मंथन

डॉ. पवन कुमार शर्मा
स्वतंत्र पत्रकार

भारत के राजनीतिक और आंतरिक सुरक्षा परिदृश्य में 'दिमागी नक्सल' शब्दावली को लेकर एक तीव्र वैचारिक एवं राजनीतिक बहस छिड़ी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए वक्तव्य के बाद पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी. चिदंबरम और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की टिप्पणियों ने इस विषय को राजनीतिक चर्चा के केंद्र में ला दिया है। स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि भारत सरकार ने जंगलों से हिंसक और हथियारबंद नक्सलवाद का लगभग पूरी तरह खात्मा कर दिया है।

हालांकि उन्होंने आगाह किया कि देश को अब 'दिमागी नक्सलियों' से सतर्क रहने की जरूरत है जो शहरी और शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से समाज में अराजकता और वैचारिक हिंसा फैलाने की फिराक में रहते हैं। इसके जवाब में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने सोशल मीडिया पर पलटवार करते हुए लिखा, "मुझे दिमागी नक्सली होने पर गर्व है।" वहीं आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि यदि सरकार से सवाल पूछना, जनहित के मुद्दे उठाना और देशभक्ति के साथ व्यवस्था का विरोध करना दिमागी नक्सलवाद है तो वे भी 'दिमागी नक्सली' हैं और उन्हें इस पर गर्व है। बीजेपी और सुरक्षा विशेषज्ञों का तर्क है कि जहां एक ओर एनडीए सरकार के प्रयासों से बंदूकधारी नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है, वहीं विपक्षी नेताओं द्वारा इस शब्दावली को स्वयं पर ओढ़ना उनकी वैचारिक दिशा पर सवाल खड़े करता है। बीजेपी ने पी. चिदंबरम के बयान पर पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के 2006 के उस बयान की याद दिलाई जिसमें उन्होंने नक्सलवाद को 'देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा' बताया था। बीजेपी का तर्क है कि एक पूर्व गृह मंत्री का स्वयं को नक्सलवाद के किसी भी रूप से जोड़ना राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति असंवेदनशीलता को दर्शाता है। दूसरी ओर अरविंद केजरीवाल अराजकता का समर्थन पहली बार नहीं कर रहे हैं। 20 जनवरी 2014 को जब वे पहली बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बने ही थे तब उन्होंने रेल भवन के बाहर धरना-प्रदर्शन करते हुए बयान दिया था कि मैं अराजक हूं। भारतीय राजनीति के इतिहास में यह पहली बार था जब किसी राज्य के पदस्थ मुख्यमंत्री ने खुद को सार्वजनिक रूप से 'अराजक' स्वीकार करते हुए सड़क पर 30 घंटों तक धरना दिया था। हालांकि विपक्षी नेताओं और उनके समर्थकों का मानना है कि 'अर्बन नक्सल' या 'दिमागी नक्सल' जैसे शब्दों का प्रयोग सरकार अपने राजनीतिक विरोधियों, नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और असहमति जताने वाले बुद्धिजीवियों को चुप कराने और उन्हें बदनाम करने के लिए करती है। उनका दावा है कि उनका विरोध जनहित, संविधान और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए है। भारत में वामपंथी उग्रवाद यानी लाल आतंक का इतिहास आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियों में सबसे जटिल रहा है।

हालांकि बीते एक दशक में भारत सरकार की त्रिस्तरीय नीति- सुरक्षा, विकास और समावेशन ने नक्सलवाद के प्रभाव को ऐतिहासिक रूप से न्यूनतम स्तर पर ला खड़ा किया है। सशस्त्र नक्सलवाद के अलावा, वैचारिक एवं प्रशासनिक गलियारों में 'अर्बन नक्सलवाद' या 'दिमागी नक्सलवाद' की शब्दावली पर अकसर बहस होती रहती है। सुरक्षा विश्लेषकों का मानना है कि बंदूकों से लड़ा जाने वाला नक्सलवाद केवल एक पहलू है, जबकि जंगलों के बाहर मुख्यधारा के शहरों, शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों में नक्सलियों को वैचारिक एवं कानूनी सहायता प्रदान करने वाला 'अर्बन नेटवर्क' तंत्र सपोर्ट करता है। पी. चिदंबरम और अरविंद केजरीवाल जैसे राजनेताओं पर आलोचकों द्वारा नक्सल-सहानुभूति या प्रशासनिक उदासीनता के आरोप लगाए जाते रहे हैं, जबकि दोनों नेताओं और उनके समर्थकों का यह तर्क रहा है कि वे नागरिक अधिकारों, आदिवासी हितों और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा की बात करते हैं। ज़मीनी आंकड़ों और सुरक्षाबलों की कार्रवाई से यह स्पष्ट है कि रणनीतिक घेराबंदी, बेहतर बुनियादी ढांचे और सख्त सुरक्षा नीति के कारण भारत में नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है।

विपक्षी नेताओं और उनके समर्थकों का मानना है कि 'अर्बन नक्सल' या 'दिमागी नक्सल' जैसे शब्दों का प्रयोग सरकार अपने राजनीतिक विरोधियों, नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और असहमति जताने वाले बुद्धिजीवियों को चुप कराने और उन्हें बदनाम करने के लिए करती है।

संवाद की खिड़की को खुला रखे सरकार

जेन-जी

डॉ. विजेंद्र कुमार
स्वतंत्र पत्रकार

लोकतंत्र की सबसे खूबसूरत बात यह है कि इसमें सोचने की और सवाल पूछने की आज़ादी होती है। लेकिन क्या हो जब ये सवाल सत्ता के कानों में चुभने लगें? क्या हो जब एक पूरी नई पीढ़ी, जिसे हम 'जेन-ज़ी' कहते हैं, पुरानी व्यवस्था से ऐसे सवाल पूछने लगे जिनके जवाब फाइलों और भाषणों में नहीं मिलते? आज के समय में ऐसे ही सवाल पूछने वाले युवाओं, विचारकों और आम नागरिकों को एक नया नाम दे दिया गया है, जिसे 'दिमागी नक्सल' कहा जा रहा है। यह शब्द जितना भारी है, इसके पीछे की राजनीति उतनी ही गहरी और मानवीय संवेदनाओं को झकझोरने वाली है। आज का युवा और उसके नए तरीके के आंदोलन वाक़ई व्यवस्था को असहज कर रहे हैं और इसी कारण येन-केन-प्रकारेण विरोध की हर आवाज़ को कुचलने की कोशिश की जा रही है। नक्सलवाद, अपने मूल रूप में, बंदूक और हिंसा के रास्ते सत्ता को उखाड़ फेंकने की एक विचारधारा रही है। लेकिन दिमागी नक्सल या अर्बन नक्सल एक बिल्कुल नई गढ़ी हुई शब्दावली है। इसका इस्तेमाल उन लोगों के लिए किया जा रहा है जिनके हाथों में बंदूक नहीं, बल्कि किताबें, कीबोर्ड और स्मार्टफोन हैं।

ये वो लोग हैं जो पर्यावरण की बात करते हैं, जो रोजगार मांगते हैं, जो परीक्षा के पेपर लीक होने पर सड़क पर उतर आते हैं, या जो किसी अन्याय के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपना विरोध दर्ज करते हैं। जब सत्ता इन तर्कों का जवाब तर्कों से नहीं दे पाती, तो वह एक आसान रास्ता चुनती है, ठप्पा लगाने का। किसी को दिमागी नक्सल कह देना दरअसल उसकी आवाज़ को, उसकी पीड़ा को और उसके सच को खारिज करने का एक बेहद चालाक तरीका है। जब आप किसी युवा को यह तमगा दे देते हैं, तो आपको उसके उठाए गए असली मुद्दों पर जवाब नहीं देना पड़ता और वह समाज की नजरों में एक खलनायक बन जाता है। जेन-ज़ी यानी वो पीढ़ी जिसका जन्म नब्बे के दशक के आखिरी सालों और दो हजार दस के बीच हुआ, वह इंटरनेट की गोद में बड़ी हुई है। पुरानी पीढ़ियों के आंदोलन करने के तरीके अलग थे। लेकिन जेन-ज़ी के आंदोलनों ने दुनिया भर की सरकारों को गहरे असमंजस में डाल दिया है।

इस पीढ़ी का कोई एक चेहरा नहीं है और इनका आंदोलन केंद्रीकृत नहीं है। एक छोटी सी घटना का वीडियो वायरल होता है और रातों-रात लाखों युवा मीम्स, रील्स और स्टोरीज के जरिए एक डिजिटल सैलाब ला देते हैं। सरकारें परेशान हैं क्योंकि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि इस पीढ़ी से कैसे लड़ा जाए। जेन-ज़ी के पास न खोने के लिए कोई बड़ा राजनीतिक करियर है और न ही वे पुरानी विचारधाराओं के बंधनों में बंधे हैं। वे बहुत साफ, सीधे और बेबाक सवाल पूछते हैं। व्यवस्था इस बात से खौफजदा है कि जिस नैरेटिव को बनाने में वह करोड़ों रुपये और पूरा तंत्र लगा देती है, उसे एक युवा अपने छोटे से वीडियो से ध्वस्त कर देता है। सरकारें अब येन-केन-प्रकारेण विरोध को कुचलना चाहती हैं। अंग्रेजों के बनाए हुए या नए कड़े कानूनों का इस्तेमाल अब अपराधियों से ज्यादा उन युवाओं और विचारकों पर हो रहा है जो असहमत हैं। इंटरनेट सस्पेंड कर देना, सोशल मीडिया एकाउंट्स को ब्लॉक करवाना और पोस्ट को डिलीट करवाना आज के दौर की नई पुलिसिंग है। इस पूरी बहस को अगर हम राजनीति के चश्मे से हटाकर एक आम इंसान की नजर से देखें, तो तस्वीर बहुत भावुक कर देने वाली है। एक युवा जो दिन-रात पढ़ाई करता है, जिसका पिता कर्ज लेकर उसे शहर भेजता है, वह जब देखता है कि उसकी परीक्षा का पेपर बिक गया है, तो वह सड़क पर उतरता है। एक लड़की जो रात में सड़कों पर अपनी सुरक्षा की गारंटी मांग रही है, या वो व्यक्ति जो अपने जल, जंगल, जमीन को बचा रहा है, वे कोई दिमागी नक्सल नहीं हैं। जेन-ज़ी के पास बहुत ज्यादा अपेक्षाएं नहीं हैं। अगर सरकारें सचमुच देश का विकास चाहती हैं, तो उन्हें इन युवाओं से डरने या उन्हें कुचलने के बजाय, उनके सवालों के जवाब ढूंढने होंगे। उन्हें दिमागी नक्सल कहकर खारिज करने से समस्या हल नहीं होगी; बल्कि यह संवाद की उस खिड़की को हमेशा के लिए बंद कर देगा, जो एक बेहतर भविष्य के लिए बहुत जरूरी है।

व्यवस्था इस बात से खौफजदा है कि जिस नैरेटिव को बनाने में वह करोड़ों रुपये और पूरा तंत्र लगा देती है, उसे एक युवा अपने छोटे से वीडियो से ध्वस्त कर देता है। सरकारें अब येन-केन-प्रकारेण विरोध को कुचलना चाहती हैं। कड़े कानूनों का इस्तेमाल अब अपराधियों से ज्यादा उन युवाओं और विचारकों पर हो रहा है।

चिराग दिल का जलाओ.... से शुरू हुआ सुरीला सफर ये रेशमी जुल्फें... पर थमा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रवींद्र भवन का अंजनी सभागार और उसमें बैठे सैकड़ों रसिक श्रोता.....सब संगीत के एक ऐसे सुनहरे दौर में डूब गए, जिस दौर में फिल्म संगीत सीधे रूह में समा जाता था। इस अनोखी संगीतमयी शाम में 11 बेमिसाल म्यूजिशियन के साथ जब रुपाली और आदित्य की आवाज में दो गाना आज तो जुनली रातमा... गुंजा तो पूरा हाल तालियों की गड़गड़ाहट से गुंजायमान हो गया।

संगीत के सुरों से सजा यह नजारा देखने को मिला शनिवार शाम रविंद्र भवन में आयोजित संगीतमय संध्या सुनहरी यादों में।

रवींद्र भवन में 'सुनहरी यादों' से सजी संगीतमय संध्या

28 एक से बढ़कर एक गीतों की प्रस्तुति रही खास

चिराग दिल का जलाओ.... गीत से शुरू हुआ यह सुरीला सफर 28 एक से बढ़कर एक गीतों के साथ ....जब ये रेशमी जुल्फें जैसे सदाबहार गाने पर थमा तो भी संगीत के रसिक श्रोता यही कह रहे थे कि अभी तो दिल भरा नहीं। इस सुरीली खूबसूरत और संगीत से सजी शाम का आयोजन राजेश्वर सिंह और कंचन सिंह ने किया।

'राखी रनवे' महिला उद्यमियों के लिए बनी कारोबार की पाठशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समृद्धि वीमेन वेलफेयर सोसाइटी द्वारा मानस भवन में आयोजित चार दिवसीय राखी रनवे में महिलाओं ने कारोबार शुरू करने से लेकर उसे ब्रांड के रूप में विकसित करने तक की व्यावहारिक सीख ली। तीसरे दिन आयोजित सत्र में बताया गया कि कारोबार की सफलता केवल बिक्री बढ़ने से नहीं, बल्कि ग्राहक जुड़ाव, दोबारा मिलने वाले ऑर्डर, टीम निर्माण, बेहतर कार्यप्रणाली और नए बाजारों तक पहुंच से भी तय होती है। शनिवार को बी2बी बिजनेस कनेक्ट हुआ, जिसमें फैबइंडिया, उमंग श्रीधर और नखराली रूट्स जैसे संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

खबर संक्षेप

आज एसवीएल में मनोज श्रीवास्तव का व्याख्यान

भोपाल। न्यू मार्केट स्थित स्वामी विवेकानन्द लाइब्रेरी में रविवार शाम 4 बजे पूर्व आईएस मनोज श्रीवास्तव द्वारा उनकी हाल ही में प्रकाशित पुस्तक 'वन्दे मातरम - एक क्रांतिगीत का साहित्येतिहासिक अध्ययन' पर व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण हुए हैं। यह पुस्तक न केवल इस गीत की साहित्यिक व्याख्या करती है, बल्कि उसके इतिहास और उससे जुड़े अनेक विवादों पर भी प्रकाश डालती है।

लायंस क्लब डिस्ट्रिक्ट 3233जी-2 का स्थापना दिवस समारोह आज

भोपाल। लायंस क्लब डिस्ट्रिक्ट 3233जी-2 का स्थापना दिवस समारोह रविवार को होटल आमेर पैलेस में आयोजित किया जाएगा। समारोह में लायंस क्लब के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष लायन सी. रोबेट्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। लायंस ऑफ भोपाल के समन्वयक हरिओम जटिया ने बताया कि स्थापना दिवस समारोह के दौरान लायंस क्लब की आगामी गतिविधियों और कार्ययोजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही सामाजिक सेवा के क्षेत्र में क्लब द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा भी होगी।

हेल्प बॉक्स करेगा वसुधा पर्यावरण एवं कला समारोह का आयोजन

भोपाल। पर्यावरण संरक्षण के लिए हमें प्रकृति पूजक बनना पड़ेगा। कचरा प्रबंधन सही रूप से तब अमली जामा पहनेगा जब हम अपने द्वारा फैलाए कचरे को उठाने वाले का सम्मान करेंगे। यह बात आज हैल्पबॉक्स के वसुधा पर्यावरण एवं कला समारोह में अध्यक्ष, म.प्र. बाल संरक्षण अधिकार आयोग डॉ. निवेदिता शर्मा चतुर्वेदी ने कही। हैल्प बॉक्स फाउंडेशन एवं ग्रीन क्लस्टर, द्वारा कैरियर कॉलेज में आयोजित वसुधा समारोह-2026 में 'अपशिष्ट प्रबंधन से पर्यावरण संरक्षण' विषय पर एक इंटरेक्टिव संवाद हुआ।

स्वरोत्सव का आयोजन 26 को रवींद्र भवन में

भोपाल। स्वर निषाद म्यूजिक एकेडमी द्वारा अक्षदा सोशल वेलफेयर सोसाइटी के सहयोग से वार्षिक संगीत समारोह 'स्वरोत्सव 2026' का आयोजन 26 अगस्त, शाम 5.30 बजे, रविंद्र भवन में किया जाएगा। समारोह में 5 से 65 वर्ष तक के विद्यार्थी विभिन्न रागों पर आधारित गायन एवं वादन प्रस्तुतियां देंगे। शास्त्रीय, उपशास्त्रीय एवं सुगम संगीत की प्रस्तुतियां कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहेंगी।

जनजातीय संग्रहालय में आयोजित 'जननायक समारोह' का दूसरा दिन

लौहगुंडी के शौर्य से जीवंत हुआ गोंडवाना...

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

गोंड सभ्यता के महानायकों आधारित 'जननायक समारोह' के दूसरे दिन जनजातीय सग्रहालय में 'राजा लौहगुंडी' नृत्य- नाट्य का मंचन किया गया। इस नृत्य-नाट्य का निर्देशन सतीश श्याम तथा संगीत एच. अनिल सिंह एवं स्वराज श्याम का है। समारोह में मंचित नृत्य -नाट्य प्रस्तुतियों का आलेख योगेश त्रिपाठी-रीवा द्वारा किया गया है।

लगभग 20 दिनों के पूर्वाभ्यास में तैयार हुई प्रस्तुति

नृत्य-नाट्य में गोंड संस्कृति और परंपरा से प्रेरित वेशभूषा, लोकनृत्य, संगीत और मंचीय विन्यास का संयोजन किया गया है। लगभग 20 दिनों के पूर्वाभ्यास में तैयार इस प्रस्तुति में 50 से अधिक कलाकार शामिल हैं। 11 दृश्यों में विभाजित इस नृत्य-नाट्य की अवधि लगभग 1 घंटा 20 मिनट है।

राजा लौहगुंडी कथासार

'राजा लौहगुंडी' नृत्य-नाट्य गोंडवाना के प्रतापी राजा लौहगुंडी की शौर्यगाथा पर आधारित है। बाल्यावस्था में उनका विवाह राजा पंचनारायण की पुत्री हीरोली कन्या से होता है। इसी बीच दुष्ट राजा रामदरबाई हीरोली कन्या का अपहरण कर उसे बंदी बना लेता है। राजा लौहगुंडी अपने साहस, बल और बुद्धि का परिचय देते हुए रामदरबाई का सामना करते हैं और हीरोली कन्या को मुक्त कराकर वापस लाते हैं। इसके बाद वे अपने राज्य का विस्तार करते हुए प्रजा के रक्षक और पराक्रमी शासक के रूप में प्रतिष्ठित होते हैं।

बांके बिहारी मंदिर में मेरे भाई मीका सिंह ने मुझसे बंधवाई राखी

भजन जैमिंग के लिए भोपाल आईं प्रसिद्ध गायिका आरती खेतरपाल से हरिभूमि की खास बातचीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

हरिभूमि चर्चा

मीका मेरे भाई हैं और उनके साथ काम करना मेरे लिए हमेशा खास रहा है। एक कलाकार के रूप में वो अपने काम के लिए काफी पैशेनेट हैं, उन्होंने तो कई बार मुझे इंडस्ट्री की कुदृष्टि से भी बचाया, मेरे सम्मान के लिए उन्होंने आवाज उठाई। मीका ने बांके बिहारी मंदिर में मुझसे राखी भी बंधवाई.... यह कहना है प्रसिद्ध गायिका आरती खेतरपाल का जो भजन जैमिंग के लिए भोपाल आईं और हरिभूमि की खास बातचीत में उन्होंने अपने जीवन से जुड़े पहलुओं पर चर्चा की।

मैं खुद को 'कृष्ण आरती' कहलाना पसंद करती हूं

एक अभिनेत्री, मॉडल और होस्ट से ज्यादा मैं एक कृष्ण भक्त हूं, कृष्ण मेरे रग-रग में बसे हैं। 'रति' का अर्थ प्रेम है और 'आरती' का अर्थ पूरी तरह से प्रेम में मग्न और मैं खुद को 'कृष्ण आरती' कहती हूं, जो पूरी तरह से कृष्ण के प्रेम में मग्न है।

कृष्ण भक्ति ही मेरी जिंदगी का उद्देश्य

भक्ति केवल पूजा नहीं, बल्कि जीवन जीने का तरीका

मैं वृंदावन में पली-बढ़ी हूं और बचपन से ही कृष्ण भक्ति रही। जब हम वृंदावन की गलियों में बड़े होते हैं तो भक्ति केवल पूजा तक सीमित नहीं रहती, वह जीवन जीने का एक तरीका बन जाती है। जिस आध्यात्मिक जुड़ाव को मैंने बचपन में महसूस किया वही अब मेरी जिंदगी का उद्देश्य बन गया।

'समा द समर' लव ने दी एक अलग ही पहचान

'समा द समर' लव एल्बम मेरे कॅरियर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव रहा। यह गीत किशोर कुमार के लोकप्रिय गीत की नई प्रस्तुति थी। इसमें मीका सिंह, मधु वल्ली और मेरे साथ कई ओर भी कलाकार जुड़े। इस संगीत वीडियो ने मुझे मनोरंजन की दुनिया में एक अलग पहचान दी।

ग्रेमी- नॉमिनेटेड एल्बम 'बाला कृष्णा' ट्रैक से जुड़ना सौभाग्य की बात

मैं साउंड ऑफ कुंभ नाम से ग्रैमी- नॉमिनेटेड एल्बम 'बाला कृष्णा' ट्रैक से जुड़ी। मेरे सिर्फ एक एल्बम नहीं बल्कि भारतीय आध्यात्मिक परंपरा को वैश्विक मंच तक पहुंचाने का अवसर था।

नृत्यों ने बांधा समां, बड़ी संख्या में शामिल हुए लोग

सावन महोत्सव में बिखरी बघेली-बुंदेली लोक संस्कृति की रंगारंग छटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विंध्य एकता परिषद मप्र के तत्वावधान में सावन की सुहानी ऋतु, लोक संस्कृति और पारंपरिक विरासत को समर्पित सावन महोत्सव-2026 का भव्य आयोजन शनिवार को दुष्यंत कुमार पांडुलिपि संग्रहालय सभागार, शिवाजी नगर में किया गया। इस मौके पर बघेली-बुंदेली लोकगीतों, कजरी एवं झूला गीतों के सामूहिक गायन तथा मनमोहक समूह नृत्यों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस मौके पर विंध्य एकता परिषद की प्रदेश अध्यक्ष वंदना द्विवेदी ने कहा कि बघेली और बुंदेली हमारी समृद्ध लोक सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण अंग हैं। आधुनिक दौर में नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, परंपराओं और संस्कारों से जोड़ना आवश्यक है। इस दौरान विधायक भगवान दास सबनानी, ललित पांडे, उमाशंकर तिवारी, भोला सेन, दीपक द्विवेदी आदि मौजूद थे।

रंग श्री लिटिल बेले में नाटक नीति मानकीकरण का मंचन

नीति मानकीकरण ने नियमों की अंधी व्यवस्था पर कसा तीखा तंज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रंग विदूषक द्वारा नाटक 'नीति मानकीकरण' का मंचन शनिवार शाम रंग श्री लिटिल बेले में किया गया। यह नाटक नियमों की अंधी व्यवस्था और संवेदनहीनता पर कसा तीखा तंज है। सिंगापुर के विख्यात नाटककार कुओ पाओ कुन द्वारा लिखित तथा सतीश दवे द्वारा अनुदित इस नाटक की मूल परिकल्पना एवं निर्देशन रंगमंच के शिखर पुरुष बंसी कौल की है, जबकि इसका सह-निर्देशन हर्ष दौंड ने किया।

कथासार...

कहानी में एक व्यक्ति अपने दादाजी की मृत्यु की अजीबोगरीब दास्तान सुनाता है। दादाजी ने अपने जीवनकाल में एक बेहद बड़ा ताबूत बनवा लिया था, जो सामान्य कब्र के आकार में नहीं समा पाता। कब्रिस्तान के कर्मचारी और अधिकारी 'तय नीति व मानक' का हवाला देकर बड़ी कब्र खोदने से मना कर देते हैं।

आर्ट ऑफ लिविंग परिवार ने आयोजित किया कार्यक्रम

भोपाल में भक्ति और ध्यान से सजी रुद्र पूजा एवं भजन संध्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

श्रावण मास के अवसर पर राजधानी भोपाल में शनिवार को अध्यात्म, ध्यान और भक्ति से ओतप्रोत रुद्र पूजा एवं भजन संध्या का आयोजन संपन्न हुआ। आर्ट ऑफ लिविंग परिवार द्वारा न्यू मार्केट स्थित समन्वय भवन ऑडिटोरियम में आयोजित इस दिव्य संध्या में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं शिव भक्त शामिल हुए। कार्यक्रम में वैदिक मंत्रोच्चार, रुद्र पूजा, ध्यान और भक्ति संगीत ने पूरे सभागार को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। सुनील जैन के मार्गदर्शन में रुद्र पूजा एवं वैदिक अनुष्ठान संपन्न हुआ, वहीं अंतरराष्ट्रीय गायक एवं संगीतकार विक्रम हाजरा की भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। विक्रम हाजरा ने "अच्युतं केशवम्", "कृष्ण गोविंदा",

"राधे राधे राधे श्याम", "गोपाला राधा लोला", "शिव कैलाशों के वासी", "रुद्राष्टकम", "नारायण नारायण" और "निकुंज में बिराजे" जैसे भजनों की प्रस्तुति दी।

भजनों पर झूम उठे शिव भक्त और श्रद्धालु

भजनों के साथ पूरा सभागार भक्तिमय वातावरण में झूम उठा। आयोजक सुनील कुशवाहा एवं आशीष ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य लोगों को भक्ति, ध्यान और वैदिक परंपरा से जोड़ना था। रुद्र पूजा, मंत्रोच्चार, ध्यान और मधुर भजनों के संगम ने इस संध्या को श्रद्धालुओं के लिए एक अविस्मरणीय आध्यात्मिक अनुभव बना दिया।

भोजपुर क्लब में दो दिवसीय 'नवरंग 5.0' का हुआ आयोजन

हथकरघा की खूबसूरती और राखियों की रंगीन दुनिया से सजा 'नवरंग 5.0'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सावन की फुहारों और रक्षाबंधन की खुशियों के बीच भोजपुर क्लब में शनिवार से 'नवरंग 5.0' महोत्सव का शुभारंभ हुआ। शटिका ग्रंथ की ओर से आयोजित दो दिवसीय सावन एवं राखी स्पेशल एग्जीबिशन में महिलाओं ने देश के अलग-अलग हिस्सों की हथकरघा और पारंपरिक कलाओं से जुड़े उत्पादों की आकर्षक वैरायटी प्रस्तुत की।

महोत्सव में महिला उद्यमियों और शिल्पकारों ने हुनर को मंच देते हुए एक से बढ़कर एक हैंडलूम आइटम प्रदर्शित किए।

हस्तशिल्प और हथकरघा की पारंपरिक विरासत की दिखी झलक

एग्जीबिशन में साड़ियों से लेकर सूट, दुपट्टे, ड्रेस मटेरियल और अन्य हैंडलूम उत्पादों की विस्तृत रेंज देखने को मिली। पारंपरिक बुनाई, आकर्षक रंगों और खूबसूरत डिजाइनों ने महिलाओं का ध्यान खींचा। खास बात यह रही कि यहां प्रदर्शित अधिकांश उत्पादों में भारतीय हस्तशिल्प और हथकरघा की पारंपरिक विरासत की झलक दिखाई दी।

राष्ट्रीय गीत को लेकर चल रहे विवाद के बीच फिर अजीबो गरीब वाकया

नागपुर नगर निगम में वंदे मातरम के सिर्फ दो अंतरे गाए गए, मेयर ने दिए जांच के आदेश, जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग भी की

एजेंसी ▶▶ नागपुर

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को लेकर चल रहे विवाद के बीच नागपुर नगर निगम प्रशासन एक घटना की वजह से अजीबो-गरीब स्थिति में फंस गया है। गुरुवार को नगर निगम की जनरल बॉडी की बैठक थी। बैठक से पहले वंदे मातरम के केवल दो अंतरे ही गाए गए। दिलचस्प बात यह है कि नागपुर नगर निगम की सत्ता भाजपा के पास है। मेयर नीता ठाकरे ने इस मामले की जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। नागपुर नगर निगम में सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले वंदे मातरम को गाया जाना पुरानी परंपरा है।

खास बातें

- गुरुवार को नगर निगम की जनरल बॉडी की बैठक पर सवाल उठे
- बैठक के दौरान यहां पर परंपरा का किया जा रहा था निर्वहन

मेयर नीता ठाकरे

विभागों ने दिए अलग-अलग स्पष्टीकरण

वंदे मातरम के मामले में विवाद तब और गहरा गया जब नगर निगम के अधिकारियों ने इसे लेकर अलग-अलग बयान दिए। नगरपालिका सचिव रंजना लाडे ने कहा कि यह खेल एवं संस्कृति अधिकारी का काम है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि केवल 2 छंद ही बजाए गए हों और यह परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। रंजना ने कहा कि हमने इस मामले में खेल एवं संस्कृति अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा है, लेकिन खेल अधिकारी पीयूष अंबुलकर ने कहा कि यह जिम्मेदारी नगर निगम सचिवालय की है। पीयूष ने वंदे मातरम विवाद को लेकर कहा कि यह सचिवालय की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी केवल 15 अगस्त और 26 जनवरी को है। 15 अगस्त को हमने परिसर में इसे पूरा बजाया था।

मेयर ने नगर निगम के आयुक्त को लिखा पत्र

इसके बाद नीता ने नगर निगम के आयुक्त विपिन इटणकर को पत्र लिखकर मामले की जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। मेयर ने कहा कि वंदे मातरम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान प्रेरणा का महत्वपूर्ण स्रोत रहा है और इसे गाते समय सम्मान और अनुशासन देने की अपेक्षा की जाती है। जनरल बॉडी की बैठक में वंदे मातरम का केवल कुछ हिस्सा गाया जाना गलत है। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए? मेयर ने नगर निगम की बैठकों में राष्ट्रीय गान और वंदे मातरम को गाए जाने को लेकर स्पष्ट प्रक्रिया तय करने की भी मांग की है।

वंदे मातरम को लेकर विवाद

कांग्रेस पार्षद ने भी लगाया आरोप

कांग्रेस पार्षद अभिजीत झा ने आरोप लगाया कि नगर निगम की बैठक में वंदे मातरम के केवल 2 अंतरे ही गाए गए। उन्होंने यह भी कहा कि 20 अगस्त को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती थी, लेकिन सदन की बैठक में शुरुआत में उन्हें श्रद्धांजलि नहीं दी गई और बैठक में शामिल सदस्यों को इसकी याद दिलाई गई। इस मामले में नगर निगम के अधिकारियों ने कहा कि निगम मुख्यालय में सुबह ही औपचारिक रूप से श्रद्धांजलि अर्पित की जा चुकी थी। यह घटना ऐसे वक्त में हुई है, जब वंदे मातरम को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच विवाद चल रहा है। हाल ही में जब कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) ने वंदे मातरम के केवल पहले दो अंतरे गाने का फैसला किया था तो भाजपा ने इसकी जमकर आलोचना की थी। झा ने आरोप लगाया कि नगर निगम की बैठक में वंदे मातरम के केवल 2 अंतरे ही गाए गए।

खबर संक्षेप

राजनाथ ने डायग्नोस्टिक सेंटर का उद्घाटन किया

नोएडा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को नोएडा में इंदिरा गांधी कला केंद्र सभागार में महाजन इमेजिंग एंड लैब्स के नए इंटीग्रेटेड डायग्नोस्टिक सेंटर का उद्घाटन किया। इस मौके पर सांसद डॉ. महेश शर्मा के साथ लोकसभा सांसद बांसुरी स्वराज भी मौजूद रहीं। यह केंद्र उत्तर प्रदेश में कंपनी का पहला सेंटर है। इसकी शुरुआत नोएडा से हो रही है।

कर्नाटक के आईएएस ज्ञानेंद्र कुमार लापता

बेंगलुरु। कर्नाटक के आईएएस ज्ञानेंद्र कुमार 20 अगस्त से लापता हैं। उनसे किसी भी तरह का संपर्क नहीं हो पा रहा है,उनका फोन भी स्विच ऑफ आ रहा है। इस घटना से पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप है और उन्हें खोजने की कोशिश जारी है। परिवार का कोई सदस्य भी ज्ञानेंद्र कुमार से बात नहीं कर पाया है। राज्य के गृह मंत्री प्रियांक खरगे ने घटना की पुष्टि की है।

गुरुग्राम में निर्माण के दौरान दीवार गिरी, 7 दबे

गुरुग्राम। खेड़कीदौला थाना क्षेत्र के सेक्टर 84 में शनिवार अलसुबह तेज वर्षा के बीच एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक निर्माणाधीन दीवार भरभराकर गिर गई।दीवार के पास सो रहे श्रमिक परिवार के 7लोग मलबे में दबकर घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। आसपास के लोगों ने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी।

डीएमके में 2 कार्यकाल पर छोड़नी होगी कुर्सी

चेन्नई। डीएमके की कार्यकारिणी समिति की बैठक में पार्टी संगठन में नई पीढ़ी को आगे लाने के लिए विभिन्न पदों पर उम्र और कार्यकाल की सीमा तय करने का फैसला किया गया। शाखा समिति सचिव के लिए 45, वार्ड समिति सचिव के लिए 50 और टाउन पंचायत, एरिया व सिटी कमेटी सचिवों के लिए 60 वर्ष निर्धारित की है। दो कार्यकाल की सीमा तय की है।

हैदराबाद में 7 मंजिला इमारत गिरी, 2 की मौत

गच्चीबौली। हैदराबाद के गच्चीबौली इलाके में शनिवार दोपहर एक निर्माणाधीन सात मंजिला इमारत अचानक ढह गई। हादसे में दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हुए हैं। हादसा दोपहर करीब एक बजे अंजय्या नगर में हुआ। सूचना मिलते ही दमकल और बचाव दल मौके पर पहुंचा और मलबे में दबे लोगों की तलाश शुरू की।

सीजेआई ने 11वें ब्रिक्स और लीगल फोरम को संबोधित किया

आर्थिक वृद्धि प्राकृतिक संसाधनों के भरोसे नहीं टिक सकती

न्याय-नॉमिक्स से ही बढ़ेगी अर्थव्यवस्था केवल भूगोल से नहीं मिलती तरक्की

आर्थिक विकास को मजबूत और टिकाऊ बनाने न्याय अर्थशास्त्र की जरूरत बताई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नई दिल्ली में आयोजित 11वें ब्रिक्स और लीगल फोरम को संबोधित करते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने एक महत्वपूर्ण विचार सामने रखा। उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक वृद्धि सिर्फ भूगोल की किस्मत या प्राकृतिक संसाधनों के भरोसे नहीं टिकी रह सकती। आर्थिक विकास को मजबूत और टिकाऊ बनाने के लिए 'न्याय-नॉमिक्स' यानी न्याय के अर्थशास्त्र की जरूरत है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कानूनी संस्थाएं विकास के आसपास बाद में खड़ा किया गया कोई ढांचा नहीं होतीं, बल्कि वे खुद विकास का मुख्य आधार और वास्तुकला होती हैं। अगर इस आधार को हटा दिया जाए, तो उभरती हुई अर्थव्यवस्था केवल सौभाग्य का एक ढेर नजर आएगी, जो किसी भी बड़े संकट में ढह सकती है।

निष्पक्ष और सही फैसले से भरोसा बढ़ेगा

मुख्य न्यायाधीश ने बताया कि जब अदालतें निष्पक्ष और लगातार सही फैसले देती हैं, तो लोगों का न्याय प्रणाली पर भरोसा बढ़ता है। इससे हर व्यापारिक लेनदेन की लागत कम होती है।

संसाधनों के बल पर आगे नहीं बढ़ा कोई भी देश 'न्याय सेतु' का विचार भी दिया, भरोसा भी बढ़ाएं

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस बात पर जोर दिया कि भारत समेत ब्रिक्स प्लस का कोई भी देश केवल अपने संसाधनों के बल पर आगे नहीं बढ़ा है। इन देशों का विकास इस बात पर निर्भर करता है कि वहां वादों और समझौतों को कानूनी रूप से कितना मजबूती से लागू कराया जाता है। भाषण के दौरान सीजेआई ने 'न्याय सेतु' का विचार भी दिया। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा पुल है जो 11 अलग-अलग देशों की कानूनी परंपराओं को आपस में जोड़ता है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि देश आपस में भरोसे का माहौल खुद बनाएं, न कि किसी चमत्कार का इंतजार करें।

विदाई समारोह में बोले जस्टिस संजय करोल

जज भगवान नहीं, हर फैसला सही नहीं हो सकता

सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त हो रहे न्यायमूर्ति संजय करोल ने शनिवार को अपने विदाई संबोधन में कहा कि न्यायाधीश भगवान नहीं होते और उनसे हर फैसला पूरी तरह सही होने की उम्मीद नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि न्याय करने के लिए विनम्रता जरूरी है और न्यायाधीशों को हर मुकदमे में केवल याचिकाकर्ता नहीं, बल्कि उसके पीछे खड़े इंसान को भी देखना चाहिए। न्यायमूर्ति करोल ने कहा कि संविधान न्यायाधीशों से केवल कानून को सही तरीके से लागू करने की अपेक्षा नहीं करता, बल्कि न्यायपूर्ण तरीके से लागू करने की भी मांग करता है। उन्होंने कहा कि उनके लिए न्याय करना सिर्फ यह तय करना नहीं रहा कि कानूनी रूप से कौन सही है, बल्कि अदालत के सामने खड़े व्यक्ति की स्थिति और उम्मीदों को समझना भी इसका हिस्सा है।

न्याय के लिए विनम्रता की जरूरत बताई

जस्टिस करोल ने कहा कि किसी याचिका में मामले के तथ्य दर्ज हो सकते हैं, लेकिन वह यह नहीं बता सकती कि उस व्यक्ति ने पहले से क्या खोया है और वह अदालत से क्या उम्मीद लेकर आया है। इसलिए न्याय करने के लिए एक निश्चित स्तर की विनम्रता आवश्यक है। तर्कों के साथ-बातों को सुनने की जरूरत बताई।

सुप्रीम कोर्ट की असली ताकत भरोसे पर टिकी

अपने करीब चार दशक लंबे कानूनी सफर को याद करते हुए न्यायमूर्ति करोल ने कहा कि उनके लिए अदालत कभी सिर्फ कार्यस्थल नहीं रही। उन्होंने कहा कि कोर्टरूम ने उन्हें हमेशा सहारा दिया और उनके जीवन में उनसे कहीं बड़ी तथा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पिछले 19 वर्षों से न्यायाधीश के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे थे। न्यायमूर्ति करोल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की असली अहमियत उस आम नागरिक के भरोसे में है।

धर्म का अर्थ किसी अनुष्ठान से नहीं होता

जस्टिस करोल ने कहा कि कानून, उचित प्रक्रिया और संवैधानिक वैधता जैसे विचारों को समझने का सबसे सरल तरीका धर्म की अवधारणा हो सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यहां धर्म का अर्थ किसी अनुष्ठान से नहीं, बल्कि कर्तव्य से है।

हर किसी को भूमिका निभानी चाहिए

न्यायमूर्ति करोल ने कहा कि न्याय करने के सिद्धांत केवल अदालत, काले चोगे और न्यायिक प्रक्रिया तक सीमित नहीं हैं। हर व्यक्ति को अपने फैसलों, आचरण और सत्ता के इस्तेमाल में खुद भी न्यायाधीश की भूमिका निभानी होती है।

पीएम मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक महीने का सेवा संकल्प अभियान शुरू करेगी भाजपा

सेवा सेतु अभियान के तहत लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद करेगी भाजपाः विनोद तावड़े

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में भाजपा देश भर में एक महीने का सेवा संकल्प अभियान शुरू करेगी। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह अभियान हर साल 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर मनाए जाने वाले सेवा पखवाड़ा का विस्तार होगा।

विनोद तावड़े ने कहा कि हर साल भारतीय जनता पार्टी 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर देश भर में सेवा पखवाड़ा मनाती है। मोदी जी का व्यक्तित्व ऐसा है कि वे हर पल सेवा में लगे रहते हैं। स्वाभाविक रूप से पिछले कुछ वर्षों से भाजपा सेवा पखवाड़ा मना रही है।

2001 में सीएम बने

उन्होंने बताया कि 7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। इस साल 7 अक्टूबर को उस ऐतिहासिक अवसर के 25 साल पूरे हो जाएंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए भाजपा ने सेवा पखवाड़ा के साथ साथ एक महीने का सेवा संकल्प अभियान चलाने का फैसला किया है। पार्टी इस दौरान सेवा सेतु अभियान भी चलाएगी। इसके तहत उन लोगों की मदद की जाएगी जो दस्तावेज की कमी या अन्य समस्याओं के कारण सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सम्मानित करेंगे

तावड़े ने बताया कि ब्लाक स्तर पर 15 दिन तक संबंधित विभागों के अधिकारी जरूरी कागजों के साथ मौजूद रहेंगे। तावड़े ने कहा कि अगर किसी का नाम आयुष्मान योजना में छूट गया है, तो वह वहां आकर फार्म भर सकता है। अगर पीएम किसान सम्मान निधि में कोई दिक्कत है, तो उसे इन दिनों में ठीक कराया जा सकता है। सेवा सेतु अभियान के जरिए सभी को सरकारी योजनाओं से जोड़ने का प्रयास होगा। भाजपा इस दौरान नेशनल इनोवेशन चैलेंज भी आयोजित करेगी। इसका मकसद युवाओं को स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए शोध और नवाचार के लिए प्रोत्साहित करना है। ब्लाक, जिला और राज्य स्तर पर युवाओं के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। बड़े राज्यों में ऐसे कार्यक्रम प्रमुखता से होंगे। अभियान के तहत आंगनवाड़ी सम्मान और मातृ संवाद कार्यक्रम भी होगा। देश भर के 14 लाख से ज्यादा केंद्रों पर जाकर भाजपा कार्यकर्ता आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सम्मानित करेंगे।

केंद्र ने किया पॉलिसी में संशोधन

टीवी चैनलों के लिए 12 मिनट की विज्ञापन अवधि खत्म की

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

टेलीविजन चैनलों पर विज्ञापन प्रसारण की अवधि को लेकर लागू 12 मिनट की सीमा अब खत्म हो गई है। केंद्र सरकार ने केबल टेलीविजन नेटवर्क्स रूल्स, 1994 में संशोधन को राजपत्र में अधिसूचित कर दिया है। टीवी चैनलों के लिए विज्ञापन अवधि की निर्धारित सीमा हटाने का फैसला प्रभावी हो गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अनुसार टीवी प्रसारण क्षेत्र में 2 दशकों में व्यापक बदलाव हुए हैं। इन्हीं बदलावों को देखते हुए विज्ञापन प्रसारण की अवधि से संबंधित मौजूदा प्रावधानों की समीक्षा की जरूरत महसूस की गई थी। मंत्रालय का कहना है कि भारत में टीवी प्रसारण क्षेत्र काफी हद तक विज्ञापन आय पर निर्भर है। यह निर्भरता पेड चैनलों और फ्री-टू-एयर चैनलों, दोनों में है। वहीं डिजिटल मीडिया पर विज्ञापन की कोई सीमा नहीं है। इसलिए विज्ञापन अवधि पर लगी पुरानी सीमा को जारी रखने की आवश्यकता नहीं रह गई थी।

जयपुर में एनटीए की परीक्षा में बत्ती गुल

परीक्षार्थी करने लगे डिस्कशन,1 सितंबर को होगी दोबारा परीक्षा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

एनटीए की ओर से आयोजित की जा रही एक और परीक्षा में अव्यवस्थाओं के चलते हंगामा हुआ। यह मामाला जयपुर में आयोजित ऑल इंडिया आयुष पोस्ट ग्रेजुएट प्री टेस्ट का है। यहां सत्यसाईं कॉलेज में पहली पाली की परीक्षा के दौरान अचानक बिजली गुल हो गई। परीक्षार्थियों ने आरोप लगाया कि बिजली गुल होने के दौरान परीक्षा की गोपनीयता भी प्रभावित हुई। अभ्यर्थियों का कहना है कि ऐसी स्थिति में अतिरिक्त समय दिए जाने से उन छात्रों को कोई वास्तविक फायदा नहीं हुआ। एनटीए ने परीक्षा पूरी नहीं कर पाने वाले सभी अभ्यर्थियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया है। इन अभ्यर्थियों की दोबारा परीक्षा 1 सितंबर को सुबह 10 बजे राजस्थान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग फॉर वुमेन, जयपुर में आयोजित होगी।

16.20 करोड़ रुपए में बिकीं बापू की निशानियां

पत्र-पांडुलिपियां की नीलामी पर भड़का संग्रहालय, देश की साझा विरासत बताया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से जुड़े पत्र, हस्तलिखित पांडुलिपियां और निजी वस्तुओं की हालिया नीलामी पर राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय ने चिंता जताई है। संग्रहालय के निदेशक ए अन्नामलाई ने कहा कि गांधी से जुड़ी ऐसी चीजें केवल किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं, बल्कि भारत की साझा विरासत का हिस्सा हैं। उन्होंने इन्हें नीलाम करने के बजाए संग्रहालय को सौंपने की अपील की।

86 चीजों की नीलामी पेश की

नीलामी में बिकने की रिकॉर्ड कीमत बताई

19 अगस्त को सफरनआर्ट की नीलामी में गांधी से जुड़ी कुल 86 वस्तुएं पेश की गईं। इनमें पत्र, पांडुलिपियां, तस्वीरें और गांधी के इस्तेमाल की गई निजी वस्तुएं शामिल थीं। इनमें गांधी के करीब 688 हस्तलिखित विचारों का संग्रह भी था, जिसे उन्होंने अपने करीबी सहयोगी और स्वतंत्रता सेनानी आनंद टी. हिंगोरानी के लिए करीब दो वर्षों की अवधि में लिखा था। 'आज का एक विचार' नाम की इस पांडुलिपि को 16.20 करोड़ रुपए में बेचा गया। यह किसी भारतीय ऐतिहासिक दस्तावेज के नीलामी में बिकने की विश्व रिकॉर्ड कीमत बताई गई है।

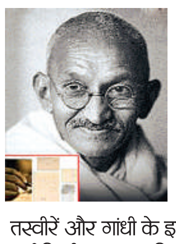

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के यूरोप दौरे पर उठे सवाल

प्रो. माया से मिले रेड्डी, भाजपा ने बताया 'एंटी-इंडिया'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी इस समय यूरोप दौरे पर गए हुए हैं। उनका यह कार्यक्रम उस समय चर्चा में आ गया था, जब सरकार ने उन्हें अमेरिका की यात्रा के लिए इजाजत नहीं दी थी। अब यूरोप के ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम को लेकर भी भाजपा ने नाराजगी जाहिर की है। यूनिवर्सिटी में कार्यक्रम के दौरान रेड्डी ने 'ब्लावत्निक स्कूल ऑफ गवर्नमेंट' के फैकल्टी सदस्यों से मुलाकात की। इसमें राजनीति और पब्लिक पॉलिस पढ़ाने वाली प्रोफेसर माया ट्यूडर भी शामिल थीं। इनकी तस्वीरें सामने आने पर भाजपा ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को घेरना शुरू कर दिया और माया ट्यूडर को 'एंटी-इंडिया' बताया।

भाजपा ने इस मुलाकात पर नाराजगी जाहिर की

धर्मपुरी ने रेड्डी पर साधा निशाना

सीएम रेड्डी की यूरोप यात्रा के दौरान की तस्वीरें सामने आने के बाद भाजपा सांसद अरविंद धर्मपुरी ने उन्हें निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि ट्यूडर अपने भारत विरोधी रवैये के लिए जानी जाती है। ऐसे में रेवंत रेड्डी की उनसे मिलना गलत है।

भारत-विरोधी ताकतों के साथ मिले

एक्स पर धर्मपुरी ने लिखा, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के ब्लावत्निक स्कूल ऑफ गवर्नमेंट की प्रोफेसर माया ट्यूडर ने भारत-विरोधी लेख लिखे हैं, जिनमें 'भारत का लोकतंत्र क्यों मर रहा है भी शामिल है। रेवंत उनसे मिल रहे हैं। उनमें जरा भी शर्म नहीं बची है और वे भारत-विरोधी ताकतों के साथ मिल गए हैं।

माया ने 2023 में विवादित लेख लिखा

माया ने 2023 में जर्नल ऑफ डेमोक्रेसी में एक लेख लिखा था। इसका शीर्षक 'भारत का लोकतंत्र क्यों मर रहा' है। इसकी काफी आलोचना की गई थी। इसमें माया ने प्रधानमंत्री मोदी की सरकार के कार्यकाल के दौरान भारत में लोकतांत्रिक ढांचे का विश्लेषण किया था। ऑक्सफोर्ड के ब्लावत्निक स्कूल ऑफ गवर्नमेंट में पॉलिटिक्स और पब्लिक पॉलिसी की प्रोफेसर माया अपने क्षेत्र का एक जाना माना नाम है।

सरकार ने चेताया वाइरल वीडियो एआई वाला

22 हजार रुपए लगाकर हफ्ते भर में 5.5 लाख कमाने का वीडियो फर्जी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नाम और चेहरे का इस्तेमाल कर सोशल मीडिया पर निवेश के नाम पर ठगी का एक फर्जी वीडियो वायरल किया जा रहा है। वीडियो में दावा किया गया है कि महज 22 हजार रुपए के शुरुआती निवेश पर हर सप्ताह 5.50 लाख रुपए की आय सुनिश्चित की जा सकती है। सरकार ने इस वीडियो को पूरी तरह फर्जी और एआई से तैयार किया हुआ बताया है।

पीआईबी फैक्ट चेक ने किया खंडन

प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की फैक्ट चेक यूनिट ने वायरल वीडियो की पड़ताल के बाद इसे फर्जी और एआई जनरेटेड करार दिया। वीडियो में वित्त मंत्री को एक निवेश प्लेटफॉर्म और कथित निवेश योजना का प्रचार करते हुए दिखाया गया है, जबकि न तो वित्त मंत्री और न ही सरकार ने ऐसी किसी निवेश योजना या प्लेटफॉर्म का समर्थन किया है। फैक्ट चेक यूनिट ने लोगों को इससे आगाह किया है।

खबर संक्षेप

पेरिस में बीएपीएस मंदिर सितंबर में होगा शुरू

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस के उपनगर 'बूसी-सेंट-जॉर्जेस' में भव्य बीएपीएस स्वामीनारायण हिंदू मंदिर

उद्घाटन के समीप पहुंच गया है। मंदिर के शिखरों और केंद्रीय गुंबद पर कलश एवं ध्वजा दंड पूजन जैसी पारंपरिक वैदिक रस्में पूरी की जा रही हैं। उद्घाटन 2 से 14 सितंबर तक आयोजित होने वाले 13 दिवसीय 'पेरिस मंदिर महोत्सव' के दौरान किया जाएगा।

8 नवंबर को दीवाली मनाएगा कैलिफोर्निया

वॉशिंगटन। कैलिफोर्निया स्टेट असेंबली ने 8 नवंबर को 'दीवाली डे' के तौर पर मनाने का प्रस्ताव

पास किया। असेंबली के सदस्यों दर्शन पटेल और ऐश कालरा की ओर से पेश प्रस्ताव में कैलिफोर्निया और दुनिया भर में रहने वाले भारतीय-अमेरिकियों और भारतीय मूल के लोगों के प्रति गहरा सम्मान भी जताया गया है। प्रस्ताव गुरुवार को पास हुआ है।

निजता उल्लंघन में टिकटॉक देगा 40 करोड़ डॉलर

वॉशिंगटन। टिकटॉक ने बच्चों की निजता से जुड़े संघीय कानूनों के उल्लंघन के मामले में अमेरिकी

न्याय मंत्रालय के साथ 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर का समझौता किया है। मंत्रालय ने बताया कि टिकटॉक तत्काल 30 करोड़ डॉलर का भुगतान करेगा, जबकि शेष 10 करोड़ डॉलर का भुगतान पूर्ववर्ती कंपनी म्यूजिकली के आदेश रद्द होने पर होगा।

चीन ने विदेशियों के लिए बंद किया माउंट एवरेस्ट

बीजिंग। चीन ने इस साल विदेशी पर्वतारोहियों के लिए माउंट एवरेस्ट के उत्तरी हिस्से सहित तिब्बत की

सबसे ऊंची चोटियों (चो ओयु और शिशपंगमा) के रास्ते पूरी तरह बंद कर दिए हैं। चीन द्वारा यह प्रतिबंध तिब्बत के शिगात्से के पास एक आतिशबाजी की घटना के बाद शुरू हुई जांच और विदेशी पर्वतारोहण को परमिट जारी करने में हुई भ्रष्टाचार में पाया।

भारत के मुरीद हुए पाक मंत्री इकबाल, बोले

दक्षिण एशिया में स्थिरता के लिए नई दिल्ली की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण

पाक मंत्री इकबाल ने कहा कि क्षेत्रीय स्थिरता, खासतौर से दक्षिण एशिया में शांति के लिए भारत अहम है। उन्होंने कहा कि भारत दक्षिण एशिया के बिल्कुल केंद्र में है। बाकी सभी देश इसके आसपास हैं

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के मंत्री अहसान इकबाल ने एक कार्यक्रम में भारत की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय स्थिरता, खासतौर से दक्षिण एशिया में शांति के लिए भारत अहम है। उन्होंने कहा कि भारत दक्षिण एशिया के बिल्कुल केंद्र में है। बाकी सभी देश इसके आसपास हैं। ऐसे में दक्षिण एशिया के कामकाज के लिए भारत की भूमिका बहुत अहम है। भारत को ऐसे कदम नहीं उठाने चाहिए, जो स्थिरता के लिए खतरा बनें। मंत्री इकबाल ने कहा कि दक्षिण एशिया में चीजों से सही से चलने और स्थिरता के लिए भारत की भूमिका अहम है।

भारत पानी को पाक के खिलाफ हथियार बना रहा

सिंधु नदी — पाक मंत्री अहसान इकबाल

पंजाब में बाढ़ के लिए भारत जिम्मेदार

अहसान इकबाल ने सिंधु संधि के मामले में भारत आरोप लगाए हैं। बीते साल अगस्त में पंजाब में बाढ़ के लिए उन्होंने भारत को जिम्मेदार ठहराया है। इकबाल ने तब कहा था कि भारत पानी को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। भारत के रावी और सतलुज नदियों में पानी छोड़ देने के वजह से पाकिस्तान के पंजाब और पीओके में बाढ़ आई है।

भारत से नदियां पाक में आती हैं

सिंधु जल संधि को निलंबित करने के भारत के फैसले पर पाकिस्तान की शहबाज शरीफ की सरकार में योजना विकास मंत्री अहसान इकबाल ने कहा कि पाकिस्तान के सामने अब यह खतरा साफ है कि भारत जरूरत के समय पानी रोकने के लिए पानी को हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर सकता है। उन्होंने कहा कि भारत ऊपरी देश है और वहां से नदियां बहकर पाकिस्तान में आती हैं।

सिंधु जल संधि स्थगित

पहलगाम में बीते 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था। भारत और पाकिस्तान में साल 1960 में सिंधु जल संधि हुई थी। इसके तहत भारत और पाकिस्तान के बीच नदियों के पानी का बंटवारा किया गया है। इस संधि के निलंबित होने से पाकिस्तान के सामने जल संकट का खतरा मंडरा रहा है। पाकिस्तानी सरकार सिंधु संधि के मुद्दे को कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन में लेकर गई है तो सुरक्षा परिषद में भी उठाया है।

पीओके प्रदर्शन दिखाने पर चिढ़ा पाक

पत्रकार को आतंकी सूची में डाला

पाक सरकार ने पत्रकार और रिसर्चर दानिश इरशाद को फोर्थ शेड्यूल यानी आतंकवाद निगरानी सूची में शामिल कर दिया है। इरशाद ने पीओके में हाल के विरोध प्रदर्शनों पर लगातार रिपोर्टिंग की थी। उन्होंने सुरक्षा बलों की कार्रवाई से प्रभावित परिवारों से भी बातचीत की थी। अब उनका नाम पाकिस्तान की फोर्थ शेड्यूल लिस्ट में डाल दिया गया है। यह कार्रवाई 29 जुलाई को कथित तौर पर पीओके के गृह विभाग के आदेश से हुई। इस सूची में ऐसे लोगों को रखा जाता है, जिन पर आतंकवादी संगठनों से संबंध होने का शक जताया जाता है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इरशाद का नाम 24 लोगों की सूची में 12वें नंबर पर है। आदेश में जम्मू-कश्मीर ज्वाइंट आवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) से जुड़े लोगों का उल्लेख किया है। हालांकि इरशाद के खिलाफ किसी खास घटना या अपराध का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया है। उनके खिलाफ किसी अदालत में मुकदमा चलने या दोष साबित होने की भी जानकारी नहीं है।

ड्यूटी फ्री आयात के बावजूद चीनी नहीं लेगा भारत

भारत ने ड्यूटी फ्री होने के बावजूद पाकिस्तान से चीनी लेने से इनकार कर दिया है। भारत सरकार ने साफ किया है कि इस्लामाबाद के साथ व्यापार पर लगी मौजूदा पाबंदियां जारी रहेंगी। ऐसे में घरेलू आपूर्ति बढ़ाने के लिए कच्ची चीनी के ड्यूटी-फ्री आयात की इजाजत देने के बावजूद पाकिस्तान से चीनी आयात करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग के 27वें सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे

आज से दो दिवसीय मॉस्को दौरे पर विदेश मंत्री जयशंकर, रूसी समकक्ष लावरोव से करेंगे भेंट

इस यात्रा के दौरान भारत-रूस साझेदारी के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया, जिनमें व्यापार और निवेश, ऊर्जा और कनेक्टिविटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और गतिशीलता शामिल हैं

आईआरआईजीसी के तहत दोनों देश आपसी सहयोग की नियमित समीक्षा करते हैं

जयशंकर व लावरोव फाइल फोटो

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर 23 और 24 अगस्त को रूस के आधिकारिक दौरे पर होंगे। वे रूसी संघ के प्रथम डिप्टी पीएम डेनिस मंतुरोव के निमंत्रण पर रूस की आधिकारिक यात्रा करेंगे। इस दौरान वे व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग (आईआरआईजीसी-टीईसी) के 27वें सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। बयान में कहा गया है कि इस यात्रा के दौरान, जयशंकर रूसी संघ के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से भी मिलेंगे और क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जुलाई 2026 में फिलीपींस की राजधानी मनीला में आसियान बैठकों के दौरान रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की थी।

आईआरआईजीसी के तहत हो चुकी हैं 26 बैठकें

आईआरआईजीसी का पहला सत्र 13 और 14 सितंबर 1994 को हुआ था। अब तक आईआरआईजीसी की 26 बैठकें हो चुकी हैं। आईआरआईजीसी का 26वां सत्र 20 अगस्त 2025 को मास्को में हुआ था। वहीं 25वां नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। यह भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग और संबंधों की समीक्षा करने वाला एक प्रमुख शीर्ष मंच है। इस आयोग की बैठकों की सह-अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्री (या नामित मंत्री) और रूसी संघ के डिप्टी पीएम करते हैं।

इन मुद्दों पर होगी चर्चा

विदेश मंत्रालय के अनुसार, इंटर-गवर्नमेंटल कमीशन एक ऐसा सिस्टम है जो दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक सहयोग के क्षेत्रों में हुई प्रगति पर नियमित रूप से नजर रखता है। इसे मई 1992 में व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग पर इंटर-गवर्नमेंटल कमीशन के समझौते के तहत बनाया गया था। इस यात्रा के दौरान भारत-रूस साझेदारी के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया, जिनमें व्यापार और निवेश, ऊर्जा और कनेक्टिविटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और गतिशीलता शामिल हैं।

भारत-रूस का नया गठबंधन

नॉर्थ-सी रूट से यूरोप पहुंचेगा सामान

मॉस्को। भारतीय जहाजों को उत्तरी यूरोप तक पहुंचने के लिए अब स्वेज नहर का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। स्वेज नहर के रास्ते इसमें लगभग 40 दिन लगते हैं। भारत ने रूस के साथ मिलकर एक नए समुद्री मार्ग के इस्तेमाल का फैसला किया है, जो एशिया से यूरोप की दूरी को 14 दिनों तक कम कर सकता है। इस रास्ते का इस्तेमाल चीन और दक्षिण कोरिया भी करेंगे। पिछले शनिवार को एक चीनी शिपिंग कंपनी सी लीजेंड ने दुनिया के सबसे उत्तरी छोर पर पहली निर्धारित साप्ताहिक कंटेनर सर्विस शुरू की है। दक्षिण कोरिया का पैनस्टार समूह रूस के उत्तरी समुद्री मार्ग के जरिए बुसान से ब्रिटेन, नीदरलैंड और पोलैंड अपने जहाज भेजने की योजना बना रहा है। भारत भी इस दौड़ में पीछे नहीं है और वह भी इस मार्ग का इस्तेमाल करने वाला है। भारत भी अगले साल इसी कॉरिडोर के माध्यम से अपना पहला मालवाहक जहाज भेजने की तैयारी कर रहा है। भारत के जहाजरानी मंत्रालय के संयुक्त सचिव एस. वेंकटेशपथी ने 13 अगस्त को रूस के आर्कान्गेल्स्क में आर्कटिक-क्षेत्रीय मंच में कहा था कि 2027 में, हम उत्तरी समुद्री मार्ग से पहला पायलट पोत चलाने की योजना बना रहे हैं।

नॉर्थ सी रूट बढ़ी अहमियत

उत्तरी समुद्री मार्ग यानी नॉर्दर्न सी रूट (एनएसआर) की अहमियत बढ़ने के पीछे दो प्रमुख कारण हैं। पहला, जलवायु परिवर्तन। समुद्र के बढ़ते तापमान का मतलब है कि आर्कटिक की बर्फ की चादर अब गर्मियों में जहाजों का रास्ता रोक नहीं पाएगी। यह रास्ता जुलाई से अक्टूबर तक जहाजों के आवागमन के लिए खुल रहता है। दूसरा, भू-राजनीतिक संकट। ईरान युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य लगभग पूरी तरह बंद है। इसके अलावा हूती विद्रोहियों के हमलों के कारण लाल सागर से भी समुद्री व्यापार को खतरा है।

पीएम कार्नी सख्त, असुरक्षा बर्दाश्त नहीं

कनाडा के गुरुद्वारे में हमला 2 घायल, आरोपी गिरफ्तार

एडमोंटन स्थित नानकसर गुरुद्वारा

एजेंसी ▶▶ ओटावा

कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने शनिवार को एडमोंटन स्थित नानकसर गुरुद्वारा में हुए हमले की निंदा की। कार्नी ने इस घटना को 'बेहद दुखद और चौंकाने वाली' बताया और कहा कि किसी भी व्यक्ति को अपने धार्मिक स्थल पर कभी असुरक्षित महसूस नहीं करना चाहिए।

कनाडा के अल्बर्टा प्रांत में एक गुरुद्वारे के अंदर एक शख्स ने दो लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। घटना के समय गुरुद्वारे के अंदर शादी समारोह से पहले सुबह की प्रार्थना चल रही थी। यह हमला एडमोंटन शहर के उत्तर-पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित नानकसर गुरुसिख मंदिर गुरुद्वारे में सुबह पांच बजे के कुछ समय बाद हुआ। एडमोंटन पुलिस सेवा ने बताया कि 14 स्ट्रीट और हॉर्स हिल रोड के पास हुई इस घटना की सूचना मिलने पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने मौके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया।

पीएम ने जताई संवेदनाएं

पीएम मार्क कार्नी ने एडमोंटन पुलिस सेवा की त्वरित कार्रवाई के लिए आभार भी जताया। कार्नी ने एक्स पर लिखा कि सुबह एडमोंटन के नानकसर गुरुद्वारे में हुआ हमला बेहद दुखद है। इस घटना में घायल हुए दो लोगों और पूरे समुदाय के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं, जो इस भयानक घटना से सदमे में है। किसी को भी अपने पूजा स्थल पर असुरक्षित महसूस नहीं करना चाहिए। मैं एडमोंटन पुलिस सेवा की सराहना करता हूं।

हमला भयावह: पोइलिवरे

विपक्ष के नेता पियरे पोइलिवरे ने भी इस घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने सिख मंदिर में हुए इस हमले को 'भयावह' बताया और कहा कि हमले के जिम्मेदार व्यक्ति को उसके कृत्यों के लिए पूरी तरह जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। पोइलिवरे ने कहा कि अधिकारियों को इस हिंसा के पीछे की वजहों का पता लगाना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कनाडा में लोग शांति और सुरक्षा के साथ अपने धर्म का पालन कर सकें।

नौसेना को सौंपा पनडुब्बी रोधी जलयान 'मैंग्रोल'

हरिभूमि ब्यूरो, नई दिल्ली। कोच्चि स्थित कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने भारतीय नौसेना को तीसरा पनडुब्बी रोधी जलयान मैंग्रोल सौंप दिया है। इस जहाज में 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है और यह पानी के भीतर निगरानी, तटीय जलक्षेत्र में पनडुब्बी रोधी अभियान (एएसडब्ल्यू), निम्न तीव्रता समुद्री अभियान (एलआईएमओ) और बारूदी सुरंगों से बचाव की क्षमताओं से सुसज्जित है। यह जहाज वाटरजेट से संचालित होता है और अत्याधुनिक टॉरपीडो, पनडुब्बी रोधी रॉकेट, उन्नत रडार और सोनार से लैस है। मैंग्रोल नाम गुजरात के जूनागढ़ जिले में स्थित तटीय शहर और छोटे बंदरगाह 'मैंग्रोल' से लिया गया है, जो समुद्री मत्स्य पालन उद्योग का एक प्रमुख बंदरगाह है।

ट्रंप ने लगाया 50 प्रतिशत टैरिफ

अमेरिका-कनाडा के बीच व्यापार डील को लेकर नहीं बनी सहमति

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका-कनाडा के बीच व्यापार समझौते के मुद्दे पर बातचीत टूट गई है और नए समझौतों पर दोनों देशों के बीच सहमति नहीं बन पाई है। इस गतिरोध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि कनाडा के करीब 20 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा।

दोनों ही पड़ोसी देशों के बीच पहले से जारी कूटनीतिक और आर्थिक तनाव व्यापारिक समझौतों की वजह पर बढ़ गया है। पिछले साल दोनों देशों के बीच लगभग

डोनाल्ड ट्रंप — मार्क कार्नी

880 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था। कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने भी अमेरिका पर टैरिफ लगाने के संकेत दिया है। मार्क कार्नी ने कहा है कि अपने कर्मचारियों और कारोबारों की सुरक्षा के लिए कनाडा इन टैरिफ का डॉलर के बदले डॉलर के हिसाब से जवाब देगा।

रूसी तेल के आरोप में 10 साल की जेल के खतरे में भारतीय कैप्टन

15 दिसंबर से शुरू हो जाएगा ट्रायल पत्नी बोलीं- बलि का बकरा बनाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ब्रिटेन में रूसी तेल पर लगे प्रतिबंधों के कथित उल्लंघन के मामले में भारतीय मर्चेंट नेवी कैप्टन अजय पंत की मुश्किलें बढ़ गई हैं। 38 वर्षीय पंत को जून में इंग्लिश चैनल में ब्रिटिश बलों द्वारा तेल टैंकर स्मिर्टोस को रोके जाने के बाद गिरफ्तार किया गया था। उन पर ऐसे प्रतिबंधित रूसी तेल या तेल उत्पादों को जहाज के जरिए किसी तीसरे देश तक पहुंचाने का आरोप है, जिसमें दोष साबित होने पर उन्हें अधिकतम 10 साल की जेल हो सकती है।

अजय पंत

भारत ने दी कांसुलर मदद

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, भारतीय कांसुलर अधिकारियों ने हिरासत में पंत से मुलाकात कर उनकी स्थिति की जानकारी ली है। भारतीय हाई कमीशन, लंदन ने उत्तराखंड सरकार को बताया था कि पंत को एचएमपी विनचेस्टर में न्यायिक हिरासत में रखा गया है। भारतीय हाई कमीशन ने ब्रिटिश अधिकारियों के सामने कांसुलर एक्सेस, पंत की सुरक्षा और उनके अधिकारों का मुद्दा भी उठाया है। अधिकारियों ने उनकी पत्नी, वकीलों और उनकी नियोक्ता कंपनी एनर्जियोस मैरीटाइम प्राइवेट लिमिटेड के संपर्क में रहने की बात कही है। कंपनी ने पंत को कानूनी सहायता देने और उनके परिवार की मदद करने का भरोसा दिया है।

गिरफ्तारी के बाद पत्नी को फोन कर रो पड़े थे पंत

गिरफ्तारी के बाद से उत्तराखंड के नैनीताल जिले के रामनगर निवासी अजय पंत को जमानत नहीं मिली है और वह हिरासत में हैं। उनकी पत्नी रितु के उनके पति ने फोन पर रोते हुए कहा कि मैं जेल में हूं, मुझे यहां से बाहर निकालो। पंत का ट्रायल 15 दिसंबर से शुरू होने वाला है। स्मिर्टोस को 14 जून को इंग्लिश चैनल में ब्रिटिश कमांडो ने रोका था।

देश में एलपीजी नेटवर्क होगा मजबूत, 6 राज्यों को होगा जबरदस्त फायदा

तेजी से एलपीजी ईंधन की आपूर्ति होगी

7000 करोड़ की लागत से बनेंगी 1800 किमी की नई पाइपलाइन

सड़क परिवहन पर निर्भरता कम होगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ऊर्जा सुरक्षा के लिए तेल क्षेत्र के नियामक ने 7,000 करोड़ रुपए के अनुमानित निवेश से लगभग 1,800 किलोमीटर लंबी नई एलपीजी पाइपलाइनों के विकास को मंजूरी दे दी है। इससे देश के 'कॉमन-कैरियर' एलपीजी पाइपलाइन नेटवर्क में लगभग एक-चौथाई का विस्तार होगा। इस पहल का मकसद ईंधन आपूर्ति को अधिक लचीला बनाना और सड़क परिवहन पर निर्भरता कम करना है।

एलपीजी पाइपलाइन

नेटवर्क को गेल (इंडिया) लिमिटेड विकसित करेगी

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने एक बयान में कहा कि उसने तेलंगाना, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, कर्नाटक और गोवा में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण तीन एलपीजी पाइपलाइन परियोजनाओं को मंजूरी दी है। सरकारी कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा विकसित की जाने वाली इन परियोजनाओं से पीएनजीआरबी द्वारा अधिकृत कॉमन-कैरियर एलपीजी पाइपलाइन नेटवर्क लगभग 7,700 किलोमीटर से बढ़कर लगभग 9,500 किलोमीटर हो जाएगा, जो लगभग 23.5 प्रतिशत की वृद्धि है।

आपूर्ति में आएगी ज्यादा स्थिरता

भारत एलपीजी की जरूरत का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में देश के भीतर मजबूत पाइपलाइन नेटवर्क जरूरी है। नई पाइपलाइनें तटीय आयात केंद्रों को बड़े खपत वाले क्षेत्रों से जोड़ेंगी। इससे मांग बढ़ने या किसी आपात स्थिति में एलपीजी की आपूर्ति बनाए रखने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा पाइपलाइन में मौजूद एलपीजी कुछ समय के लिए अतिरिक्त बफर की तरह काम कर सकती है। इससे अचानक सप्लाई बाधित होने पर व्यवस्था को संभालना आसान होगा।

3 नई परियोजनाएं

मंजूरी दी गई तीन नई परियोजनाएं हैं- चेर्लापल्ली (तेलंगाना) से नागपुर (महाराष्ट्र) तक 556 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन, झांसी (उत्तर प्रदेश) से सितारगंज (उत्तराखंड) तक 611 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन, और शिकारपुर (महाराष्ट्र) से गोवा और हुबली (कर्नाटक) तक 633 किलोमीटर लंबी लाइन।

भारतीय तट रक्षक बल और नौसेना रेस्क्यू में जुटे

पनामा के झंडे वाला मालवाहक जहाज डूबा, 24 में से 22 लापता

एजेंसी ▶▶ पारादीप

ओडिशा के पारादीप तट से करीब 240 नॉटिकल मील दूर बंगाल की खाड़ी में पनामा के झंडे वाला एक मालवाहक जहाज 'एमवी ओशन विनर' डूब गया। जहाज पर 24 क्रू सदस्य सवार थे। इनमें 20 चीनी नागरिक, म्यांमार के तीन नागरिक और बांग्लादेश का एक नागरिक शामिल था। भारतीय तटरक्षक बल और नौसेना ने बचाव अभियान शुरू कर 2 लोगों को बचा लिया है, जबकि बाकी क्रू सदस्यों की तलाश जारी है। मालवाहक जहाज ओडिशा से लौह अयस्क लेकर सिंगापुर की

फाइल फोटो

ओर जा रहा था। उसने शुक्रवार को ओडिशा के तट से अपनी यात्रा शुरू की थी। शनिवार को यह जहाज बंगाल की खाड़ी में डूब गया। जहाज के डूबने की सूचना मिलते ही आसपास मौजूद दूसरे जहाजों को भी अलर्ट किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य बाकी क्रू सदस्यों का पता लगाना और उनकी स्थिति की जानकारी हासिल करना है।

आपसी संवाद का बदलता मिजाज

खो न जाए रिश्तों की मिठास

घर-परिवार हो, पड़ोसी, मित्र-मंडली, सहकर्मी हों या रिश्तेदार, सभी से संबंध, हमारे बातचीत के तरीके और शब्दों पर निर्भर करते हैं। समय के साथ शब्द, संबोधन, भाषा की चाल बदलना स्वाभाविक है, लेकिन भाषा से यदि सम्मान और मर्यादा का भाव कम होने लगे तो रिश्तों की ऊष्मा, उसकी मिठास खोने का डर मंडराने लगता है। ऐसे में हम सभी को सजग होने की जरूरत है।

कवर स्टोरी

यशोधरा भटनागर

भाषा केवल बोलने का माध्यम नहीं, मनुष्य के भीतर से दूसरे मनुष्य तक जाने वाली वह महीन डोर है, जिसमें समय, संस्कार, स्मृतियां और संबंध एक साथ बंधे रहते हैं। किसी समाज की भाषा को सुनकर उसके समय की धड़कन पहचानी जा सकती है। शब्द बदलते हैं तो केवल शब्द नहीं बदलते, उनके साथ हमारे व्यवहार, हमारी निकटताएं और कभी-कभी हमारी संवेदनाएं भी अपना रूप बदल लेती हैं।

भाषा में होता था माधुर्य

एक समय था, जब मोहल्ला एक परिवार जैसा होता था और मोहल्ले की अपनी एक लोकभाषा हुआ करती थी। वह किसी व्याकरण की पुस्तक में नहीं मिलती थी, फिर भी उसमें जीवन का पूरा व्याकरण समाया होता था। पड़ोस की चाची, गली के काका, सामने वाले घर की दादी, दूध वाले भैया, डाकिया चाचा। रक्त-संबंध न होते हुए भी भाषा ने सबको रिश्तों में बांध रखा था। किसी के घर से पकवान निकला तो कटोरी पड़ोस में पहुंची। किसी के यहां कोई दुःख-परेशानी आई तो अगले दरवाजे से आवाज आती, 'कुछ चाहिए तो बताना।' किसी बुजुर्ग को देखते ही बच्चे का स्वर अपने आप नीचे हो जाता था। 'आप', 'आइए', 'बैठिए', 'खाइए', 'कैसे हैं?...' ये केवल शब्द नहीं बल्कि दूसरे के अस्तित्व को स्वीकार करने के संस्कार हुआ करते थे। मोहल्ले की उस भाषा में एक सहज माधुर्य था। उसमें आत्मीयता थी, पर आत्मीयता की भी एक मर्यादा थी। मजाक था, मगर अपमान नहीं। असहमति थी, मगर संबोधन में सम्मान बचा रहता था।

आज मोहल्ले सिकुड़कर अपार्टमेंट हो गए हैं और चौपालें स्क्रीन पर चली गई हैं। पड़ोसी का चेहरा कई बार वर्षों तक दिखाई नहीं देता, जबकि दूर देश में रहने वाला कोई डिजिटल मित्र प्रतिदिन बातचीत का हिस्सा बना रहता है। भाषा भी उसी के साथ बदल गई है।

नई पीढ़ी की बेलाग भाषा

आज जब हम नई पीढ़ी की भाषा की बात करते हैं, तो चर्चा केवल 'हाय', 'हैलो' 'ओके', 'कूल' 'ब्रो' या डिजिटल संक्षिप्तियों तक सीमित नहीं रह सकती है। इस भाषा का एक दूसरा, अधिक चिंताजनक पक्ष है बातचीत में बढ़ती बेलाग अशिष्टता, गाली-गलौज और अपशब्दों का सहज इस्तेमाल।

लेकिन इसे केवल 'आज के बच्चों के संस्कार खराब हैं' कहकर समझ लेना समस्या को बहुत छोटा कर देना होगा। आज युवाओं की

बातचीत में अपशब्दों का इस्तेमाल कई संदर्भों में सामान्य होता दिखाई देता है। शोध यह संकेत देते हैं कि युवाओं में अपशब्दों का प्रयोग केवल 'असंस्कारी' होने का परिणाम नहीं होता। कभी यह भावनाओं को तीव्रता से व्यक्त करने, कभी समूह में स्वीकार्यता पाने और कभी अपनी बात को अधिक प्रभावशाली बनाने का माध्यम बन जाता है। सोशल मीडिया ने युवाओं को अपनी बात खुलकर रखने के बहुत अधिक अवसर दिए हैं और इसके साथ अशिष्ट भाषा की दृश्यता भी बढ़ी है। यानी समस्या केवल शब्दों की नहीं, शब्दों के सामान्य हो जाने की है। दरअसल, जब किसी शब्द को बार-बार सुना जाता है, तो उसका चौंकाने वाला प्रभाव कम होने लगता है। जो कल असभ्य माना जाता था, वह आज मजाक का हिस्सा बन जाता है। और जो मजाक में कहा गया था, वह धीरे-धीरे रोजमर्रा की भाषा में प्रवेश कर जाता है।

समझना होगा महत्वपूर्ण अंतर

हर अपशब्द हिंसा नहीं है और हर अपशब्द किसी व्यक्ति को अपमानित करने के लिए नहीं बोला जाता। भाषा-विज्ञान और मनोविज्ञान के अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि लोग कभी-कभी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल भावनात्मक तीव्रता, तनाव या आश्चर्य व्यक्त करने के लिए करते हैं। लेकिन किसी की

गरिमा को चोट पहुंचाने वाली गाली और मित्रों के बीच भावनात्मक विस्मय व्यक्त करने वाला अपशब्द एक ही बात नहीं हैं। यहीं भाषा की नैतिकता का प्रश्न खड़ा होता है। आखिर यह भाषा आई कहां से? इस बदलाव के पीछे कई परतें हैं।

डिजिटल दुनिया: सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग, छोटे वीडियो और मीम संस्कृति में तीखी, उत्तेजक और चौंकाने वाली भाषा अकसर मनोरंजन का हिस्सा बन जाती है।

साथियों का प्रभाव: किशोरावस्था में समूह से जुड़ना बहुत महत्त्वपूर्ण होता है। कोई शब्द मित्र-मंडली में सामान्य है तो उसे न बोलना कई बार 'अलग' दिखाई देना हो सकता है। इसलिए युवा भाषा केवल व्यक्तिगत पसंद नहीं, समूह की पहचान भी बन जाती है।

घर की भाषा: हम अकसर बच्चों की भाषा पर अंगुली उठाते हैं, लेकिन यह भूल जाते हैं कि भाषा सीखने की पहली पाठशाला घर है। यदि घर में क्रोध का पहला उत्तर गाली है, तो बच्चे के लिए गाली केवल निषिद्ध शब्द नहीं रह जाती, वह क्रोध व्यक्त करने का सीखा हुआ तरीका बन सकती है।

ध्यान खींचने की प्रवृत्ति: बेलाग भाषा कई बार 'कूल', 'बोल्ड' या 'बेबाक' दिखने का माध्यम बन जाती है। इसीलिए कुछ युवा जान-बूझकर ऐसी भाषा चुनते हैं।

संवाद का घटता धैर्य: जब बातचीत छोटी होती जाती है, तो भाव व्यक्त करने के लिए शब्दों की जगह तीव्र शब्द लेने लगते हैं। इन सभी कारणों को समझने के बाद विकृत होती भाषा के लिए केवल नई पीढ़ी को दोष देना उचित नहीं होगा, क्योंकि भाषा का यह परिवर्तन केवल युवाओं ने पैदा नहीं किया है। उन्हें यह भाषा समाज ने दी है।

भाषा में बनी रहे मधुरता-मर्यादा

हमें पुरानी भाषा को हूबहू वापस लाने की आवश्यकता नहीं है। नई पीढ़ी की अपनी भाषा होगी ही। जरूरत केवल इतनी है कि आधुनिकता के साथ माधुर्य भी रहे और बेबाकी के साथ मर्यादा भी। प्रश्न शब्द का नहीं, उसके पीछे मौजूद मन का है। हम न भूलें कि शब्दों में अद्भुत शक्ति होती है। वे रिश्तों में मिठास घोल सकते हैं तो हमेशा के लिए खटास भी भर सकते हैं। *

मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाए

भाई-बहन का भावनात्मक संबल

हर परिवार में भाई-बहन का रिश्ता सबसे अनोखा और प्यारा होता है। उम्र के हर दौर में भाई-बहन का एक-दूसरे को दिया जाने वाला भावनात्मक संबल, मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाने में भी बड़ी भूमिका निभाता है। इस बारे में आप विस्तार से जरूर जानना चाहेंगे।

पॉजिटिव इफेक्ट

नैंसी गुप्ता

बदलती जीवनशैली, बढ़ता काम का दबाव, सोशल मीडिया की तुलना और अकेलेपन की भावना आज मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारण बन चुके हैं। ऐसे समय में परिवार का भावनात्मक सहयोग, हर व्यक्ति के लिए सबसे बड़ी ताकत साबित होता है। परिवार में भाई-बहन का रिश्ता सबसे अलग और प्यारा होता है, क्योंकि यह केवल बचपन की यादों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि जीवन के हर पड़ाव पर भावनात्मक सुरक्षा, भरोसा और अपनापन भी देता है। भाई-बहन का रिश्ता दोनों के मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भावनात्मक सुरक्षा: बचपन के बाद टीनएज, यंगएज और मिडएज में भाई-बहन दोस्त जैसे हो जाते हैं, जिससे वे बिना किसी झिझक के अपनी भावनाएं साझा कर लेते हैं। जब जीवन में तनाव, असफलता या किसी तरह की परेशानी आती है, तो भरोसेमंद भाई या बहन का साथ मानसिक बोझ को काफी हद तक कम कर देता है। यह भावनात्मक सुरक्षा, चिंता और अकेलेपन की भावना को घटाने में मदद करती है।

तनाव होता है कम: मानसिक तनाव के दौरान किसी भरोसेमंद व्यक्ति से बात करना काफी राहत देता है। भाई-बहन एक-दूसरे की परिस्थितियों, स्वभाव और पारिवारिक पृष्ठभूमि को अच्छी तरह समझते हैं। इसलिए वे बिना जज किए सुनते हैं और व्यावहारिक सलाह भी देते हैं। यह सहयोग तनाव से बाहर निकलने में सहायक हो सकता है।

अकेलापन महसूस हो कम: आज के समय में अनेक युवक-युवतियां, परिवार से दूर रहकर पढ़ाई या नौकरी करते हैं। ऐसे में अकेलेपन की समस्या बढ़ सकती है। ऐसे में यदि भाई-बहन के साथ नियमित बातचीत होती रहे, तो दूरी के बावजूद भावनात्मक जुड़ाव कायम रहता है। फोन कॉल, वीडियो कॉल या संदेश भी मानसिक सुकून देने का काम करते हैं।

बढ़ता है आत्मविश्वास: हर व्यक्ति के जीवन में ऐसे पल आते हैं जब उसे अपनी क्षमता पर संदेह होने लगता है। ऐसे समय में भाई या बहन का प्रोत्साहन आत्मविश्वास को दोबारा मजबूत कर सकता है। बचपन से एक-दूसरे की खूबियों और कमजोरियों को जानने के कारण, उनका उत्साहवर्धन अधिक प्रभावी महसूस होता है।

कठिन समय में सहारा: मानसिक स्वास्थ्य केवल भावनाओं तक सीमित नहीं है। बीमारी, आर्थिक परेशानी या पारिवारिक संकट के समय भाई-बहन, भावनात्मक समर्थन के साथ-साथ व्यावहारिक मदद भी करते हैं। जिम्मेदारियां बांटना, निर्णय लेने में साथ देना और समस्याओं का समाधान ढूंढ़ना मानसिक दबाव को कम करने में मदद करता है।

मिलती है सकारात्मक ऊर्जा: बचपन की सुखद यादें मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालती हैं। भाई-बहन के साथ बिताए गए खेल, त्योहार, शरारतें और पारिवारिक अनुभव कठिन समय में भी व्यक्ति को भावनात्मक रूप से मजबूत महसूस कराते हैं। कहा जा सकता है कि भाई-बहन का रिश्ता केवल खून का रिश्ता नहीं, बल्कि जीवन भर साथ रहने वाला भावनात्मक सहारा भी है। बदलते समय में जब मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं, तब यह रिश्ता हमें अपनापन और आत्मविश्वास देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। * **(क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट निर्मल वर्मा से बातचीत पर आधारित)**

रिश्ता बनाए रखें मजबूत

भाई-बहन के बीच केवल रिश्ता होना ही पर्याप्त नहीं होता है, बल्कि मजबूती बनाए रखने के लिए उसे समय देना भी जरूरी है। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद नियमित बातचीत करें, एक-दूसरे की उपलब्धियों की सराहना करें, मतभेद होने पर संवाद बनाए रखें और छोटी-छोटी बातों को लंबे समय तक मन में न रखें। स्वस्थ संवाद रिश्ते को मजबूत बनाता है और मानसिक संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है। इसके साथ ही रक्षाबंधन, जन्मदिन या परिवार के छोटे-छोटे समारोह, भाई-बहन को फिर से करीब लाने का अवसर देते हैं। ऐसे अवसरों को मिस न करें। इस दौरान साथ समय बिताना, पुरानी यादें साझा करना, उल्लास के पल बिताना और एक-दूसरे का हाल-चाल जानना भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत करता है। कई परिवारों में भाई-बहनों के बीच तुलना की जाती है, जिससे तनाव, ईर्ष्या और आत्मसम्मान से जुड़ी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इसके बजाय एक-दूसरे की सफलता का सम्मान करना और मुश्किल समय में सहयोग देना रिश्ते को अधिक सकारात्मक बनाता है। भाई-बहन के बीच स्वस्थ संबंध मानसिक स्वास्थ्य के लिए हमेशा लाभदायक होते हैं।

गजल

ओम निश्चल

राखी आ गई

फिर उमड़ आई बहन की याद राखी आ गई
फिर से पकवानों में आया स्वाद राखी आ गई

थाल में कुमकुम औ रोली सज गई
हृदय में उठ रहा है आह्लाद राखी आ गई

गुनगुनाने-सा लगा है फिर ये घर
फिर हुआ है मायका आबाद राखी आ गई

चैनलों पर गीत गाए जा रहे
छंट गया है जेहन से अवसाद राखी आ गई

बंध गई हैं राखियां फिर हाथ में
बहन-भाई कर रहे संवाद राखी आ गई

एक धागे में जो चाहे बांध लो
भाईचारे का यही मरजाद राखी आ गई

लघुकथाएं

कच्ची डोर

शादी के कुछ दिन बाद ही विदेश जा बसी बहू ने, सुबह-सुबह फोन की घंटी बजते ही अनमने मन से अपनी सास का कॉल रिसीव किया, बोली, 'प्रणाम मां जी, कैसी हैं आप?' सासू मां बोलीं, 'अरे बहू, रक्षाबंधन पर अपने भाई को राखी भेजना मत भूलना। शादी के बाद पहली राखी है, तुम्हारे घर पर सब इंतजार करेंगे।' 'जी मां जी, भेज दूंगी, आप चिंता ना करें।' उसने सधी-सपाट आवाज में जवाब दिया और फोन रखते ही सोचने लगी, 'फोन, चैट, वाट्सएप सब तो चलता ही रहता है, मैं कौन-सी भाई से साल में एक बार मिलती हूं? इस साल ही तो दूर आई हूं। राखी भेजने की औपचारिकता करना ही क्या जरूरी है?' बाद में वह घर-ऑफिस के कामों में ऐसा उलझी कि यह भूल ही गई रक्षाबंधन है कब? रक्षाबंधन के दिन सुबह-सुबह भाई ने अपनी कलाई पर सजी सुंदर राखी की फोटो भेजी और एक प्यारा-सा संदेश भी। 'कितना खुश हूं मैं कि वहां जाकर भी तुम्हें राखी का त्योहार याद रहा, अपने भाई के लिए स्नेह की डोर भेजना न भूली। देख तो दूर रहकर भी हमारे बीच कभी दूरियां नहीं आएंगी। यह रेशमी धागा हमें हमेशा बांधे रखेगा।' फिर फोन पर बात हुई तो भाई-बहन दोनों का गला रुंध गया। आंखों में नमी लिए खुशी से कांपते हाथों से उसने सासू मां को फोन लगाया तो उन्होंने

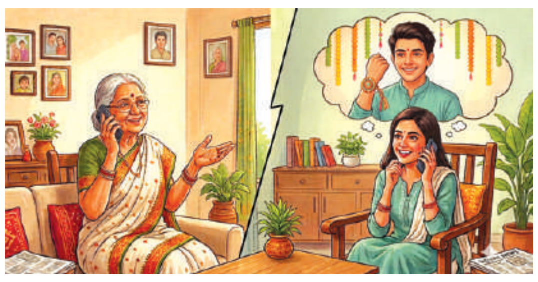

चहकते हुए पूछा, 'राखी बांध ली भाई ने?'

'जी मां जी, पर...' बहू आगे कुछ पूछती, उधर से सास बोली, 'अरे बहू, राखी मैंने भेजी थी। चार दिन पहले ही राजेश ने बताया कि तुम राखी नहीं भेज पाई हो।' कुछ ठहरकर उन्होंने फिर कहा, 'बहू, कच्ची डोर से बंधे रिश्ते भी टूटते नहीं, बस यह डोर कच्ची ना पड़े, इतना ख्याल रखना जरूरी होता है।' *

-मोनिका शर्मा

हस्ताक्षर

वृद्धाश्रम में रहने वाले एक बुजुर्ग रोज सुबह सबसे पहले वहां का उपस्थिति रजिस्टर खोलते और कांपते हाथों से अपने नाम के सामने हस्ताक्षर करते थे। एक दिन वहां मौजूद एक स्वयंसेवक ने उत्सुकता से पूछा, 'अंकलजी, यहां तो कोई रोज जांच भी नहीं करता, फिर आप हर दिन रजिस्टर में हस्ताक्षर क्यों करते हैं?' बुजुर्ग हल्का-सा मुस्कुराए और बोले, 'आदत है बेटा बरसों पुरानी आदत।' कुछ पल चुप रहने के बाद उनकी आंखें कहीं दूर टिक गईं, फिर धीमे स्वर में बोले, 'पूरी जिंदगी बैंक के कागजों पर, जमीन के दस्तावेजों पर, मकान के रजिस्ट्री पेपर्स पर, न जाने कितनी बार हस्ताक्षर करता रहा। हर हस्ताक्षर किसी न किसी जिम्मेदारी या अधिकार का प्रतीक था। लेकिन जिस दिन आखिरी मकान भी बेटे के नाम कर दिया, उसी दिन मेरे नाम का कमरा बदल गया और मैं इस वृद्धाश्रम में आ गया।' स्वयंसेवक के पास कोई शब्द नहीं बचे। वह केवल बुजुर्ग के चेहरे को देखता रह गया। बुजुर्ग ने धीरे से रजिस्टर बंद किया, गहरी सांस ली और बोले, 'अब यहां रोज इसलिए हस्ताक्षर करता हूं, ताकि कम से कम एक जगह तो हर दिन यह दर्ज होता रहे कि मैं अभी जिंदा हूं, मेरा अस्तित्व अभी पूरी तरह मिटा नहीं है।' यह सुनते ही रजिस्टर का वह साधारण-सा पन्ना अचानक बहुत भारी हो गया। उस दिन स्वयंसेवक ने पहली बार समझा- सबसे कठिन हस्ताक्षर वे नहीं होते जो संपत्ति बांटते हैं, बल्कि वे होते हैं, जो हर दिन खुद के अस्तित्व का प्रमाण देते हैं। *

-कृति आर.के. जैन

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

करुणा की शक्ति

वर्तमान समय का सबसे ज्वलंत सवाल यह है कि युद्ध, हिंसा, गैरबराबरी, अन्याय, शोषण जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान क्या हो सकता है? इस सवाल का मुकम्मल जवाब है नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी की किताब 'करुणा-समाधान की शक्ति।' आज हमारी सभ्यता जितनी तेजी से विकास के नए आयाम गढ़ रही है, उतनी ही तेजी से चुनौतियों के दलदल में फंसती भी जा रही है। मनुष्य तकनीकी रूप से जितना सक्षम हो रहा है, सामाजिक रूप से उतना ही विपन्न भी होता जा रहा है। यहां तक कि अपने आप से भी उसका संबंध

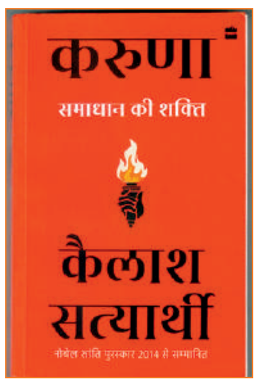

समाप्त होता जा रहा है। करुणा वही परिवर्तनकारी शक्ति है, जो हमें इन समस्याओं से उबार सकती है। किताब में करुणा की नई परिभाषा से हम रूबरू होते हैं। करुणा कोई मामूली भावना नहीं बल्कि हमें बड़ी से बड़ी समस्या के समाधान तक पहुंचाने वाली ताकत है। न्याय की आत्मा है, बुद्धि का सर्वश्रेष्ठ स्वरूप है। लेखक ने करुणा के इतने आयामों से हमारा परिचय कराया है, जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। किस तरह जीवन के हर क्षेत्र में करुणा को लागू कर हम एक खुशहाल जिंदगी जी सकते हैं? किस तरह करुणा को मापा जा सकता है और किस तरह इसे अपने भीतर बढ़ाया भी जा सकता है? कुल मिलाकर करुणा में एक बेहतर दुनिया के निर्माण की शक्ति निहित है। *

किताब: करुणा-समाधान की शक्ति, **लेखक:** कैलाश सत्यार्थी, **अनुवाद:** आशुतोष गर्ग, **मूल्य:** 399 रुपए, **प्रकाशक:** हार्पर हिंदी, गुरुग्राम

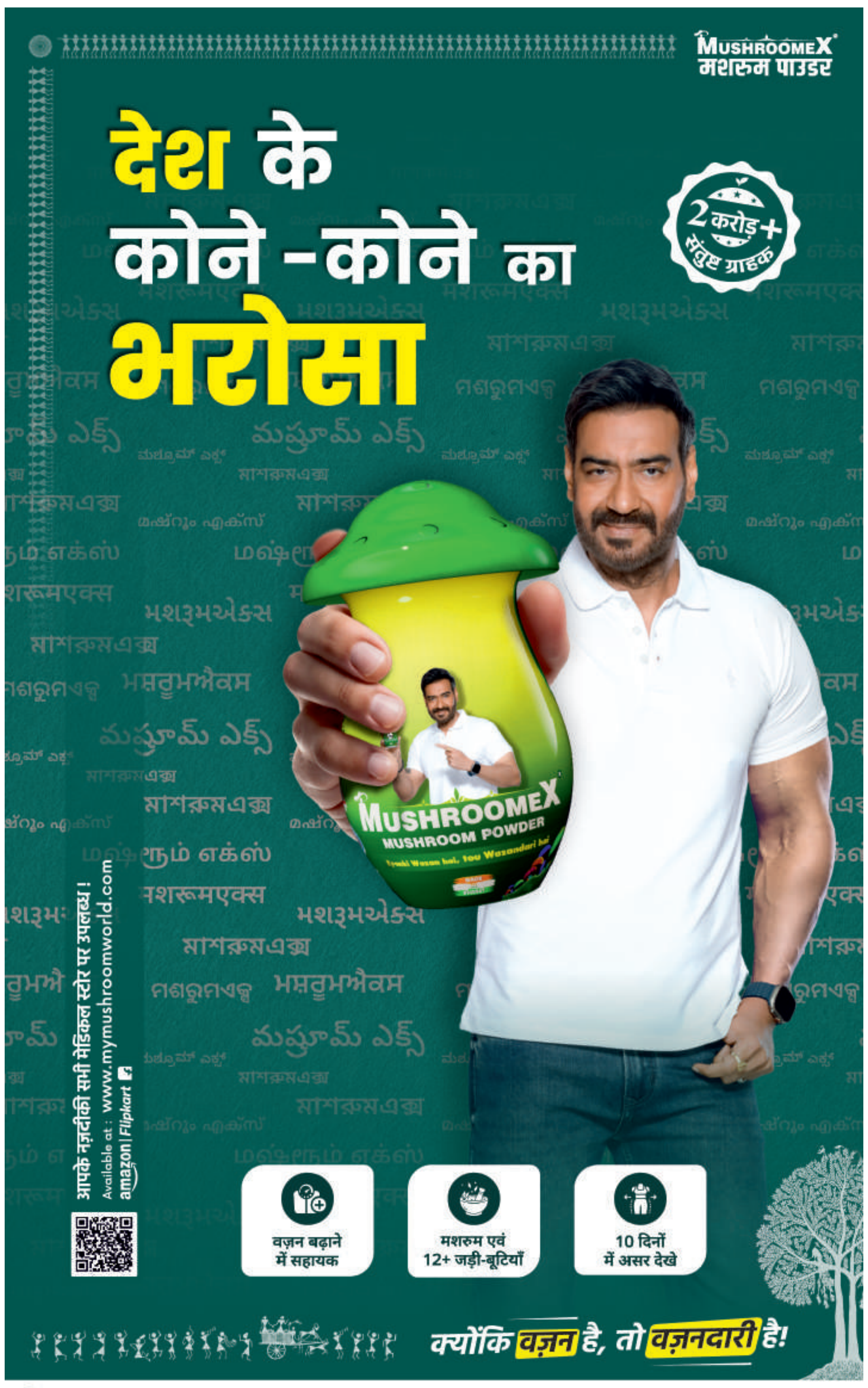

Mushroom World Ayurved & Food Pvt. Ltd.
For Trade Enquiry - +91 888 922 3333

श्रीलंका के खिलाफ दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच आज सुबह 10 बजे से

3 साल बाद विदेशी जमीन पर सीरीज जीतने उतरेगा भारत

एजेंसी ▸▸| कोलंबो

पहले टेस्ट मैच में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में अपना विजय अभियान जारी रखकर विदेशी धरती पर 3 साल में पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने की कोशिश करेगी जबकि कप्तान शुभमन गिल और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की निगाह बड़ा स्कोर बनाने पर होगी।

2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ जीती थी सीरीज

भारत ने विदेश में अपनी आखिरी टेस्ट श्रृंखला जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ जीती थी। उसके बाद से भारत को ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा जबकि उसने दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के साथ उनके घरेलू मैदान पर श्रृंखला बराबर की थी। इस बीच उसे न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका से घरेलू धरती पर हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन अब भारत ने गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में 165 रन की शानदार जीत के साथ कुछ हद तक वापसी की है, जिससे कप्तान गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर को राहत मिली होगी।

कप्तान के रूप में गिल का प्रदर्शन शानदार

भारत को इस मैच में गिल और जायसवाल से बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। गिल अच्छी फॉर्म में नजर आ रहे हैं। उन्होंने अपनी पिछली छह पारियों में दो शतक बनाए हैं। लेकिन पिछले मैच में उनका बल्ला नहीं चल पाया था। उन्हें विशेषकर बाएं हाथ की स्पिनर के सामने दिक्कत हो रही है। गॉल में दोनों पारियों में उन्हें खब्बू स्पिनर प्रभात जयसूर्या ने आउट किया। इसके अलावा कप्तान के रूप में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। गिल ने कप्तानी संभालने के बाद 10 टेस्ट मैचों में 73 से अधिक के औसत से 1100 रन बनाए हैं। वह कप्तान के रूप में विदेश में अपनी पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने के लिए भी प्रतिबद्ध होंगे।

डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंचने की उम्मीद

भारत अगर इस श्रृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप कर लेता है, तो वह 57.58 प्रतिशत अंकों के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच सकता है। लेकिन यह बांग्लादेश की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में हार पर ही संभव हो पाएगा। डार्विन में पहले टेस्ट में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाला बांग्लादेश अभी चौथे स्थान पर है।

सारांश को मिल सकता है पदार्पण का मौका

इस पर भी सब की नजर रहेगी कि कुलदीप यादव अंतिम एकादश में जगह बना पाते हैं या नहीं। पहले मैच में पिच से काफी मदद मिलने के बावजूद उन्होंने दो पारियों में 25 ओवरों में सिर्फ एक विकेट लिया था। कुलदीप पहले टेस्ट मैच में गेंदबाजों में सबसे महंगे साबित हुए, उन्होंने प्रति ओवर चार से अधिक रन लुटाए। श्रीलंका की टीम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाजों को देखते हुए ऑफ स्पिनर सारांश जैन को पदार्पण का मौका मिल सकता है। लेकिन सिर्फ एक मैच के बाद किसी सीनियर गेंदबाज को टीम से बाहर करना गलत संकेत दे सकता है।

श्रीलंका टीम में सकारात्मक बदलाव

श्रीलंका को अगर श्रृंखला में वापसी करनी है तो उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को धैर्य के साथ खेलना होगा। उन्हें उम्मीद होगी कि शानदार फॉर्म में चल रहे कामिल मिशारा और साहन अरच्चिगे को टीम में शामिल करने से सकारात्मक बदलाव आएगा।

मैच का समय : सुबह 10 बजे

सिनसिनाटी ओपन

सेमीफाइनल में पहुंची कोको गॉफ

एजेंसी ▸▸| मेसन

कोको गॉफ ने नंबर 10 सीड मार्टा कोस्त्युक को 6-2, 6-2 से हराकर सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वह ओपन एरा में 23 साल की उम्र से पहले सिनसिनाटी ओपन सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी खिलाड़ी भी बन गई हैं। कोको गॉफ ने मार्टा कोस्त्युक को आसानी से हरा दिया। मुकाबले के दौरान गॉफ का दबदबा देखने को मिला। उन्होंने अलग-अलग तरह के शॉट चुने और टूर पर किसी से भी बेहतर कोर्ट कवर किया। सेमीफाइनल में कोको गॉफ का सामना सारा बेजलेक से होगा।

बेजलेक ने मैडिसन कीज को दी मात

सारा बेजलेक ने एक सेट से पिछड़ने के बाद और आखिर में तीसरे सेट के टाईब्रेक में 4-2 से पिछड़ने के बाद पूर्व ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन मैडिसन कीज को 3-6, 6-4, 7-6 (5) से हराकर सेमीफाइनल में पहुंची हैं। बेजलेक ने फरवरी में अबू धाबी ओपन में क्वालीफायर के तौर पर अपना पहला डब्ल्यूटीए टूर टाइटल जीता था। बेजलेक की अब तक की शानदार जीत में उनकी हमवतन कैरोलिन प्लिसकोवा और बारबोरा क्रेजसिकोवा भी शामिल हैं, जो सबालेंका और कीज के साथ पहले डब्ल्यूटीए 1000 चैंपियन बन चुकी हैं। 2009 के बाद से, बेजलेक डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल तक पहुंचने के रास्ते में ऐसी चार खिलाड़ियों को हराने वाली सिर्फ दूसरी खिलाड़ी हैं, इससे पहले प्लिसकोवा ने आठ साल पहले मैड्रिड में ऐसा किया था।

टियाफो-नाकाशीमा ने कटाया सेमीफाइनल का टिकट

टियाफो ने इटली लोरेंजो मुसेटी को 7-6 (2), 7-5 से और नाकाशीमा ने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज को 7-6, 4-6, 6-3 से हराया। अंतिम चार में यह दोनों खिलाड़ी आमने-सामने होंगे। यह 2010 के बाद पहला अवसर है जबकि अमेरिका के दो खिलाड़ी पुरुष एकल के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। पुरुष एकल के दूसरे सेमीफाइनल में इटली के फ्लेवियो कोबोली का मुकाबला फ्रांस के आर्थर फिल्स से होगा।

एडवेंटहेल्थ गोल्फ चैंपियनशिप संयुक्त बढ़त पर रेहान

कंसास सिटी। दुबई में जन्मे भारतीय गोल्फर रेहान थॉमस ने पहले राउंड में 64 का स्कोर बनाने के बाद अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दूसरे राउंड में सात अंडर 65 का स्कोर बनाया, जिससे उन्होंने एडवेंटहेल्थ गोल्फ चैंपियनशिप में 7 खिलाड़ियों के साथ संयुक्त बढ़त हासिल कर ली। थॉमस दो राउंड के बाद 15-अंडर के स्कोर के साथ टेलर डिक्सन, जोसेफ ब्रैमलेट, डेविस शोर, जॉन मार्शल बटलर, क्रिस फ्रैंकोयर और पहले राउंड में शीर्ष पर रहने वाले एंड्रयू कोज़ान के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। थॉमस ने दसवें होल पर दो बर्डी के साथ शुरुआत की लेकिन उन्होंने 12वें होल में बोगी कर दी।

प्रीमियर लीग : डिफेंडिंग चैंपियन आर्सेनल का विजयी आगाज

आर्सेनल ने कोवेंट्री सिटी को 3-0 से दी मात

एजेंसी ▸▸| लंदन

आर्सेनल ने एमिरेट्स स्टेडियम में प्रमोटेड कोवेंट्री सिटी को 3-0 से हराकर अपने प्रीमियर लीग खिताब को डिफेंड करने की शानदार शुरुआत की। आर्सेनल की सामरिक रणनीति में सबसे उल्लेखनीय बात नए खिलाड़ियों का शानदार तालमेल है। क्रिस्टोस त्जोलिस ने लगातार आक्रामक करते हुए बाएं विंग पर अपनी काबिलियत साबित कर दी, जिससे विरोधी टीमों के डिफेंस सतर्क हो गए। ग्रीक खिलाड़ी ने शुरुआती दो गोलों में अहम योगदान दिया। खास तौर पर, उनके खतरनाक क्रॉस ने गोलकीपर रशवर्थ को मुश्किल बचाव करने पर मजबूर कर दिया, जिससे बुकायो साका को बढ़त को दोगुना करने का शानदार मौका मिल गया। मिकेल आर्टेटा और उनके खिलाड़ियों ने फ्रैंक लैम्पार्ड की कोवेंट्री टीम पर आसानी से अपना दबदबा बना लिया।

मैनेजर मिकेल आर्टेटा की लीग में 150 जीत

कप्तान मार्टिन ओडेगार्ड ने खेल में जगह और गति को व्यवस्थित करने में अहम भूमिका निभाई। नॉर्वेजियन मिडफील्डर के उस गोल ने, जिसने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही 3-0 की जीत सुनिश्चित कर दी, टीम की लगातार उच्च दबाव वाला खेल बनाए रखने की क्षमता का स्पष्ट प्रमाण दिया। मैनेजर मिकेल आर्टेटा लीग में 150 जीत हासिल कर ली है। उन्होंने पेप गार्डियोला या सर एलेक्स फर्ग्यूसन जैसे शीर्ष रणनीतिकारों की बराबरी कर ली है। वह पेप गार्डियोला (204 मैच), जोस मोरिन्हो (231), जुर्गन क्लॉप (237), और सर एलेक्स फर्ग्यूसन (247) के बाद 250 से कम मैचों में यह मुकाम हासिल करने वाले सिर्फ पांच मैनेजरों में से एक बन गए।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी एवं भू अर्जन अधिकारी बेगमगंज जिला रायसेन

दिनांक 13.08.2026

// सार्वजनिक सूचना //

प्रकरण कमांक 00 / अ-82/2026-27 चूंकि राज्य शासन को प्रतीत होता है कि निम्न अनुसूची में खाने (1) से (6) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (8) में उनके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यक्ता है अथवा आवश्यक्ता पडने की संभावना है। उक्त प्रयोजन हेतु प्रकरण में मध्य प्रदेश शासन राजस्व विभाग मंत्रालय भोपाल के परिपत्र क्रमांक एफ 12-2/2014/सात/शा 2 ए भोपाल दिनांक 12 नबम्बर 2014 के द्वारा प्रतिपादित आपसी सहमति से भूमि क्रय की नीति के तहत कार्यवाही प्रचलित है। अतएव निम्न दर्शित भूमि धारको से परियोजना के लिये राज्य सरकार से संबधित विभाग / उपक्रम में पक्ष में क्रय किये जाने पर विचार किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति की भूमि के स्वत्व के विषय में कोई आपत्ति हो तो वह नियत अवधि (सार्वजनिक सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर) में आधार सहित प्रस्तुत कर सकता है। नियत अवधि के पश्चात् प्राप्त आपत्तियो पर विचार नही किया जावेगा।

:: अनुसूची ::

भूमि का वर्णन

क्र.	भूमि स्वामी का नाम	ग्राम का नाम	सर्वे क्रमांक	कुल रकबा हे.में.	अर्जित रकबा हे.में.	प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
1	2	3	4	5	6	7	8
01	वीरसिंह / करोडी राजपूत	रतनहारी	55/1	1.267	0.047	कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग रायसेन	बेगमगंज सागर मार्ग (SH-86A) से महुआखेडा कलां, गोरखा, पडरिया राजाधार, से सिलवानी सागर (SH-15) मार्ग निर्माण
02	दलपत / करोडी राजपूत		55/2	1.339	0.068		
03	नरोत्तम / करोडी राजपूत		29/2	0.0530	0.009		
04	नरोत्तम/करोडी राजपूत		35	0.150	0.024		
05	हुकुमसिंह पिता दलपतसिंह		422/54	0.048	0.009		
06	मलखानसिह लाखनसिह चंदाबाई पिता पंचम रेकाबाई वेवा पंचम		47	0.085	0.039		
07	मलखानसिह लाखनसिह चंदाबाई पिता पंचम रेकाबाई वेवा पंचम		52	0.214	0.028		
08	कुंवरसिह पिता राजकुमार		423/408/2/1	0.069	0.005		
09	नीलेश पिता गुलाबसिंह राजपूत		239/2	0.101	0.018		
10	हेमंत पिता हेमराज		246	0.158	0.059		
11	हेमराज/कोमलसिंह चन्द्रेश/राजकुमार राजपूत		240/1	0.057	0.016		
12	रामसिंह / बाबूसिंह राजपूत		240/2/1	0.020	0.014		
13	राजेशसिंह/बाबूसिंह राजपूत		240/2/2	0.016	0.014		
14	उत्तमसिंह/बाबूसिंह राजपूत		240/2/3	0.016	0.014		
15	मोहरसिंह / करोडी राजपूत		242/2	0.036	0.025		
16	मोहरसिंह / करोडी राजपूत		243/1	0.044	0.002		
17	वीरसिंह/करोडी राजपूत		298/1/1	0.016	0.007		
18	सूरज आ नरोत्तम		298/1/2	0.008	0.004		
19	रामकिशोर / पृथ्वीसिंह		232/1	0.012	0.008		
20	हुकुमसिंह पिता दलपतसिंह		232/5	0.026	0.001		
21	प्यारे/भजमन गौड 1/2 पुल्के, रतन, अमरसिंह महेन्द्र		296	0.0032	0.012		
22	नन्हीबाई पत्नि देवेन्द्रसिंह		294/1	0.024	0.008		
23	देवेन्द्रसिंह/बाबूसिंह राजपूत		293/2	0.020	0.005		
24	गंगाबाई पत्नि खूबसिंह		301/1	0.073	0.032		
25	भवानी पत्नि गोरेलाल		301/2/1	0.024	0.017		
26	राजभवेमी पुत्र परमू		301/2/3	0.024	0.017		
27	देवेन्द्रसिंह पिता भैयालाल		302/1/1	0.060	0.007		
28	जवाहर पिता भैयालाल		302/1/2	0.061	0.007		
29	शीतल पिता रणधीरसिंह		302/2/1	0.061	0.018		
30	रामराज पिता रणधीरसिंह		302/2/2	0.020	0.008		
31	कमलेश पिता रणधीरसिंह		302/2/3	0.020	0.008		
32	डेलनसिंह पिता रणधीरसिंह		302/2/4	0.020	0.008		
33	लखनसिह / दरयावसिंह		304	0.878	0.064		
34	आशाबाई बेबा मलखानसिंह,		308/5	0.303	0.005		
35	भगवानसिंह पिता बाबूलाल		308/2	0.222	0.002		
36	भगवत / महतावसिंह		53	0.304	0.025		
37	योग रतनहारी			5.852	0.654		

सक्षम प्राधिकारी (भू अर्जन)
एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)
अनुविभाग बेगमगंज जिला-रायसेन

G-17527/26 " स्वच्छता ही सेवा "

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
भवन नियंत्रक विधानसभा
राजधानी संभाग क्र.-3 लोक निर्माण विभाग,
ई-5 अरेरा कॉलोनी भोपाल फोन-0755 2463894

// निविदा आमंत्रण सूचना //

निम्न लिखित कार्यों हेतु निविदाएं, मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में उचित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों (ठेकेदारों की श्रेणी कॉलम में उद्धृत अनुसार) से आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट **http://www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्रं	सिस्टम टेन्डर नं.	एन.आई.टी. क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य की अवधि	ठेकेदारों की श्रेणी
1	2026_ सी.पी.ए._ 530183	43/व.ले.लि./ 26-27/ दि. 18.08.2026	वार्षिक रखरखाव के अन्तर्गत विधानसभा भवन दीवार/वूडन फर्नीचर /पेनलिंग, ग्रिल, दरवाजे, आदि का पेन्टिंग और पालिशिंग कार्य ।	रू 9,86,360.00	रू 19727.00	रू 2000.00	08 माह	तदैव
2	2026_ सी.पी.ए._ 530185	44/ 26-27/ दि. 18.08.2026	विधानसभा भवन में वार्षिक संधारण के अन्तर्गत स्काई लाईट, पेरापिट, रेलिंग, बेसमेंट एरिया एवं अन्य कार्य ।	रू 9,85,000.00	रू 19700.00	रू 2000.00	06 माह	तदैव
3	2026_ सी.पी.ए._ 530188	45/ 26-27/ दि. 18.08.2026	विधानसभा भवन के सेक्शन कार्यालयों एवं अन्य क्षेत्रों के पुराने अनुपयोगी वातानुकूलन व्यवस्था को वी.आर.वी./ वी.आर./एफ. व्यवस्था से बदलने का कार्य	रू 23,51,050.00	रू 47021.00	रू 2000.00	12 माह	तदैव
4	2026_ सी.पी.ए._ 530193	46/ 26-27/ दि. 18.08.2026	विधानसभा भवन में स्टेशनरी सेक्शन / अन्य कार्यालय एवं विभिन्न अन्य क्षेत्रों आदि का मरम्मत एवं नवीनीकरण कार्य ।	रू 19,90,000.00	रू 39800.00	रू 2000.00	08 माह	तदैव
5	2026_ सी.पी.ए._ 530194	47/ 26-27/ दि. 18.08.2026	विधायक विश्राम गृह स्थित माननीय विधायक महोदयों के सूट्स एवं बंगलों के परदे कंबल का ड्राई क्लीनिंग एवं हॉट आयरन, सोफा सेट का ड्राय क्लीनिंग चेयर का सुधार कार्य गोदरेज अलमारी का सुधार एवं स्प्रे पेंटिग कार्य ।	रू 5,96,750.00	रू 11935.00	रू 2000.00	06 माह	तदैव
6	2026_ सी.पी.ए._ 530198	48/ 26-27/ दि. 18.08.2026	वार्षिक रखरखाव के अन्तर्गत विधायक विश्राम गृह स्थित नवीन पारिवारिक खण्ड-1, 2 (एन-1 एवं एन-2) के कक्ष, कॉरीडोर पोर्शन, का व्हाईट वॉशिंग, ऑयल डिस्टेमपरिंग, एवं पेंटिग कार्य ।	रू 9,89,058.00	रू 19781.00	रू 2000.00	06 माह	तदैव
7	2026_ सी.पी.ए._ 530199	49/ 26-27/ दि. 18.08.2026	वार्षिक रखरखाव के अन्तर्गत विधायक विश्राम गृह स्थित खण्ड क्र. 2 के कक्ष, कॉरीडोर पोर्शन, का व्हाईट वॉशिंग, ऑयल बाण्ड डिस्टेमपरिंग, एवं पेंटिग कार्य ।	रू 9,88,780.00	रू 19776.00	रू 2000.00	06 माह	तदैव
8	2026_ सी.पी.ए._ 530201	50/ 26-27/ दि. 18.08.2026	वार्षिक रखरखाव के अन्तर्गत विधानसभा भवन की चेयर का सुधार एवं फेब्रिक कार्य (गोदरेज अथवा समकक्ष) सोफा सेट, चेयर, कारपेट का ड्राई क्लीन कार्य	रू 3,35,153.00	रू 6703.00	रू 2000.00	08 माह	तदैव
9	2026_ सी.पी.ए._ 530202	51/ 26-27/ दि. 18.08.2026	वार्षिक रखरखाव के अन्तर्गत विधायक विश्राम गृह स्थित खण्ड क्र. 3 का व्हाईट वॉशिंग, ऑयल बाण्ड डिस्टेमपरिंग, एवं पेंटिग कार्य ।	रू 7,53,500.00	रू 11470.00	रू 2000.00	06 माह	तदैव
10	2026_ सी.पी.ए._ 530204	52/ 26-27/ दि. 18.08.2026	वार्षिक रखरखाव के अन्तर्गत विधायक विश्राम गृह स्थित एनपीपी खण्ड अ, ब, स एवं स्टॉफ क्वाटर्स का व्हाईट वॉशिंग, ऑयल बाण्ड डिस्टेमपरिंग, एवं पेंटिग कार्य ।	रू 5,35,400.00	रू 10708.00	रू 2000.00	06 माह	तदैव

(1) उपरोक्त वेबसाईट से ऑनलाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (**tender documents**) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा।
(2) निविदा प्रपत्र क्रय करने की तिथि दिनांक 24.8.2026 से दि. 1.9.2026 सांय 5.30 बजे तक निर्धारित है।
(3) विस्तृत एन.आई.टी एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखी जा सकता है।
(4) निविदा से संबधित आवश्यक अभिलेख केवल ऑन लाईन ही प्राप्त किये जा सकेगें। यदि आवश्यक हो तो केवल निविदाकार स्वयं कार्यालय में जाकर स्थल का अवलोकन कर सकता है।

कार्यपालन यंत्री
भवन नियंत्रक विधानसभा
राजधानी संभाग क्र.-3 लोक निर्माण विभाग,
ई-5 अरेरा कॉलोनी भोपाल फोन-0755 2463894

G-17484/26 " स्वच्छता ही सेवा "

Office of the Returing Officer,
Central Goods & Service Tax and Allied Departments Employees' Co-operative Credit Society Ltd., Mumbai & Collector and District Magistrate, Mumbai City

Email : collector.mumbaicity@maharashtra.gov.in Tel. No.:- 022-22662440

Ref. : Order dated 25/03/2026 received from Section Officer-CEA, Government of India, Ministry of Co operation, The Co-operative Election Authority

In the exercise of the powers conferred by the Section 45 K{1} of the Multi State Co-operative Societies Act 2002 read with the Rule 19F(a) of the Multi State Co-operative Societies Rules 2002, as amended with MSCS Rules in 2023, an election is schedule where, Collector & District Magistrate, Mumbai City is the Returning Officer, who is appointed to conduct the election of the Board of Diretors of Central Goods & Service Tax and Allied Departments Employee's Co-operative Credit Society Ltd. Old Custom House, Ground Floor, Near Maruti Idol, Shahid Singh Road, Fort, Mumbai - 400001.

Officer of the Returning officer	Collector & District Magistrate, Mumbai City, Old Custom House, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai - 400 001.
Registered Office of the Society	Central Goods & Service Tax and Allied Departments Employee's Co-operative Credit Society Ltd., Old Custom House, Ground Floor, Near Maruti odol, Shahid Singh Road, Fort, Mumbai - 400001.

ELECTION OF DIRECTORS FOR THE TERM 2026-2031 (Bye-Law No.36)

Sr. No.	Category	No. of Directors
1	General	09
2	Schedule Caste/Schedule Tribes	01
3	Women	02
	Total	12

ELECTION PROGRAMME

SR.	STAGES	DAY/DATE	TIME	PLACE
1	Publication of Provisional List of Members Eligible to Votes	24/08/2026 (Monday)	By Evening	Office of the Returning Officer, (Add :- Collector & District Magistrate, Mumbai City 3rd Floor, Old Custom House, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai - 400001). & Registered office of the Society.
2	Time Window for Raising Objection to the Provisional List	25/08/2026 To 29/08/2026 (Tuesday to Saturday)	11.00 A.M. To 03.00 P.M.	Office of the Returning Officer, (Add :- Collector & District Magistrate, Mumbai City 3rd Floor, Old Custom House, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai - 400001).
3	Scrutiny of objection received to the Provisional List (If any)	31/08/2026 To 03/09/2026 (Monday to Thursday)	11.00 A.M. To 03.00 P.M.	Office of the Returning Officer, (Add :- Collector & District Magistrate, Mumbai City 3rd Floor, Old Custom House, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai - 400001).
4	Publication of Final List of Members Eligible to vote	05/09/2026 (Saturday)	By Evening	Office of the Returning Officer, (Add :- Collector & District Magistrate, Mumbai City 3rd Floor, Old Custom House, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai - 400001). & Registered office of the Society.
5	Issue and Filing of Nomination Form	15/09/2026 To 19/09/2026 (Tuesday to Saturday)	11.00 A.M. To 03.00 P.M.	Office of the Returning Officer, (Add :- Collector & District Magistrate, Mumbai City 3rd Floor, Old Custom House, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai - 400001).
6	Publication of List of Nomination Received	19/09/2026 (Saturday)	By 5.00 P.M.	Office of the Returning Officer, (Add :- Collector & District Magistrate, Mumbai City 3rd Floor, Old Custom House, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai - 400001). & Registered office of the Society.
7	Scrutiny of Received Nomination Forms	21/09/2026 (Monday)	11.00 A.M. onwards	Office of the Returning Officer, (Add :- Collector & District Magistrate, Mumbai City 3rd Floor, Old Custom House, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai - 400001).
8	Publication of List of Valid Nominations	21/09/2026 (Monday)	5.00 P.M.	Office of the Returning Officer, (Add :- Collector & District Magistrate, Mumbai City 3rd Floor, Old Custom House, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai - 400001). & Registered office of the Society.
9	Withdrawal of Nominations	22/09/2026 (Tuesday)	11.00 A.M. To 03.00 P.M.	Office of the Returning Officer, (Add :- Collector & District Magistrate, Mumbai City 3rd Floor, Old Custom House, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai - 400001).
10	Publication of Final list of Contesting canditates	22/09/2026 (Tuesday)	By Evening	Office of the Returning Officer, (Add :- Collector & District Magistrate, Mumbai City 3rd Floor, Old Custom House, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai - 400001). & Registered office of the Society.
11	Date of Polling if Necessary	05/10/2026 (Monday)	08.00 A.M. To 04.00 P.M. (and all those who have entered polling station at 04.00 p.m. or before should be allowed to cast vote.)	Place will be declared later.
12	Counting of Votes	Date and Place will be declared later.		
13	Submission of Form 19 M with recommendation for seeking approval of CEA before declaration of result of BOD	After Counting		
14	Declaration of Results of Board of Directors	13/10/2026 (Tuesday)		

Election Programme of Office Bearers (After Declaration of Result of Board Members Election)

1.	Announcement of Election Schedule	14/10/2026 (Wednesday)	Office of the Returning Officer, (Add :- Collector & District Magistrate, Mumbai City 3rd Floor, Old Custom House, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai - 400001).
	(I) Time window for filing Nomination	09.30 am to 11.30 am	
	(II) Scrutiny of nomination papers	12.30 pm to 02.00 pm	
	(III) Time and date for Withdrawal	02.00 pm to 04.00 pm	
	(IV) Display of list of contersting candidate and Schedule of Election.	04.00 pm	
2.	Meeting of Newly Constituted Board & Publication of List for valid Nominations, Polling (if required)	15/10/2026 (Thursday) 11.00 a.m. Onwards	Office of the Returning Officer, (Add :- Collector & District Magistrate, Mumbai City 3rd Floor, Old Custom House, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai - 400001).
3.	Declaration of Result of Election of Office Bearers	21/10/2026 (Wednesday)	

NOTES :-

1. A copy of Voters list will be supplied by the society to any Regular member on payment of such fee as may be specified by the Board of Directors of the society.
2. The Nomination Forms duly completed as prescribed therein shall be presented in person by the candidate or through any person authorized by him/her, at the Election office so as to reach him not later than 03.00 p.m. on 19/09/2026. Nomination forms received thereafter shall not be accepted.
3. A Regular member who gets disqualified under any of the provisions specified in Section 43 and 44 of the Multi State Co-operative Societies Act, 2002 and/or Byelaw No. 15 of the Society, shall not be eligible for being nominated for a seat on the Board.
4. After the close of the poll, the ballot boxes used for poll shall be sealed at respective polling centers and the same shall be brought to place of counting.
5. Any changes mentioned above will be conveyed by publishing the same on Society's website and/or by publishing in the newspapers.
6. The candidate filing Nomination form under the category of reserve seats for Scheduled Caste & Scheduled Tribe should attach copy of caste certificate duly attesed by self, with his/her nomination form.
7. Withdrawal of Nomination (if any), shall be made by a notice in writing and submit in person by the Candidate or by person authorised on his/her behalf as per election programme. A notice of withdrawal of nomination once given shall be irrevocable.
8. Place of polling stations (if election contested) will be declared later. Voters are advised to bring any one of their own original Photo Identity Card issued by Government Authorities like Passport, Driving Licence, Voter card issued by the Election Commission, Aadhaar Card, PAN Cards etc. during voting to prove their identity if called upon by the Officer on Election Duty.

Place : Mumbai
Date : 20/8/2026

SEAL

sd/-
(Aanchal Goyal)
Returning Office &
Collector & District Magistrate,
Mumbai City.

वरिष्ठ नागरिक मंडल में सप्तचक्र पर सार्थक एवं संतुलित परिचर्चा आयोजित

सप्तचक्रः स्वस्थ, संतुलित, आनंदमय जीवन का एक आयाम पर हुई परिचर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

वरिष्ठ नागरिक मंडल, भोपाल द्वारा "सप्तचक्र : स्वस्थ, संतुलित एवं आनन्दमय जीवन का एक आयाम" विषय पर विशेष परिचर्चा का आयोजन शनिवार, 22 अगस्त 2026 को मंडल सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष शांति स्वरूप सक्सेना ने की।

अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों के निरन्तर सीखते रहने, सक्रिय रहने तथा परिवार और समाज से जुड़े रहने को स्वस्थ एवं सार्थक जीवन का महत्वपूर्ण आधार बताया। परिचर्चा में वरिष्ठ चिकित्सक एवं कार्यक्रम के मार्गदर्शक डॉ. श्रवण कुमार गौर ने सप्तचक्रों को

भारतीय योग एवं तांत्रिक परम्परा में वर्णित महत्वपूर्ण विषय बताते हुए कहा कि इसे परम्परा, अनुभव और आधुनिक अध्ययन तीनों ही दृष्टियों से संतुलित एवं विवेकपूर्ण ढंग से समझने की आवश्यकता है।

वैज्ञानिक विनम्रता पर दिया बल

प्रमाणित तथ्यों को स्वीकार करने तथा अनुसंधानाधीन विषयों पर वैज्ञानिक विनम्रता बनाए रखने पर बल दिया। इसके पश्चात मूलाधार से सहस्रार तक सात चक्रों, उनकी पारम्परिक अवधारणाओं, साधना एवं व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों तथा कुंडलिनी की पारम्परिक अवधारणा पर क्रमिक परिचर्चा हुई। विशेषज्ञ पैनल में हाई वेलॉसिटी ट्रॉमा केयर विशेषज्ञ डॉ. राजेश शर्मा, वरिष्ठ भेषज विशेषज्ञ डा. रचना पान्डे, श्रीमदभगवद्गीता व रामचरित के विद्वान व साहित्यकार श्री ईंजी. अनिल कुमार तिवारी, वरिष्ठ योगगुरु श्री गोपाल कृष्ण त्रिवेदी, आयुर्वेदिक चिकित्सा विशेषज्ञ डा. मधुसूदन देशपांडे, फीजियोलॉजिस्ट-प्रोफ़ेसर डा. विजय गौर, माइक्रोन्यूरोसर्जरी विशेषज्ञ डा. अशोक नायक एवं सिद्ध समाधि योग शिक्षक इंजी. गिरजा नन्दन पान्डे ने अपने-अपने दृष्टिकोण साझा किए।

धोखाधड़ी मामले में अशोक गोयल को मिली जमानत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल के स्कॉटिश गार्डन फेज-1 एवं फेज-2 से जुड़े बहुचर्चित मामले में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट जबलपुर के जस्टिस अजय कुमार निरंकारी ने भूमि स्वामी अशोक गोयल को नियमित जमानत प्रदान कर दी है।

अशोक गोयल की ओर से अधिवक्ता विजय कुमार चौधरी एवं विवेक चौधरी ने पैरवी करते हुए बहस में कहा कि अशोक गोयल ने विवेचना के दौरान सहयोग किया, उन्हें विवेचना के दौरान गिरफ्तार नहीं किया गया और चालान भी प्रस्तुत हो चुका है। गोयल पर लगाए गए आरोप गलतफहमी पर आधारित हैं।

दस्तावेज दिखाते हैं कि जमीन के मालिक एवं कब्जेदार थे

उनका कहना है कि दस्तावेज़ दिखाते हैं कि प्रहलाद दास गोयल, स्वर्गीय ओमवती गोयल और पंच सेवा गृह निर्माण सहकारी समिति संयुक्त रूप से भोपाल जिले की हुजूर तहसील के नेवारी गाँव में स्थित लगभग 19.51 एकड़, 24.44 एकड़ और 12.54 एकड़ (कुल मिलाकर लगभग 56.49 एकड़) जमीन के मालिक और कब्जेदार थे। उनका कहना है कि यह जमीन 30.11.2006 के सहयोग-सह-विकास समझौते (कोलाब्रेशन-कम-डेवलपमेंट एग्रीमेंट) के तहत एक पेशेवर डेवलपर, निहो कंस्ट्रक्शन लिमिटेड को सौंपी गई थी; इस समझौते को बाद में 03.06.2008 को रजिस्टर किया गया था।

रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में बनाई कमेटी

नियामक आयोग का चेयरमैन चुनने तीन सदस्यीय कमेटी बनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र में विद्युत नियामक आयोग के चेयरमैन का पद पिछले करीब दो सालों से रिक्त है। इसकी वजह से बिजली के क्षेत्र में ठोस निर्णय नहीं हो पा रहे हैं। काफी साल बाद मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने खास रूचि लेकर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की है। जल्दी ही प्रक्रिया पूरी होते ही नियुक्ति कर दी जाएगी।

विद्युत नियामक आयोग के चेयरमैन के चयन के लिए रिटायर्ड न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय कमेटी बनाई गई है। ऊर्जा विभाग की इस कमेटी में मुख्य सचिव और केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के अध्यक्ष को सदस्य बनाया है। इस पद के लिए 19 जून तक आवेदन बुलाए गए हैं। इसके बाद अब इस मामले में आगे की कार्रवाई शुरू की है। चयन समिति में उच्च न्यायालय के रिटायर्ड न्यायाधीश रूपेश चंद्र वार्ष्णेय अध्यक्ष होंगे, जबकि मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल सदस्य होंगे। इसके अलावा अध्यक्ष, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण भी समिति के सदस्य बनाए गए हैं। ऊर्जा विभाग ने इसके लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। अब समिति के सदस्यों की ओर से बुलाए गए आवेदनों में से उचित नाम का पैनल तैयार कर राज्य शासन को सौंपा जाएगा।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस विशेष

चांद तक पहुंचने के बाद अब आसमान को समझने की बारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आज अंतरिक्ष हमारे दैनिक जीवन से भी कहीं अधिक जुड़ा हुआ है। मौसम की भविष्यवाणी, संचार, नेविगेशन, कृषि, आपदा प्रबंधन, मानचित्रण और पर्यावरण की निगरानी इन सभी क्षेत्रों में अंतरिक्ष तकनीक की भूमिका बढ़ती जा रही है। इसलिए अंतरिक्ष विज्ञान अब केवल वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष यात्रियों का विषय नहीं रह गया है। पुणे के एमेच्योर एस्ट्रोनोमर रमित मनवानी ने बताया कि राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस का सबसे बड़ा उद्देश्य यही होना चाहिए कि हम अपने बच्चों को केवल यह न बताएं कि भारत चंद्रमा तक पहुंच गया है, बल्कि उन्हें रात के आकाश को देखने के लिए भी प्रेरित करें। एक साधारण दूरबीन से चंद्रमा के क्रेटर देखना, बृहस्पति के चार बड़े उपग्रहों को

पहचानना, शनि की रिंग्स को देखना या बिना किसी उपकरण के नक्षत्रों को पहचानना ये अनुभव किसी बच्चे के मन में विज्ञान के प्रति ऐसी जिज्ञासा पैदा कर सकते हैं, जो किसी पाठ्यपुस्तक से संभव नहीं।मध्य प्रदेश और विशेषकर भोपाल जैसे शहरों में इस दिशा में अपार संभावनाएँ हैं। भारत सरकार के सहयोग से आंचलिक विज्ञान केंद्र भोपाल में हाल ही में स्पेस गैलरी का शुभारंभ हुआ है। यह गैलरी प्रत्येक विद्यार्थी के देखने योग्य है।

गोवंश तस्करी के मामले में फरार इनामी आरोपी पकड़ाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

निशातपुरा पुलिस ने गोवंश तस्करी के मामले में फरार चल रहे तीन हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में तीन आरोपियों की पहले ही गिरफ्तारी की जा चुकी है। आरोपी इकराम कुरैशी करीब एक महीने से फरार था। उसकी गिरफ्तारी पर पुलिस ने तीन हजार रुपए का इनाम रखा था। पुलिस ने शनिवार को मुखबिर की सूचना पर करोंद के कमल नगर इलाके से घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया। उसकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने इलाके में जुलूस निकाला।

पुलिस की संवेदनशीला से लौटी मासूमों की मुस्कान

भोपाल। किसी मासूम बच्चे का घर से बिछड़ जाना केवल परिवार के लिए चिंता और पीड़ा का विषय नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए एक संवेदनशील चुनौती है। डर, घबराहट और नासमझी के बीच अपनों से बिछड़े बच्चों के लिए पुलिस और बाल संरक्षण संस्थाओं की संवेदनशील भूमिका उम्मीद की किरण बन रही है। मध्यप्रदेश पुलिस और एसओएस बाल ग्राम के संयुक्त प्रयासों से ऐसे बच्चों की पहचान, सुरक्षा, काउंसलिंग और परिवार से पुनर्मिलन की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है।

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II. New Delhi-110070, India. ICIN: L35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ^Finance offers are at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs. *Offer valid only on purchase of new Hero Two Wheeler & Hero GoodLife Enrollment on the corresponding purchase till 31st Aug. 2026. #The Cashback of 5% upto ₹5000 is applicable on the transaction between ₹30 000 to ₹1 00 000. The new revised ex-showroom price is valid for a limited period only. Hero MotoCorp reserves the right to modify or withdraw any or all offers without prior notice. ~Ex-showroom price of HF Deluxe Canvas variant applicable in Madhya Pradesh. *Terms & Conditions apply.

अधिकृत डीलरः भोपाल: वरेण्यम हीरो (प्रभात पेट्रोल पंप, रायसेन रोड 9289922466, जे.के. रोड 8959905381), साँई हीरो (डी.आई.जी. बंगला, बैरसिया रोड) 9289922685, यूनाईटेड हीरो (कोहेफिज़ा) 9289923150, बैतूल: खण्डेलवाल हीरो 9289922624, सीहोरः मंत्री हीरो (कन्हैयालाल मंत्री पेट्रोल पंप, इंदौर नाका) 9522257567, ब्यावरा: आनंद हीरो 9289922871, गुना: गगन हीरो 9289922358, अशोक नगर: आरव हीरो 9821743269, होशंगाबाद: पुण्यशिला हीरो 9289922360, हरदा: राहुल हीरो 9289922491, विदिशा: पाल हीरो 9289922379, दमोह: इण्डिया ऑटो हीरो 9289922573, सागर: सेन्ट्रल हीरो (भगवानगंज, मक्रोनिया) 9289922376, टीकमगढ़: आनंद हीरो 9289923112, छतरपुर: आनंद हीरो (झाँसी रोड 9289922374, पन्ना रोड 7389238472), ग्वालियर: तनुष्का हीरो (सिटी सेन्टर 9289922371, मुरार 4099928, कम्पू 4072000), तरन अंगद हीरो (फूलबाग 9289922483, सखियाँ विलास 2438534), भिण्ड: शिवम हीरो 9289922787, दतिया: शिव हीरो 9289923172, मुरैना: गगन हीरो 9289922678, श्योपुर: आशीष हीरो 9289922832, शिवपुरी: रघुवंशी हीरो 9289922571, इंदौर: सुखमणी हीरो (अन्नपूर्णा रोड) 9289922719, वी.एन. हीरो (एयरपोर्ट रोड) 9289923061, सेठी ऑटोमोबाइल्स (भवरकुआँ) 9289923211, रुक्मारानी ऑटोमोटिव (एलआईजी स्क्वायर के पास) 8871444414, मेहता ऑटोमोबाइल्स (देवास नाका), 9821741577, बड़वानी: शर्मा हीरो 9289922742, बुरहानपुर: श्रीजी हीरो 9289922372, देवास: खुराना हीरो (ए.बी. रोड 9289922488, गंगानगर 9993596392), धार: साक्षी हीरो 9289922618, हाट पिपलिया: श्रीराम हीरो 9289923154, झाबुआ: नाकोड़ा हीरो 9289922679, कुक्षी: अन्नपूर्णा हीरो 9289922749, खण्डवा: ठक्कर हीरो 9289923018, खरगोन: निमाड़ हीरो 9289922378, महू: लक्ष हीरो 9289923176, पीथमपुर: रघुवंशी हीरो 9289923047, सनावद: राजेश हीरो 9289922774, रतलाम: एक्सीलेन्ट हीरो (महू रोड 9289922375, सैलाना रोड 07412-408600) नीमच: उत्तम हीरो 9289922367, मन्दसौर: रामदर्शन हीरो 9289922369, जावरा: रिलायबल हीरो 9289923045, एसोशिएट डीलर: आष्टा: श्री रघुवीर मोटर्स 9893018553, 7428594671, बगदोना: आर्यन्स इन्टरप्राईज़ेज 7428594665, बरेली: श्री सूर्योदय हीरो 9826832251, 9098960970, भोपाल: मानिक मोटर्स 8827379110, मंडीदीप: सोनी मोटर्स, 9179461211, 8962143877, बंडा: श्रुति मोटर्स, 7879573737, नसरुल्लागंज: जीवन मोटर्स 9977926838, गंजबासोदा: ध्रुव इन्टरप्राइज़ेज 9826867673, इटारसी: रेवा मोटर्स 9425630406, जतारा: शारदा माँ ऑटोमोबाईल 9111231539, करेरा: आदित्यसागर इन्टरप्राईज़ेज 9425436890, 7428492559, पिपरिया: राज मोटर्स 7576454997, नरसिंहगढ़: गुरुकृपा मोटर्स 9303416007, 7428595910, पचोर: प्रिंस ऑटोमोबाईल्स 9755131010, रायसेन: युवराज मोटर्स 7828500001, 7428595899, बीना: राहुल ऑटोमोबाईल्स 9893494971, टीकमगढ़: एस.एस. इन्टरप्राइज़ेज 7000242371, खरगापुर: हरिओम ऑटोमोबाईल्स 9993267954, राघोगढ़: बृजेश इंटरप्राइजेज 7999006113, श्यामपुर : गोपी मोटर्स 9111009671, लटेरी: श्याम हीरो 7748890061, जामनेर: अरुण सेल्स एंड सर्विस 9893626185, सिरोंज: प्रिया एंटरप्राइज, 9425344557, सिराली: भायरे मोटर्स, 9981247007, टिमरनी: गंगोत्री मोटर्स, 9755101902, अम्बाह: उमा ऑटोमोबाईल्स 9329683351, डबरा: दुर्गा एजेन्सी 9926746001, पिछोर: दशमेश ऑटोमोबाइल्स 9425490424, सबलगढ़: शिवम मोटर्स 9893085461, कोलारस: भूपेंद्र इंटरप्राइजेज 9425769569, बैराड़: लक्ष्मी ऑटोमोबाइल्स 9893075206, बदरवास: बालाजी इंटरप्राइजेज 9893670277, गोहद: ओम साईं मोटर्स 8358994876, लहार: लक्ष्मी ऑटोमोबाइल्स सर्विस 9770444999, अलीराजपुर: विजय ऑटोमोबाईल्स 9993912143 अंजड़: न्यू निमाड़ मोटर्स 9425416084, बदनावर: नज्मी ऑटोमोबाईल्स 9111841851, बेड़िया: कृष्णा मोटर्स 7428494667, बामनियां: अनुश्री ऑटोमोबाईल्स 9630703344, छनेरा: गुरुनानक मोटर्स 7428390286, बेटमा: अंकित ऑटोमोबाईल्स 9826460777, धामनोद: अमृत ऑटोमोबाईल्स 9425088316, इंदौर: क्वालिटी ऑटोमोबाईल्स 8602295522, मुंडी: अभिषेक मोटर्स 7428390273, पानसेमल: हीरा ऑटोमोबाईल्स 7428494666, पेटलावद: भंडारी अभिकरन 9977287143, धरमपुरी: कृष्णा ऑटोमोबाइल 9993906745, राऊ: अवनि ऑटोमोबाईल्स 9826906983, सेंधवा: डीलक्स मोटर्स 7428295060, निवाली : श्री वल्लभ मोटर्स, 9893501517, नागदा: कांठेड़ ऑटोमोबाईल्स 9111141177, पुंजापुरा: पटेल मोटर्स 9755567226, सतवास: शिवम मोटर्स 9826088351, सिंघोट: आकाश मोटर्स 7428494665, सोनकच्छ: भारत मोटर्स 9826607753, घाटाबिल्लोद: लक्ष्मी मोटर्स 9826524005, खाचरोद: जय गणेश ऑटोमोबाईल्स 8305827074, मांगलिया: श्री साईं मोटर्स 8962460729, 8889415553, जौरा: विजयानंद मोटर्स 9754451762, राणापुर: सिद्ध शीला ऑटोमोबाइल्स, 8770264612, जोबट: धारा ऑटोमोबाइल्स, 9615908908, सोंडवा: राज ऑटोमोबाइल्स, 9754260982, क्षिप्रा: श्री शिव हरि मोटर्स, 7771088838, सुखलिया इंदौर: आर्यन मोटर्स, 9399928958, कांटाफोड़: रुखमणी मोटर्स, 9993048891, नीलबड़: महाकाल मोटर्स, 9586778889, तीन इमली: न्यू गीतांजलि मोटर्स, 6267121700, नेहरु नगर: रुद्र एंटरप्राइजेज, 9039011650,51,52,53, गांधीनगर: आर जे मोटर्स, 8827588411, स्नेहलतागंज: साहू ऑटोमोबाइल, 9926977784, अमझेरा: महावीर ऑटोमोबाइल, 9589890703, सागौर कुटी: अमन ऑटोमोबाइल, 9039055993, जावद: शिवाय इंटरप्राइजेज, 9752346321, रानीसिंह: गुरुकृपा ऑटोमोबाइल्स, 9753044683, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) गुना: गगन हीरो 9289922358, विदिशा: पाल हीरो 9289922379, भिण्ड: शिवम् मोटर्स 9289922787, पीथमपुर: रघुवंशी हीरो 9289923047, छनेरा: गुरुनानक मोटर्स 7428390286, सारंगी: श्री मोटर्स, 9340927342, सीतामऊ: तिरुपति मोटर्स, 9753008855, पिपलिया मंडी: नवपद मोटर्स, 9479861211, दलोदा: जेएस मोटर्स, 9926600906.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930